Daily
# THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Tuesday, 20 May 2025 ● Year : 03 ● Issue : 124 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

**सुविचार**

जो व्यक्ति ईर्ष्यालु होता है, वही बुरे किस्म का निंदक भी होता है।

-रामधारी सिंह 'दिनकर'

Ananya Panday
Ishaan Khatter...

# भारत कोई धर्मशाला नहीं, जो बाहर से आए किसी को भी शरण दे : सुप्रीम कोर्ट

AGENCY NEW DELHI :

सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने श्रीलंकाई शरणार्थी से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है। दुनियाभर से आए शरणार्थियों को भारत शरण क्यों दे। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने यह टिप्पणी श्रीलंका के एक नागरिक की याचिका खारिज करते हुए की। दरअसल, मद्रास हाईकोर्ट ने श्रीलंकाई नागरिक को यूएपीए मामले में 7 साल की सजा पूरी होते ही तुरंत भारत छोड़ देने का आदेश दिया था। इसके खिलाफ उसने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर हस्तक्षेप करने की मांग की थी। याचिकाकर्ता की तरफ से आर. सुधाकरन, एस. प्रभु रामसुब्रमण्यम और वैरावन एएस ने कोर्ट में दलील दी।

## श्रीलंकाई तमिल नागरिक ने जान का खतरा बताकर मांगी थी पनाह, याचिका खारिज

## मद्रास हाईकोर्ट ने यूएपीए मामले में सजा पूरी होते ही भारत छोड़ देने का दिया था आदेश

### याचिकाकर्ता श्रीलंका में घोषित है वांछित

याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि वह वीजा लेकर भारत आया है। श्रीलंका में उसकी जान को खतरा है। उसकी पत्नी और बच्चे भारत में बसे हैं और वह तीन साल से हिरासत में है, लेकिन निर्वासन की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई। याचिकाकर्ता ने बताया कि वह 2009 में श्रीलंकाई युद्ध में एलटीटीई के सदस्य के रूप में लड़ा था, इसलिए श्रीलंका में उसे ब्लैक-गजटेड (वांछित) घोषित किया गया है। अगर उसे वापस भेजा गया, तो उसे गिरफ्तारी और यातना का सामना करना पड़ सकता है।

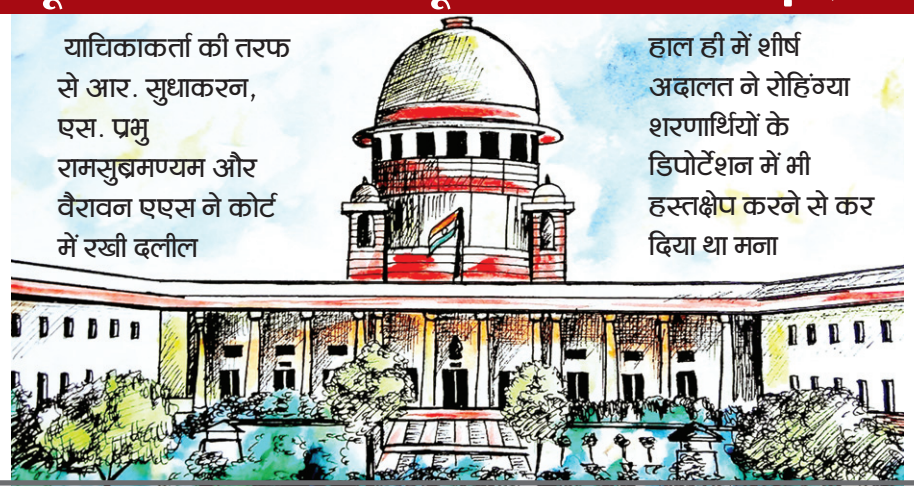

याचिकाकर्ता की तरफ से आर. सुधाकरन, एस. प्रभु रामसुब्रमण्यम और वैरावन एएस ने कोर्ट में रखी दलील

हाल ही में शीर्ष अदालत ने रोहिंग्या शरणार्थियों के डिपोर्टेशन में भी हस्तक्षेप करने से कर दिया था मना

### श्रीलंका में सुनाई गई थी 10 साल की सजा

बता दें कि एलटीटीई पहले श्रीलंका में सक्रिय एक आतंकी संगठन था। 2018 में एक निचली अदालत ने याचिकाकर्ता को यूएपीए के तहत 10 साल की सजा सुनाई थी। 2022 में मद्रास हाई कोर्ट ने सजा को सात साल कर दिया और कहा कि सजा पूरी होने के बाद उसे देश छोड़ना होगा और निर्वासन से पहले शरणार्थी कैंप में रहना होगा। मालूम हो कि हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने रोहिंग्या शरणार्थियों के डिपोर्टेशन में भी हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था।

## मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह केस में सुप्रीम कोर्ट ने गठित की एसआईटी

- तीन आईपीएस अधिकारियों के जिम्मे सौंपी गई जांच की जिम्मेदारी
- एसआईटी की टीम 28 मई तक कोर्ट में दाखिल करेगी स्टेटस रिपोर्ट

कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर विवादित बयान देने वाले मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह की माफी को सोमवारको सुप्रीम कोर्ट ने नामंजूर कर दिया। कोर्ट ने मामले की जांच के लिए एसआईटी बनाने का निर्देश दिया है। हालांकि कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर भी रोक लगा दी है। शाह के वकील ने कहा कि उनके क्लाइंट ने माफी मांग ली है। इस पर कोर्ट ने उन्हें फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि आप लोगों के सामने पूरी तरह बेनकाब हो चुके हैं। आप पब्लिक फिगर हैं। आपको बोलते समय अपने शब्दों पर विचार करना चाहिए। इसके बाद कोर्ट ने मामले की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) बनाने के आदेश दिए। इसमें तीन आईपीएस अधिकारी होंगे, जिनमें एक आईजी और बाकी दो एसपी लेवल के अफसर होंगे। इनमें एक अधिकारी महिला होना अनिवार्य होगा। सभी अफसर मध्य प्रदेश कैडर के हो सकते हैं, लेकिन राज्य के मूल निवासी नहीं होने चाहिए।

**SHARE**

| | | |
|---|---|---|
| सेंसेक्स | : | 82,059.42 |
| निफ्टी | : | 24,945.45 |

**SARAFA**

| | | |
|---|---|---|
| सोना | : | 8,930 |
| चांदी | : | 109.00 |

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

**BRIEF NEWS**

### रिटायर्ड चीफ जस्टिस को 15 लाख पेंशन देने का निर्देश

NEW DELHI : सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के रिटायर्ड चीफ जस्टिस को 15 लाख रुपये सालाना पेंशन देने का निर्देश दिया है। साथ हाईकोर्ट के रिटायर्ड जजों को 13.50 लाख रुपये सालाना पेशन देने का निर्देश दिया है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायाधीश एजी मसीह और न्यायाधीश के. विनोद चंद्रन की पीठ ने सिविल कोर्ट और हाईकोर्ट जजों के पेंशन फिक्सेशन के मामले में यह निर्देश दिया। न्यायालय ने सरकार को यह निर्देश दिया कि वह एक रैंक एक पेंशन के फॉर्मूले के तहत हाईकोर्ट के रिटायर्ड चीफ जस्टिस को सालाना 15 लाख रुपये पेंशन दे। सुप्रीम कोर्ट ने हाइकोर्ट के रिटायर्ड जजों को 13.50 लाख रुपये सालाना पेंशन देने का निर्देश दिया। रिटायर्ट हाईकोर्ट जज के श्रेणी में एडिशनल जज के रूप में रिटायर करने वाले जजों को शामिल करते हुए उन्हें भी हाईकोर्ट के रिटायर्ड जजों के बराबर पेंशन देने का निर्देश दिया।

## रांची में अपराधी बेलगाम... लगातार हो रहे मर्डर से सहमे लोग

# कांके में दिनदहाड़े घर में घुसकर जमीन कारोबारी को मारा चाकू

PHOTON NEWS RANCHI :

रांची में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। अपराधी लगातार अलग-अलग आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। बढ़ती वारदातों से शहर के सहमे हुए हैं। सोमवार को राजधानी रांची के कांके डैम इलाके में उस वक्त सनसनी फैल गई, जब मुंडन कार्यक्रम के दौरान कुछ अज्ञात अपराधी एक घर में घुस गए और रमेश उरांव (35) नामक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी। इस घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल व्याप्त हो गया। आक्रोशित ग्रामीण सड़क पर उतर गए। आक्रोशित ग्रामीणों ने कांके रोड को जाम कर जमकर प्रदर्शन किया। जानकारी के मुताबिक, कांके डैम क्षेत्र स्थित एक घर में मुंडन का कार्यक्रम चल रहा था। उसी दौरान कुछ लोग अचानक घर में घुस गए और रमेश उरांव पर ताबड़तोड़ चाकू से हमला कर दिया। परिजनों ने आनन-फानन में घायल रमेश को रिम्स अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मृतक जमीन का कारोबार करता था।

## इलाज के दौरान मौत, मुंडन कार्यक्रम के दौरान अपराधियों ने दिया घटना को अंजाम

- घटना के बाद इलाके में तनाव, लोगों ने सड़क पर उतरकर जताया आक्रोश
- सड़क जाम कर रहे ग्रामीणों को पुलिस ने की समझाने की कोशिश
- गिरफ्तारी व मृतक के परिवार को मुआवजा देने की मांग कर रहे थे ग्रामीण
- हत्या के कारणों का नहीं हुआ है खुलासा, आपसी रंजिश की जताई जा रही आशंका

घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार है, लेकिन उसके कुछ अहम सुराग पुलिस को मिले हैं। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। हालांकि हत्या की वजह क्या रही होगी, इसे लेकर फिलहाल कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है।

-सुमित अग्रवाल, ग्रामीण एसपी, रांची

### गांधी नगर गेट के पास चार घंटे तक रोड जाम

इधर, रमेश उरांव की हत्या से कांके के लोगों में भारी आक्रोश है। लोगों ने सड़क पर उतरकर जमकर प्रदर्शन किया। लोगों ने कांके रोड के गांधी नगर गेट के पास सड़क को जाम कर दिया, जिससे ट्रैफिक व्यवस्था बाधित हुई। 4 घंटे तक रोड को जाम रखा। स्थानीय लोग अपराधी की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। मौके पर डीएसपी हेडक्वार्टर ने ग्रामीणों से बात कर अंतिम संस्कार के लिए 10 हजार मुआवजा और जल्द से जल्द अपराधियों की गिरफ्तारी का आश्वासन देकर जाम खुलवाया।

## खुलासा : पाकिस्तान के निशाने पर था अमृतसर का गोल्डेन टेंपल

AGENCY NEW DELHI :

सोमवार को भारतीय सेना ने यह बड़ा खुलासा किया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की ओर से भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों, धार्मिक स्थलों सहित नागरिक ठिकानों को निशाना बनाए जाने की आशंकाएं थीं, जिनमें अमृतसर का स्वर्ण मंदिर सबसे प्रमुख था। इसका मुकाबला भारत ने अपनी वायु रक्षा प्रणालियों से करके अमृतसर में स्वर्ण मंदिर और पंजाब के शहरों को पाकिस्तानी मिसाइल और ड्रोन हमलों से बचाया। भारतीय सेना ने पंजाब के अमृतसर में एक डेमो दिखाया कि कैसे आकाश मिसाइल प्रणाली, एल-70 एयर डिफेंस गन सहित अन्य हथियारों के जरिए सेना के हवाई रक्षा गनर्स ने पाकिस्तान की सेना के नापाक इरादों को विफल करके स्वर्ण मंदिर पर लक्षित सभी ड्रोन और मिसाइलों को मार गिराया। इस प्रकार हमारे पवित्र स्वर्ण मंदिर पर एक खरोंच भी नहीं आने दी।

- भारत ने अपनी वायु रक्षा प्रणालियों से हर विषम परिस्थिति का किया कारगर मुकाबला
- पंजाब के शहरों को पाकिस्तान की मिसाइल और ड्रोन अटैक से बचाया
- एक डेमो में दिखाया गया कि कैसे जवानों ने पाक के नापाक इरादों को किया विफल
- स्वर्ण मंदिर पर लक्षित पाकिस्तान की सभी मिसाइलें और ड्रोन रहे नाकाम

### दिया गया समग्र हवाई रक्षा कवर

15 इन्फेंट्री डिविजन के जीओसी मेजर जनरल कार्तिक सी. शेषाद्रि ने बताया कि हमने स्वर्ण मंदिर को एक समग्र हवाई रक्षा कवर देने के लिए अतिरिक्त आधुनिक वायु रक्षा संपत्ति जुटाई। 8 मई को तड़के अंधेरे में पाकिस्तान ने मानव रहित हवाई हथियारों में मुख्य रूप से ड्रोन और लंबी दूरी की मिसाइलों के साथ बड़े पैमाने पर हवाई हमला किया। हम पूरी तरह से तैयार थे, क्योंकि हमें पहले से ही इसकी आशंका जताई थी। मेजर जनरल शेषाद्री ने कहा कि भारतीय सेना पेशेवर बल है, जिसने गंभीर उकसावे के बावजूद हमेशा एक संतुलित और मापा हुआ तरीके से जवाब दिया है। हमने सटीक हथियारों के साथ केवल आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाया, ताकि कोई नागरिक क्षति न हो, इस तथ्य को पाकिस्तानी सेना ने भी ऑपरेशन के दौरान स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सेना के पास भारत के अंदर हमला करने के लिए कोई वैध लक्ष्य नहीं है और न ही उसके पास भारतीय सशस्त्र बलों का सामना करने का साहस या क्षमता है। इसलिए, वह आतंकवाद को एक राष्ट्रीय नीति के रूप में इस्तेमाल करके अपनी धरती से लॉन्च किए गए मानव रहित हवाई हथियारों का सहारा लेता है।

## चीन, हॉन्गकॉन्ग, थाईलैंड में अलर्ट जारी

# एशिया में फिर बढ़े कोरोना जेएन1 के सबसे ज्यादा मरीज

AGENCY NEW DELHI :

एशिया के सिंगापुर, हॉन्गकॉन्ग, चीन और थाईलैंड में कोरोना वायरस के मामले फिर से बढ़ रहे हैं। इन देशों में नए मामलों की संख्या में इजाफा हो रहा है। सिंगापुर में 1 मई से 19 मई के बीच 3000 मरीज सामने आए हैं। अप्रैल के आखिरी हफ्ते तक ये संख्या 11,100 थी। यहां मामलों में 28% का इजाफा हुआ है। हॉन्गकॉन्ग में जनवरी से अब तक 81 मामले सामने आए हैं। इनमें से 30 की मौत हो चुकी है। चीन और थाईलैंड में भी अलर्ट जारी किया गया है। हालांकि, यहां मरीजों की संख्या के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

- सिंगापुर में 1 मई से 19 मई के बीच 3000 मरीज आए सामने

## मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने की झारखंड की सराहना, कहा-

# वोटर लिस्ट के खिलाफ दायर नहीं की गई एक भी अपील

PHOTON NEWS RANCHI :

सोमवार को भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने नई दिल्ली स्थित भारत अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन संस्थान (आईआईआईडीईएम) में झारखंड की सराहना की। उन्होंने कहा कि झारखंड में बनी मतदाता सूची (वोटर लिस्ट) के खिलाफ एक भी अपील दायर नहीं की गई है। यह एक सराहनीय उपलब्धि है। ज्ञानेश कुमार ने झारखंड के बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ), पर्यवेक्षकों, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों, जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं बूथ जागरूकता समूह, बूथ स्तरीय स्वयंसेवकों के लिए आयोजित दो दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में उक्त बातें कही।

## सीईसी ने क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया उद्घाटन

### कर्मियों की कार्यशैली को देखने का मिला अवसर

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग भारत के संविधान, लोक प्रतिनिधित्व नियम 1950, निर्वाचन के नियमावली आदि के दिशा-निर्देशों का अनुपालन करता है। विभिन्न राज्यों के भ्रमण के क्रम में वहां के जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे कर्मियों की कार्यशैली को देखने का अवसर मिला।

### दशम जलप्रपात की बीएलओ दीदियों का भी किया जिक्र

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि झारखंड भ्रमण के दौरान दशम जलप्रपात की बीएलओ दीदियों से मिलने का मौका मिला था। उन्होंने झारखंड में निर्वाचन से संबंधित सभी स्टेकहोल्डर्स के कार्यों की सराहना की। मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रमों के बाद झारखंड में बनी मतदाता सूची के खिलाफ एक भी अपील दायर नहीं हुई है, लेकिन इस ओर सभी मतदाताओं को शिक्षित करना है कि यदि मतदाता सूची से वह किसी प्रकार से असहमत हैं, तो वह जिला निर्वाचन पदाधिकारी के समक्ष अपील कर सकते हैं।

**दुष्चक्र** अफगानिस्तान ने भी बांध बनाकर पानी रोकने का लिया बड़ा फैसला

# पाकिस्तान को अब दोहरे स्तर पर जल संकट का करना पड़ेगा सामना

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK :

आतंकवाद और आतंकवादियों का पोषण करने वाले पाकिस्तान का संकट बढ़ता जा रहा है। 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने आतंकियों की रीढ़ तोड़ने का बड़ा कदम उठाया। इसके जवाब में पाकिस्तान ने भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमले का प्रयास किया, लेकिन नाकाम रहा। भारत ने पहले ही सिंधु जल संधि को स्थापित कर दिया था। यह आज भी जारी है और आगे भी जारी रहने की स्थिति है। अब नई जानकारी यह सामने आ रही है कि अफगानिस्तान भी बांध बनाकर पाकिस्तान के लिए पानी रोकेगा। मतलब साफ है कि भविष्य में पाकिस्तान को दोहरे स्तर पर जल संकट का सामना करना पड़ेगा। भारत का कड़ा रुख आने वाले समय में पाकिस्तान को बूंद-बूंद पानी के लिए तरसा सकता है। स्थिति स्पष्ट रूप से बता रही है कि भारत के सिंधु जल संधि स्थगित करने के बाद अफगानिस्तान की ओर से भी पाकिस्तान को पानी का संकट झेलना पड़ सकता है। भारत ने पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की जीवन रेखा काबुल नदी पर लंबित लालंदर शहतूत बांध परियोजना को जल्द पूरा करने के लिए वित्तीय मदद की पेशकश की है।

## भारतीय रुख के कारण पानी की बूंद-बूंद के लिए तरसने की आ सकती है नौबत

## लालंदर शहतूत बांध परियोजना को पूरा करने के लिए भारत ने की वित्तीय मदद की पेशकश

- संघर्ष विराम के बाद भी जारी है भारत का सिंधु जल संधि स्थगित रखने का निर्णय
- नई रणनीति के तहत कुनार नदी पर भी बांध बनाने का अफगानिस्तान ने किया एलान
- दोनों बांधों के लिए पाकिस्तान से इजाजत लेने को बाध्य नहीं अफगानिस्तान

पाकिस्तान से निष्कासित अफगान शरणार्थियों को भारत दे सकता है मानवीय सहायता

### सिंधु जल संधि पर दखल से विश्व बैंक का इनकार

सिंधु जल संधि पर विश्व बैंक के दखल से इनकार के बाद दूसरे पड़ोसी अफगानिस्तान में काबुल और कुनार नदियों पर प्रस्तावित बांध परियोजनाएं पाकिस्तान के लिए किसी नई मुसीबत से कम नहीं हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच कोई जल संधि नहीं है। ऐसे में परियोजनाएं रोकने के लिए पाकिस्तान किसी तीसरे पक्ष की सहायता लेने की स्थिति में नहीं है।

### भारत-अफगानिस्तान के बीच रणनीतिक चर्चा

बता दें कि कुछ दिन पहले भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर की अफगान समकक्ष अमीर खान मुत्ताकी के साथ हुई वार्ता में शहतूत बांध परियोजना का विशेष जिक्र हुआ। भारत ने इस परियोजना को वित्तीय मदद फिर से शुरू करने का भरोसा दिया। सूत्रों ने कहा कि तालिबान सरकार को निकट भविष्य में मान्यता देने व भारत में दूतावास शुरू करने पर भी जल्द व सकारात्मक विचार करने का भरोसा दिया गया। वार्ता की पृष्ठभूमि पहलगाम हमले के बाद 29 अप्रैल को विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव व पाकिस्तान डेस्क के प्रभारी आनंद प्रकाश के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल के अफगानिस्तान दौरे में तैयार की गई। सूत्रों ने बताया, भारत पाकिस्तान से निष्कासित अफगान शरणार्थियों के लिए मानवीय सहायता पर भी विचार कर रहा है। दोनों बांधों के लिए अफगानिस्तान को पाकिस्तान से किसी तरह की अनुमति लेने जैसी कोई बाध्यता नहीं है।

### भाजपा को कांग्रेस नेता पवन ने बताया 'सिंदूर का सौदागर'

NEW DELHI : सोमवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उन्होंने भाजपा को 'सिंदूर का सौदागर' कहा। उन्होंने कहा कि ट्रंप दावा करते रहे कि उन्होंने युद्ध रुकवाया। भारत को व्यापार बंद करने की धमकी दी। यानी सिंदूर का सौदा होता रहा और पीएम चुप रहे। इसके साथ ही खेड़ा ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से राहुल गांधी के सवाल दोहराए। उन्होंने कहा- विदेश मंत्री ने स्वीकारा है कि उन्होंने एयर स्ट्राइक से पहले पाकिस्तान को जानकारी दे दी थी। अब सरकार बताए, इस वजह से हमने कितने विमान गंवाए। ये कोई गलती नहीं थी, ये एक अपराध था, पाप था। देश का सच्चाई जानने का हक है। इधर, राहुल के आरोपों पर विदेश मंत्रालय ने जवाब देते हुए कहा, 'विदेश मंत्री ने कहा था कि कहा था कि शुरूआत में पाकिस्तान को चेतावनी दी थी। इसे अब ऐसे पेश किया जा रहा है, जैसे ऑपरेशन से पहले उन्हें जानकारी दी गई हो।

## हजारीबाग में करप्शन के खिलाफ एसीबी का एक्शन

# राजस्व कर्मचारी को तीन हजार घूस लेते दबोचा गया

PHOTON NEWS HAZARIBAGH :

सोमवार को करप्शन के खिलाफ एसीबी (भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो) की टीम को सफलता मिली है। झारखंड के हजारीबाग से राजस्व कर्मचारी प्रह्लाद मांझी को हजारीबाग एसीबी (एंटी करप्शन ब्यूरो) की टीम ने तीन हजार रुपए घूस लेते गिरफ्तार कर लिया। जमीन से जुड़े काम के एवज में बड़कागांव के राजस्व कर्मचारी प्रह्लाद मांझी ने रिश्वत की मांग की थी। शिकायत के बाद इसकी गिरफ्तारी की गयी। हजारीबाग भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम को हजारीबाग के महुदा निवासी बकाउल्लाह खान ने आवेदन देकर शिकायत की थी कि वह अपनी जमीन से जुड़े मामले को लेकर 10 दिन पहले बड़कागांव अंचल कार्यालय गए थे और फॉर्म जमा कर दिया था। एलपीसी के लिए राजस्व कर्मचारी प्रह्लाद मांझी से मुलाकात की थी।

- जमीन से जुड़े काम के एवज में प्रह्लाद मांझी ने मांगी थी रिश्वत

BRIEF NEWS

## आज धनबाद आएंगे राज्यपाल व मुख्यमंत्री

**DHANBAD :** राज्यपाल संतोष गंगवार व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 20 मई को धनबाद आएंगे। यहां वे बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय परिसर में स्वतंत्रता सेनानी और झारखंड आंदोलन के प्रमुख नेता बिनोद बिहारी महतो की प्रतिमा का संयुक्त रूप से अनावरण करेंगे। इस समारोह को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन और जिला प्रशासन की ओर से तैयारियां अंतिम चरण में हैं। बीबीएमकेयू के कुलपति प्रो. रामकुमार सिंह तैयारियों की निगरानी कर रहे हैं। कार्यक्रम स्थल पर हैंगर पंडाल तैयार किया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि इस आयोजन के लिए 3000 से अधिक लोगों को आमंत्रित किया गया है, जिनमें जनप्रतिनिधि, शिक्षाविद, छात्र, समाजसेवी व आम नागरिक शामिल हैं।




## सीसीएल बरकासयाल में सीबीआई की रेड

**RAMGARH :** कोयलांचल के सीसीएल बरकासयाल में सीबीआई की टीम ने छापेमारी की है। सोमवार को पांच गाड़ियों से पहुंची सीबीआई की टीम में बरकासयाल प्रक्षेत्र के कार्यालयों में जांच शुरू की। सीबीआई ने जीएम एनके सिंह और प्रोजेक्ट ऑफिसर सुधीर कुमार से अलग-अलग पूछताछ शुरू की है। महाप्रबंधक कार्यालय में भी सीबीआई की टीम जांच कर रही है। सूत्रों के अनुसार रोड सेल में हुई गड़बड़ी को लेकर सीबीआई ने जांच शुरू की है।

## डीसी ने की जिला स्तरीय वनाधिकार समिति की बैठक

**RAMGARH :** रामगढ़ डीसी चंदन कुमार की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में सोमवार को जिला स्तरीय वनाधिकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान डीसी के जरिये अनुमंडल स्तरीय वनाधिकार समिति से प्राप्त चार मामलों पर चर्चा की गई। इस दौरान झारखंड ऊर्जा संधारण निगम लिमिटेड 400 केवी पतरातू से कोडरमा संचरण लाइन निर्माण पर विशेष निर्देश दिए गए। कुम्हरदगा, चाड़ी, कुसुमडीह, कल्याणपुर, तिरला, हरिबांध, नावाडीह एवं केनके में निमार्णाधीन 132 के.वी. डबल सर्किट गोला से सिल्ली तक संचरण लाइन निर्माण को जल्द पूरा करने को कहा गया। ग्राम इचाकडीह एवं लईयो में झारखंड उत्खनन परियोजना निर्माण, मरार एवं नई सराय में बिहार फाऊंडरी एवं कास्टिंग लिमिटेड प्लॉट तक पानी पाइपलाइन निर्माण के संबंध में वन प्रमंडल पदाधिकारी, अपर समाहर्ता, जिला परिषद सदस्य, जिला कल्याण पदाधिकारी सहित समिति के अन्य सदस्यों के साथ चर्चा करने के बाद महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

## रामगढ़ महोत्सव 29 को, होगी गंगा आरती

**RAMGARH :** झारखंड कला सांस्कृतिक संघ के द्वारा 29 मई को रामगढ़ महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस मौके पर दामोदर नदी घाट पर गंगा आरती का भी भव्य रूप से आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम को लेकर रामगढ़ शहर के किला मंदिर प्रांगण में झारखंड कला सांस्कृतिक समिति बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान रामगढ़ की पवित्र धरती पर आयोजित होने वाली एक दिवसीय रामगढ़ महोत्सव को लेकर जानकारी दी गई। इसके अंतर्गत विश्व वर्षा वन दिवस एवं भव्य गंगा आरती का आयोजन स्थल दामोदर नदी तट में बड़े ही धूमधाम से मनाया जायगा। इसमे 5100 पौधों का वितरण, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, के तहत भव्य गंगा आरती और विभिन्न कार्यक्रम स्थानीय और देश के प्रसिद्ध कलाकारों के द्वारा किया जायगा। इसमे पूरे रामगढ़ जिला के लोगों से जुड़ने की अपील की गई। इस अवसर पर कार्यक्रम का बैनर और पोस्टर का विमोचन किया गया। इस मौके पर अमित सिन्हा, कमल बगडिया, नंद किशोर गुप्ता, डा. संजय सिंह, मनोज मंडल, रमेश प्रसाद, शैलेन्द्र ठाकुर, आनंद सिन्हा, मनोज पंडा, व्यास शर्मा, संघ के कोषाध्यक्ष रितेश दास, अभय पॉल, सूरज जायसवाल, शमी दास, रवि बरनवाल, अजय सिंह, चंदन चौघरी, शंकर ठाकुर आदि उपस्थित थे।

# पलामू की बेटी का लातेहार की कोयल नदी में मिला शव, पति हुआ फरार

## बालू में दबाया हुआ था शव, एक हाथ बाहर निकल जाने से मामला हुआ उजागर

**AGENCY PALAMU :** लगातार दो पुत्री होने पर पलामू जिले की तरहसी की बेटी 26 वर्षीया रेशमा कुमारी, पति मुकेश कुमार की हत्या कर दी गई। उसका शव लातेहार जिले के गारू स्थित कोयल नदी से बरामद किया गया। शव बालू में दफना दिया गया था। तीन चार दिनों तक बालू में गड़े रहने के कारण शव खराब हो गयी थी, बावजूद कपड़े से सोमवार को शव की पहचान की गई। घटना के बाद से पति फरार है। इस संबंध में मृतका के पिता तरहसी थाना क्षेत्र आरका के सरयू प्रसाद ने दामाद के अलावा समधी भवानी साहू, समधन वैजयंती देवी, भसुर राजेश प्रसाद, उसकी पत्नी देवंती देवी, ननद गुड़िया गुप्ता के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया है। पति



रेशमा कुमारी की फाइल फोटो

गारू प्रखंड कार्यालय में कंप्यूटर ऑपरेटर है। गारू में ही कमरा लेकर रहता है। पुलिस कुछ संदिग्ध लोगों को थाना लाकर पूछताछ कर रही है। हालांकि अभी तक स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है। थाना प्रभारी पारसमणि मामले में छानबीन कर रहे है।

उल्लेखनीय है कि 16 मई को गारू के लुहूरटॉड़ स्थित कोयल नदी से रेशमा का शव दफनाये अवस्था में बरामद किया गया था। एक हाथ बाहर निकल जाने पर एक कुत्ते के कारण शव होने की जानकारी हुई थी। तत्काल शव की पहचान नहीं हुई थी।

इधर रेशमा के मायके पक्ष ने मीडिया में अज्ञात महिला का शव बरामद होने से संबंधित समाचार चलने के बाद उन्होंने पूरी जानकारी ली और फिर डेड बॉडी को देखकर पहचान की। रेशमा का ससुराल लातेहार के सुकरी में है। मायके पक्ष के अनुसार रेशमा डालटनगंज में रहकर अपनी दो बेटियों को पढ़ाती थी। 12 मई को मुकेश दोनों बेटियों को लेने के लिए डालटनगंज आया था। उसके बाद से रेशमा भी गायब हो गई और उसका मोबाइल लगातार स्विच ऑफ बता रहा था। मायके पक्ष के लोगों ने पति समेत अन्य लोगों पर दहेज नहीं देने, लगातार दो बेटी होने, मृतका के पति का किसी और महिला से अवैध संबंध होने पर उसका विरोध करने के कारण हत्या कर देने का आरोप लगाया है। रेशमा की शादी 22 अप्रैल 2016 को हुई थी। उसकी दो बेटी है। बड़ी बेटी क्लास 2, जबकि छोटी वाली यूकेजी में पढ़ती है। रेशमा के साथ उसके भसुर राकेश प्रसाद ने वर्ष 2017 में मारपीट की थी। इस संबंध में मामला दर्ज है और केस चल रहा है। परिजनों का आरोप है कि मृतका का भसुर नक्सली गतिविधियों से जुड़ा रहता है और मर्डर का भी आरोपित है।

### पति की हत्या कर टंकी में शव डालने वाली महिला गई जेल

**PALAMU :** पति की हत्या कर शौचालय की टंकी में शव डालने वाली महिला को गिरफ्तार कर सोमवार को जेल भेज दिया गया। यह मामला पलामू जिले के पांकी थाना क्षेत्र के केकरगढ़ पंचायत अंतर्गत गरिहारा गांव में सामने आया था। विवाद के बाद ललीता देवी नामक महिला ने अपने पति बुधन उरांव उर्फ रंजन उरांव की टांगी से वार कर चार दिन पहले हत्या कर दी थी एवं साक्ष्य छुपाने के लिए शव को दफना दिया था। घटना सामने आने पर जिले की एसपी रीष्मा रमेशन ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की और पत्नी को गिरफ्तार किया। दंडाधिकारी की मौजूदगी में शव को गड्ढे से बाहर निकाला गया था और जरूरी साक्ष्य एकत्रित करने के लिए एफएसएल रांची के निदेशक को प्रतिवेदन भेजा गया है।

## कार के धक्के से खूंटी के भाजपा मंडल अध्यक्ष की हुई मौत

**KHUNTI :** कर्रा–गोविंदपुर रोड पर जरियागढ़ थाना क्षेत्र तिलमी चौक के पास सोमवार शाम को एक बोलेरो ने भाजपा गोविंदपुर मंडल के अध्यक्ष रामध्यान सिंह (60 वर्ष) को ठोकर मार दी। इससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। हालाकि स्थानीय लोग उन्हें कर्रा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गये और बाद में पारस अस्पताल धुर्वा ले गये, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार रामध्यान सिंह अपनी स्कूटी से तिलमी से अपने गांव जरियागढ़ थाना क्षेत्र के मास्को गांव लौट रहे थे। जैसे ही तिलमी चौक के पास पहुंचे, एक बोलेरो ने उन्हें धक्का मार दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही तोरपा के पूर्व विधायक कोचे मुंडा सहित भाजपा के कई नेता सदर अस्पताल पहुंचे और मामले की जानकारी ली। मिलनसार और हंसमुख स्वाभाव के रामध्यान सिंह की गिनती जिले के तेज–तर्रार नेता के रुप में थी। भाजपा के वे समर्पित कार्यकर्ता थे। कर्रा ही नहीं परे जिले में उनकी पहचान सच्चे समाजसेवी की थी। अनके आकस्मिक निधन की खबर सुनकर हर कोई तब्ध था। पूरे क्षेत्र में मातम छा गया है ।समाचार लिखे जाने तक रामायण सिंह का शव पारस अस्पताल में ही था। मंगलवार को उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

## आकाशीय बिजली गिरने से विधायक प्रतिनिधि के इकलौते पुत्र सहित तीन की हो गई मौत

**AGENCY PALAMU :** पलामू प्रमंडल के गढवा जिले में सोमवार को आंधी-तूफान और बारिश ने कोहराम मचाया। इस क्रम में हुए आकाशीय बिजली गिरने से मेराल विधायक प्रतिनिधि के एकलौते पुत्र सहित तीन की मौत हो गयी, जबकि एक व्यक्ति घायल हो गया। घटना के बाद से गांव में चीख पुकार मची हुई है। माहौल गमगीन हो गया है। घटना गढवा के मेराल थाना क्षेत्र में दो अलग अलग गांव में हुई।

सोमवार दोपहर बाद अचानक तेज आंधी, तूफान के साथ हल्की बारिश के बीच आकाशीय बिजली गिरने से मैट्रिक का एक छात्र पूवार्रा टोला निवासी विधायक प्रतिनिधि डॉ लालमोहन का एकलौता पुत्र तरुण कुमार देव (18), लखेया गांव के शंभू बैठा (65) तथा रेजो गांव के धर्मेंद्र राम



अस्पताल में जुटी भीड़ • फोटोन न्यूज

(35) की मौत हो गई। हादसे के बाद तीनों को घायलावस्था में मेराल सीएचसी में लाया गया, जहां डॉ दीपक कुमार सिन्हा ने तीनों का इलाज किया, लेकिन तीनों की मौत हो गयी।

जानकारी के अनुसार तरुण कुमार देव गढ़वा के आरके पब्लिक स्कूल से मैट्रिक परीक्षा में फास्ट डिविजन से पास हुआ था। वह अपनी मां के साथ खेत में भूसा लेने गया था, तभी तेज तूफान और बारिश से बचने के लिए वह महुआ पेड़ के नीचे चला गया। तभी पेड़ पर वज्रपात हुआ। लखेया गांव में शंभू बैठा, धर्मेंद्र राम एवं रमुना के टंडवा गांव निवासी दिलीप कुमार (22) अपने फूआ के घर आये थे। तीनों शंभू के घर पर एस्बेस्टस सीट चढ़ा रहे थे। तभी तेज तूफान में नीचे उतर कर खड़े हुए। इसी बीच बगल के पेड़ पर वज्रपात होने से तीन चपेट में आ गए।

## हजारीबाग की तीन पंचायतें हो गईं टीबी मुक्त, मिला सम्मान

**HAZARIBAG :** जिला स्वास्थ्य समिति (यक्ष्मा), हजारीबाग के तत्वावधान में टीबी उन्मूलन कार्यक्रम 2025 के तहत मुखिया एवं पंचायत सचिवों का सम्मान समारोह सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम हुआ। इस दौरान वर्ष 2024 में तीन प्रखंडों के तीन पंचायतों क्रमश: केरेडारी प्रखंड के केरेडारी पंचायत, बरही प्रखंड के धनवार पंचायत और बरकट्ठा प्रखंड के सूदन पंचायत को टीबी मुक्त होने पर उपायुक्त नैन्सी सहाय ने प्रमाणपत्र व गांधीजी की प्रतिमा देकर सम्मानित किया। केरेडारी प्रखंड के केरेडारी पंचायत को लगातार दूसरे वर्ष टीबी मुक्त करने पर गांधीजी की रजत प्रतिमा भेंट की गई। उपायुक्त ने उपस्थित लोगों से वर्ष 2025 में जिले की सभी पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित करने के लिए पूरी तन्मयता के साथ कार्य करने पर बल दिया। इसके साथ ही सभी आवश्यक सहयोग देने की बात कही। जिला परिषद के अध्यक्ष उमेश प्रसाद मेहता ने सभी मुखिया को आगे आने एवं सहयोग करने को कहा। जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. आरके जायसवाल ने यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम पर विस्तृत जानकारी देते हुए समाज से टीबी के मरीजों की पहचान कर उपचार कराने पर जोर दिया।

## चोर समझकर चार लाइनमैन को ग्रामीणों ने बनाया बंधक

**KHUNTI :** बिजली आपूर्ति में आई खराबी की खोज में निकले मुरहू विद्युत सब स्टेशन के चार निजी लाइनमैन को तोरपा थाना क्षेत्र सोनपुरगढ़ के ग्रामीणों नें बिजली चोर समझ कर पकड़ लिया। लाइनमैन के लाख समझाने के बावजूद गांव वालों ने उसे तोरपा थाने को सौंप दिया। हालांकि कही लाइनमैन की पहचान किये जाने कें बाद थाने से उसे छोड़ गया। जानकारी के अनुसार रविवार को शाम लगभग चार बजे के बाद आये आई आंधी-पानी के कारण मुरहू इलाके में अचानक बिजली गुल हो गई। इस कारण 33 हजार वोल्ट की लाइन में आई तकनीकी खराबी बताया गया। बिजली बहाल करने के लिए मुरहू विद्युत सब स्टेशन के लाइनमैन जब मरम्मत कार्य के लिए निकले, तो उन्हें फॉल्ट तोरपा थाना क्षेत्र के सोनपुरगढ़ के पास मिला। लेकिन लाइनमैन पोल पर चढ़कर मरम्मत करने लगे। इसी दौरान ग्रामीणों ने उन्हें चोर समझ कर पकड़ लिया और थाने को सुपुर्द कर दिया। लाइनमैनों ने बार-बार अपनी पहचान बताने और सब स्टेशन से आए होने की बात समझाने की कोशिश की, लेकिन ग्रामीणों को यकीन नहीं हुआ। देखते ही देखते सोनपुरगढ़ सहित आसपास के गांवों के लोग जुट गए और लाइनमैनों को बंधक बना लिया गया।

ग्रामीणों ने तोरपा पुलिस को भी सूचना दी कि उन्होंने बिजली तार चोरों को पकड़ा है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और सभी लाइनमैन को अपने साथ थाना ले गई। जांच के बाद स्पष्ट हुआ कि वे सब स्टेशन के कर्मचारी हैं, तब जाकर रात करीब साढ़े ग्यारह बजे उन्हें छोड़ा गया।

## अधूरी सड़क पर ठेकेदार ने लगा दिया निर्माण पूर्ण होने का बोर्ड

जर्जर सड़क पर आक्रोश व्यक्त करते ग्रामीण • फोटोन न्यूज

**KHUNTI :** ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क निर्माण कार्यों का लंबे समय तक अधूरा रह जाना कोई नई बात नहीं है, पर मामला तब गंभीर हो जाता है, जब ठेकेदार की ओर से अधूरी सड़क को पूर्ण बताकर वहां सूचना पट्ट भी लगा दिया जाए। कुछ ऐसा ही मामला खूंटी जिले की लांदूप पंचायत का है। इस मामले को लेकर ग्रामीणों ने सोमवार को सांसद कालीचरण मुंडा से मुलाकात की और ज्ञापन सौंपकर मामले की जांच की मांग की। जानकारी के अनुसार मारंगहादा थाना क्षेत्र की लांदूप पंचायत के बिचागुटू से रांगरोंग तक बनी सड़क को जेसीबी से उखाड़ कर जर्जर छोड़ दिया गया है। प्रतिदिन यहां से गुजरने वाले दो पहिया वाहन दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। इतना ही नहीं उड़ती धूल-मिट्टी से भी लोग परेशान है। आवेदन में ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि सड़क निर्माण कार्य पूरा भी नहीं हुआ है और ठेकेदार ने कार्य पूरा होने का सूचना पट्टा लगा दिया। बताया गया कि सड़क की लंबाई 4.85 किलोमीटर है।

## हजारीबाग में बस दुर्घटनाग्रस्त, छह लोग हुए घायल

**HAZARIBAG :** हजारीबाग में रांची–पटना मेन रोड पर सोमवार सुबह एक बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। पटना से हजारीबाग जा रही राजश्री बस बेकाबू होकर सड़क किनारे खाई में पलट गई। इस हादसे में छह यात्री घायल हुए हैं। इसमें तीन की हालत गंभीर है। घटना जिले के पदमा ओपी थाना क्षेत्र का है। हादसे के बाद मौके पर कुछ देर के लिए अफरा–तफरी मच गई। बस को हजारीबाग तक ही आना था, ऐसे में बस में यात्रियों की संख्या काफी कम थी। ऐसी आशंका जताई जा रही है कि बस चला रहा खलासी ट्रेंड नहीं था, इस वजह से वह बस संभाल नहीं सका। यात्रियों के मुताबिक, दुर्घटना के समय बस को चालक की जगह खलासी चला रहा था। हादसे के बाद बस चालक और स्टाफ फरार हो गए। यात्रियों ने बताया कि बस में लगे रॉड से शीशा तोड़ कर लोग बाहर आए। इसी बीच सूचना मिलते ही पदमा ओपी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। सभी घायलों को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनका इलाज जारी है।

## बाइक से गिरकर घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान हो गई मौत

**AGENCY KODERMA :** जिले के डोमचांच थाना क्षेत्र अंतर्गत ढाब रोड स्थित ओम होमियो हॉल नामक अवैध रूप से संचालित एक क्लीनिक में एक झोलाछाप चिकित्सक के गलत इलाज किए जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई है। मृतक की पहचान डोमचांच थाना क्षेत्र के बेहराडीह गांव निवासी छोटेलाल मेहता (45) के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार छोटेलाल मेहता रविवार को रात के करीब 8 बजे डोमचांच बाजार से अपने घर बेहराडीह लौट रहे थे। इसी बीच रास्ते में उनकी मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जिससे उनके शरीर पर हल्की चोटें आईं। इसके पश्चात जब वे घर पहुंचे तो परिजनों ने उन्हें मरहम पट्टी और दवा लेने की सलाह दी। इसके बाद वे बेटे



घटनास्थल पर जुटी लोगों की भीड़ • फोटोन न्यूज

और भतीजे के साथ ढाब रोड के महावीर पिंडा के सामने स्थित झोलाछाप डॉक्टर की ओर से अवैध रूप से संचालित क्लीनिक पहुंच गए। जहां के डी प्रसाद नामक झोलाछाप चिकित्सक ने घायल व्यक्ति को एक के बाद एक कुल चार इंजेक्शन लगा दिए। इसके बाद क्षण भर में ही घायल छोटेलाल ने वहीं पर दम तोड़ दिया। जब तक परिजन कुछ समझ पाते झोलाछाप डॉक्टर मौका पाकर वहां से फरार हो गया। इसके बाद मृत व्यक्ति का शव बेटेऔर भतीजे के द्वारा उनके निवास स्थान पर लाया गया। वहीं घटना की सूचना पाकर डोमचांच पुलिस सोमवार की सुबह उक्त झोलाछाप चिकित्सक के क्लीनिक पहुंची और उसे गिरफ्तार कर अपने साथ थाने ले गई। सीएचसी प्रभारी डॉ आर पी शर्मा ने बताया कि उक्त चिकित्सक द्वारा किसी भी प्रकार का रेजिस्ट्रेशन स्वास्थ्य विभाग द्वारा नहीं लिया गया है।

### अनुभवी पर्वतारोही ने दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर तिरंगा लहराकर टाटा स्टील एडवेंचर फाउंडेशन की विरासत को आगे बढ़ाया

# टीएसएएफ प्रशिक्षक मोहन रावत ने फतह किया माउंट एवरेस्ट

**PHOTON NEWS JSR :** टाटा स्टील एडवेंचर फाउंडेशन (टीएसएएफ) के सीनियर प्रशिक्षक मोहन रावत ने 18 मई को सुबह 5.20 बजे (नेपाल समय के अनुसार) दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट को सफलतापूर्वक फतह किया। यह उपलब्धि टीएसएएफ के लिए एक और गौरवशाली उपलब्धि है। 1984 में बछेंद्री पाल की ऐतिहासिक चढ़ाई के बाद से अब तक टीएसएएफ के मार्गदर्शन में 13 पर्वतारोही एवरेस्ट की ऊंचाइयों तक पहुंच चुके हैं।

मोहन ने 10 अप्रैल को भारत से अपनी साहसिक यात्रा की शुरूआत की। काठमांडू में शुरूआती परमिट विलंब के बावजूद, उन्होंने खुम्बू क्षेत्र से ट्रेक करते हुए 3 मई को एवरेस्ट बेस कैंप (17,500 फीट) पहुंचने में सफलता पाई। अनुकूलन प्रक्रिया के तहत उन्होंने 2 मई को




माउंट एवरेस्ट पर टाटा स्टील का झंडा लहराते मोहन रावत • फोटोन न्यूज

माउंट लोबुचे ईस्ट (20,075 फीट) की सफल चढ़ाई भी पूरी की।

उनकी समिट रोटेशन की शुरूआत 8 मई को हुई, जब वे बेस कैंप से कैंप 1 होते हुए कैंप 2 पहुंचे और फिर कैंप 3 तक चढ़ाई की। इसके बाद 11 मई को वे वापस बेस कैंप लौट आए। अंतिम समिट पुश 14 मई की रात 1 बजे शुरू हुआ। खतरनाक खुम्बू आइसफॉल को पार करते हुए वे उसी सुबह कैंप 2 पहुंचे, फिर 16 मई को कैंप 3 और 17 मई को (साउथ कोल, 26,400 फीट) स्थित कैंप 4 पर पहुंचे। आखिरकार, 18 मई की सुबह उन्होंने माउंट एवरेस्ट की चोटी फतह की और लगभग 15 मिनट वहां बिताने के बाद उतरने की शुरूआत की। मोहन रावत के साथ इस अभियान में अनुभवी शेर्पा गाइड लाख्या शेर्पा मौजूद थे और उन्हें नेपाल-आधारित आउटफिटर 'एशियन ट्रेकिंग' का सहयोग भी प्राप्त हुआ। मोहन रावत पिछले 20 वर्षों से टाटा स्टील एडवेंचर फाउंडेशन (टीएसएएफ) से जुड़े हुए हैं और उन्होंने पर्वतारोहण, स्कीइंग और राफ्टिंग में गहन प्रशिक्षण प्राप्त किया है। अपने अब तक के पर्वतारोहण सफर में वे कई दुर्गम और प्रतिष्ठित चोटियों पर सफलतापूर्वक चढ़ाई कर चुके हैं, जिनमें चामसर और लुंगसर कांगड़ी, जोगिन कऔर क्क्क् कांग यात्से क और क्क् भागीरथी क्क् माउंट लोबुचे ईस्ट, स्टोक कांगड़ी, थेलू, जो जोंगो, माउंट रुदुगैरा और माउंट कानामो जैसी चोटियाँ शामिल हैं। टाटा स्टील एडवेंचर फाउंडेशन के चेयरमैन और टाटा स्टील के वाइस प्रेसिडेंट (कॉरपोरेट सर्विसेज) डी. बी. सुंदरा रामम ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि मोहन रावत की माउंट एवरेस्ट पर सफल चढ़ाई टीएसएएफ के लिए गर्व का एक अद्भुत क्षण है। उत्तरकाशी के एक छोटे से गांव से निकलकर दुनिया की सबसे ऊंची चोटी तक पहुंचना सिर्फ एक पर्वतारोहण नहीं, बल्कि एक प्रेरणादायक यात्रा है, जो मोहन रावत के अदम्य साहस, अनुशासन और जुनून की मिसाल है। यह उपलब्धि उस रोमांचकारी और जुझारू भावना को दशार्ती है जिसे हम टाटा स्टील एडवेंचर फाउंडेशन में पोषित करते हैं। यह हमें याद दिलाती है कि जब इरादे बुलंद हों और लक्ष्य स्पष्ट, तो कोई शिखर असंभव नहीं। मोहन की सफलता न सिर्फ हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करती है, बल्कि हमें जमीनी स्तर की प्रतिभाओं को आगे लाने और मानवीय क्षमताओं की सीमाओं को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित भी करती है। मोहन रावत की एवरेस्ट चढ़ाई की यात्रा दृढ़ संकल्प और समर्पण की एक प्रेरणादायक कहानी है।

### ट्रांस हिमालयन अभियान-2022 में भी शामिल थे मोहन रावत

मोहन रावत 2018 की मिशन गंगे अभियान का हिस्सा रहे, जिसे देश के प्रधानमंत्री द्वारा रवाना किया गया था। इसके अलावा, वे 2022 की ट्रांस–हिमालयन अभियान में भी शामिल रहे, जिसका नेतृत्व पद्मश्री बछेंद्री पाल ने किया था। यह ऐतिहासिक अभियान 4,841 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए 35 पहाड़ी दर्रों को पार कर भारत के हिमालयी क्षेत्रों से गुजरा। माउंट एवरेस्ट की तैयारी के तहत मोहन ने कई उच्च ऊंचाई वाले ट्रेक, लेह में शीतकालीन प्रशिक्षण और ट्रिपल पास चैलेंज (दारवा पास–बाली पास–बोरासू पास) जैसे कठिन अभियानों को भी सफलतापूर्वक पूरा किया। मोहन 2022 से माउंट एवरेस्ट अभियान की तैयारी में जुटे थे, जिसमें उन्होंने अपनी सहनशक्ति, तकनीकी कौशल और उच्च ऊंचाई पर टिके रहने की क्षमता को लगातार निखारा। एवरेस्ट की चोटी तक उनका यह सफर उनके अदम्य साहस, संघर्षशीलता और पर्वतों के प्रति गहरे जुनून का जीता–जागता प्रमाण है।

## मनरेगा योजनाओं में लापरवाही बरतने पर नाराज हुए डीडीसी

**HAZARIBAG :** उपायुक्त नैन्सी सहाय के निदेर्शानुसार उपविकास आयुक्त इश्तियाक अहमद की अध्यक्षता में सोमवार को ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत मनरेगा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की गई। समाहरणालय के सभाकक्ष में हुई बैठक में उपविकास आयुक्त ने प्रधानमंत्री आवास योजना, अम्बेडकर आवास योजना, अबुआ आवास योजना, मनरेगा अंतर्गत बिरसा कूप संवर्धन योजना, डोभा, आंगनबाड़ी योजना की प्रगति, बिरसा हरित ग्राम योजना, बागवानी योजना, वीर शहिद पोटो हो खेल विकास योजना, पीड़ी जेनरेशन, जिओ टैगिंग, जनमन योजना, पंचायती राज, एबीपीएस की स्थिति, जेएसएलपीएस के तहत संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में उपविकास आयुक्त ने मनरेगा के अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति में लक्ष्य के विरुद्ध कम प्रदर्शन करने वाले बीडीओ व बीपीओ पर अप्रसन्नता जाहिर की। उन्होंने कम प्रदर्शन करने वाले प्रखंडों के बीडीओ को कार्य की प्रगति में सुधार करने और क्रियान्वित योजनाओं को ससमय पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने बिरसा कूप सिंचाई योजना के तहत क्रियान्वित योजनाओं को शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया। बिरसा हरित ग्राम योजना में पिडी जेनरेशन को 90 प्रतिशत तक ले जाने का निर्देश दिया। बैठक में आवास योजना को लेकर उपस्थित सभी संबधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि आवास योजना के वैसे लाभुक, जिनकी मृत्यु हो चुकी है और जो स्थायी रूप से पलायन कर चुके हैं, उनका फील्ड वेरिफिकेशन एक सप्ताह के अंदर करना है। बैठक में उप विकास आयुक्त ने कहा कि सभी पदाधिकारी फील्ड विजिट कर संचालित योजनाओं की गुणवत्ता की जांच करें और उसकी रिपोर्ट भेजें।

BRIEF NEWS

## अवैध बालू खनन को लेकर डीजीपी से मिला जेएलकेएम

**RANCHI :** राज्य में अवैध बालू खनन और ढुलाई के मामले को लेकर मामला को लेकर जेएलकेएम के उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो ने सोमवार को डीजीपी अनुराग गुप्ता से मिले। मौके पर उन्होंने डीजीपी का ध्याान सिल्ली, सोनाहातू, राहे, बुंडू, अनगड़ा, कांके, ईचागढ़ क्षेत्र में हो रहे अवैध बालू ढुलाई की ओर दिलाया। मौके पर उन्होंने डीजीपी से बुंडू और चांडिल टॉल प्लाजा, अनगड़ा, बुढ़मू ब्लॉक परिसर में मजिस्ट्रेट नियुक्त और स्पेशल टास्क फोर्स गठन कर शाम छह बजे से रात्रि के दो बजे तक बालू उठाव को लेकर क्षेत्र में कड़ी निगरानी करने की मांग की। देवेंद्रनाथ महतो ने कहा कि बालू के अवैध कारोबार से जहां राज्य के राजस्व में भारी नुकसान हो रहा है।

## आर्म्स एक्ट में फरार चल रहे आरोपी को अरेस्ट कर पुलिस ने भेजा जेल

**RANCHI :** सोमवार को पिठोरिया पुलिस ने आर्म्स एक्ट मे फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पिठोरिया थाना प्रभारी अभय कुमार ने बताया कि पिछले वर्ष थाना क्षेत्र के सोसो गांव में एक दुकानदार से बाइक सवार दो अपराधी हथियार के साथ लेवी वसूलने पहुंचे थे। मौके पर स्थानीय ग्रामीणों द्वारा एक अपराधी को देसी कट्टा के साथ दबोच लिया गया था, जबकि दूसरा अपराधी घटनास्थल से फरान होने में कामयाब हो गया था। पिठोरिया थाना कांड संख्या 100/24 ( आर्म्स एक्ट ) में फरार चल रहे अभियुक्त आशीष महतो उर्फ आशीष राम, पिता- लक्ष्मण महतो साकिन, तोरपा रोड कर्मटाड़ (पीपल चौक ),थाना खूंटी जिला खूंटी को बीती रात उसके खूंटी स्थित घर से थाना प्रभारी अभय कुमार के नेतृत्व में गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

## जेएससीए में आदिवासी और मूलवासियों की हो भागीदारी : नायक

**RANCHI :** झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन में राज्य के आदिवासी और मूलवासियों की भी भागीदारी सुनिश्चित करने की जरूरत है। यह बातें आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने सोमवार को कही। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग समुदाय की भागीदारी नहीं होने से झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन में एक ही वर्ग का वर्चस्व हो जाएगा। नायक ने कहा कि वर्तमान में झारखंड क्रिकेट ऐसोसिएशन के प्रशासनिक और नेतृत्वकारी पदों पर इन वर्गों का प्रतिनिधित्व नगण्य है, जबकि झारखंड की जनसंख्या में आदिवासी- मूलवासी समुदायों का बड़ा हिस्सा है। यह असंतुलन न केवल सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है, बल्कि राज्य के क्रिकेट विकास में विविध प्रतिभाओं के योगदान को भी सीमित करता है।

*कृषि मंत्री ने बायोमास गैसीफायर-सह-बायोचर उत्पादन इकाई का किया उद्घाटन*

# ज्ञान और विज्ञान से जुड़कर कृषि में कदम बढ़ाएं किसान : शिल्पी नेहा तिर्की

**PHOTON NEWS RANCHI :** सोमवार को राज्य की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने राजधानी रांची के गढ़खटंगा स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद कैंपस का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान द्वारा विकसित बायोमास गैसीफायर-सह-बायोचर उत्पादन इकाई का उद्घाटन किया। मंत्री ने संस्थान के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि आज की कृषि को उन्नत और टिकाऊ बनाने के लिए ज्ञान और विज्ञान का समन्वय बेहद जरूरी है।

उन्होंने कहा कि आईसीएआर संस्थान किसानों के लिए प्रशिक्षण, नवाचार और अनुसंधान का एक सशक्त केंद्र बनकर उभरा है। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को देखते हुए फसलों के चयन और उत्पादन की रणनीतियों में बदलाव आवश्यक हो गया है। इस दिशा में आईसीएआर द्वारा किए जा रहे प्रयोग उल्लेखनीय हैं।

**किसानों में बांटे गए उन्नत कृषि उपकरण :** मौके पर आईसीएआर द्वारा अनुसूचित जनजाति परियोजना और राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत प्रक्षेत्र दिवस-सह- कृषि इनपुट वितरण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इसमें राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से आए लगभग 300 किसानों को उन्नत कृषि उपकरण, बीज और अन्य सामग्री वितरित की गई। किसानों को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि कृषि अब पारंपरिक तरीकों से आगे निकलकर तकनीक आधारित बन चुकी है। इसका लाभ लेने के लिए किसानों को जागरूक और तैयार रहना चाहिए।

**संस्थाओं के विकास में सहयोग कर रही सरकार :** कृषि मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार संस्थानों के विकास में पूरी तरह सहयोग कर रही है। आईसीएआर कैंपस के विस्तार के लिए सरकार ने 124 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई है, जबकि इससे पहले बिरसा कृषि विश्वविद्यालय को 700 एकड़ भूमि दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि आदिवासी और मूलवासी समुदाय के पास सबसे बड़ी पूंजी उनकी जमीन है। उन्होंने हमेशा विकास के लिए इसे साझा किया है। ऐसे में संस्थानों का भी कर्तव्य है कि वे राज्य और किसानों के हित में कार्य करें।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद कैंपस का निरीक्षण करतीं शिल्पी नेहा तिर्की व अन्य ● फोटोन न्यूज

### बाजार में पहुंचे किसानों के प्रोडक्ट

उन्होंने राज्य में लाह उत्पादन में किसानों द्वारा किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों की भी प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि सहकारिता विभाग के अंतर्गत पांच एपेक्स सोसाइटी किसानों के उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। इससे किसानों को न केवल उनकी उपज का उचित मूल्य मिल रहा है, बल्कि बाजार से सीधा संपर्क भी स्थापित हो रहा है शिल्पी नेहा तिर्की ने स्पष्ट कहा कि चाहे वो विभागीय योजनाएं हों या संस्थानों के प्रयास, इन सभी से तभी लाभ मिलेगा जब किसान खुद जागरूक होंगे और भागीदारी निभाएंगे। उन्होंने कहा किसान अगर खुद को सशक्त बनाएंगे, तो गांव और पंचायत अपने आप सशक्त बनेंगे।

### इनकी रही मौजूदगी

इस मौके पर विभागीय सचिव अबू बक्कर सिद्दीखी, मंत्री के सलाहकार प्रदीप हजारी और आईसीएआर के निदेशक सुजय रक्षित सहित कई आईसीएआर अधिकारी एवं वैज्ञानिक उपस्थित थे।

## आईएएस और कांग्रेस विधायक भी बनवा रहे फर्जी दस्तावेज : बाबूलाल

**PHOTON NEWS RANCHI :** भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि झारखंड में सिर्फ बांग्लादेशी घुसपैठिए ही नहीं, बल्कि आईएएस अधिकारी और कांग्रेस के विधायक भी अपना फजी दस्तावेज बनवा रहे हैं। मरांडी ने सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि कांग्रेस की एक विधायक दो पैन कार्ड और चार वोटर आईडी के साथ लोकतंत्र का मजाक बना रही हैं। चुनाव आयोग को धोखा देना, गलत हलफनामा देना और जनता से तथ्यों को छिपाना, क्या यही है कांग्रेस का जनप्रतिनिधित्व।

बाबूलाल ने लिखा है कि झारखंड में यह पहली बार नहीं हो रहा है। पहले केवल बांग्लादेशी घुसपैठियों के फर्जी दस्तावेज बन रहे थे, अब इसमें विधायकों के नाम भी सामने आ रहे हैं। बहती गंगा में हाथ धोने वालों की कतार काफी लंबी है। जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों में छेड़छाड़ से सरकारी योजनाओं, नौकरी में आरक्षण और मतदाता सूची जैसी संवेदनशील व्यवस्थाएं प्रभावित हो रही हैं, जो राज्य की सामाजिक, सामरिक और सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत गंभीर है। उन्होंने राज्य सरकार से फर्जी प्रमाण पत्र बनाने और बनवाने वाले लोगों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने की अपील की, ताकि भविष्य में ऐसी गड़बड़ियों पर रोक लगाई जा सके।

## रोजगार मेला व करियर मार्गदर्शन कैंप का आयोजन

**PHOTON NEWS RANCHI :** कम्युनिटी पार्टिसिपेशन विषयक पीएमश्री कार्ययोजना के तहत कांके के पीएमश्री उच्च विद्यालय, कुम्हरिया में विद्यालय पोषक क्षेत्र के 18-35 वर्ष आयु वर्ग के आम जनों सह अभिभावकों के लिए रोजगार मेला का आयोजन सोमवार को किया गया। साथ ही विद्यालय के माध्यमिक वर्गों के छात्र-छात्राओं के बेहतर भविष्य के लिए कैरियर गाइडेंस शिविर का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों में विद्यालय के 220 छात्र छात्राओं सहित पोषक क्षेत्र कुम्हरिया, सोसो, चौली, उलातू, सिद्दी, चरदी गांवों के कई युवा, युवतियों और पुरुष महिलाओं ने भाग लिया।

**जॉब प्लेसमेंट से लोगों को कराया अवगत :** मेला का उद्घाटन करते हुए विद्यालय प्राचार्य अशोक प्रसाद सिंह ने बताया कि विद्यालय का उद्देश्य सिर्फ अध्ययन अध्यापन ही नहीं, बल्कि बच्चों को देश का समर्पित नागरिक बनाना और योग्यता दक्षता की पहचान कर उन्हें उनके परिवार और समाज की बेहतरी के लिए जीविकोपार्जन का अपेक्षित संसाधन भी उपलब्ध कराना है। मौके पर उपस्थित कांके के ब्लॉक रिसोर्स पर्सन राजेन्द्र प्रसाद ने विद्यालय की ओर से किए जा रहे सामुदायिक उन्नयन के प्रयास में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने का आवाहन किया। मुख्य प्रशिक्षक सरवर आलम, एसआरजीएस संस्थान टाटीसिलवे ने तीन महीने के निःशुल्क राज्य सरकार संपोषित प्रशिक्षण और जॉब प्लेसमेंट से लोगों को अवगत कराया।

## रिश्वत लेते राजस्व उप निरीक्षक गिरफ्तार

**RANCHI :** भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने हजारीबाग जिले के बड़कागांव में पदास्थापित राजस्व उप निरीक्षक प्रहलाद मांझी को तीन हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। आरोपित भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र (एलपीसी) के लिए रिश्वत मांग रहा था। बकाउल्लाह खान नाम के व्यक्ति ने हजारीबाग एसीबी में लिखित शिकायत दी थी, जिसमें उनकी ओर से बताया गया था कि जमीन का एलपीसी बनवाने के लिये बड़कागांव अंचल कार्यालय में 10 दिन पहले फार्म जमा किये। इस संबंध में राजस्व कर्मचारी प्रहलाद मांझी से मिले, तो उन्होंने पांच हजार रुपए की मांग की।

## मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिली जेएससीए की नई टीम, क्रिकेट के विकास पर हुई चर्चा

**PHOTON NEWS RANCHI :** सोमवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय रांची में झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) की नवगठित टीम ने शिष्टाचार मुलाकात की। मुलाकात के दौरान अध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव, उपाध्यक्ष संजय पांडेय, सचिव व पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर सौरभ तिवारी, कोषाध्यक्ष अमिताभ घोष समेत मैनेजिंग कमेटी के सदस्य मिहिर प्रितेश टोप्पो, रमेश कुमार, संजय जैन, रत्नेश कुमार सिंह, जिला प्रतिनिधि श्रीराम पुरी और उत्तम कुमार उपस्थित थे।

टीम ने मुख्यमंत्री को जेएससीए योजनाओं पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को हार्दिक बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि नई टीम क्रिकेट के क्षेत्र में राज्य को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खेल के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और क्रिकेट सहित सभी खेलों को बढ़ावा देने के लिए हरसंभव सहयोग करेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि जेएससीए की यह नई टीम खिलाड़ियों को बेहतर अवसर और संसाधन उपलब्ध कराने में सफल होगी।

## किसानों को धान बेचने के छह माह बाद भी नहीं मिली राशि : राफिया

**PHOTON NEWS RANCHI :** झारखंड में धान बेचने के छह महीने बाद भी हजारों किसानों को भुगतान नहीं मिलना अब एक गंभीर संकट का रूप ले चुका है। बीजेपी नेता राफिया नाज ने इस मुद्दे पर राज्य सरकार को घेरते हुए कहा कि अगर अन्नदाता ही भूखा रह जाए तो वह शासन नहीं, शर्म है। उन्होंने सरकार पर किसानों के साथ विश्वासघात और प्रशासनिक लापरवाही का आरोप लगाया है। राज्य में 36,497 किसानों ने सरकार को 5.07 लाख क्विंटल धान आपूर्ति किया था, लेकिन इनमें से 9,615 किसानों को अब भी उनका हक नहीं मिला है। सबसे चिंताजनक स्थिति उन 4,929 किसानों की है, जिन्हें अब तक एक भी रुपया नहीं मिला।

राफिया ने कहा कि किसानों की जेबें खाली हैं, खेत सूने हैं और सरकार खामोश है। यह कृषि व्यवस्था को बबार्दी की ओर ले जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भुगतान प्रक्रिया में भारी भ्रष्टाचार और अनियमितता व्याप्त है। हजारीबाग जिले में दो दरों में हुए 40 करोड़ रुपये से अधिक के घोटाले का हवाला देते हुए राफिया ने शासन प्रणाली की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल उठाए।

## डाला टेम्पू की चपेट में आकर बाइक सवार पिता की मौत, पुत्र गंभीर

**PHOTON NEWS RANCHI :** रविवार की देर रात पिठौरिया थाना क्षेत्र के जिदू गांव स्थित ईंट फैक्टरी के समीप तेज रफ्तार से जा रहे एक डाला टेम्पू ने शादी समारोह से लौट रहे बाइक सवार पिता-पुत्र को अपनी चपेट मे लिया। पिता 40 साल के मुख्तार अंसारी को रिम्स ले जाने के क्रम में ही रास्ते पर मृत्यु हो गई, जबकि पुत्र जमील अंसारी 18 वर्षीय कि स्थिति नाजुक बनी हुई। जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र के नयाटोली निवासी मुख्तार अंसारी और उनके पुत्र जमील अंसारी अपने रिश्तेदार के शादी समारोह में शामिल हो कर बाइक से लौट रहे थे। रात लगभग 11:30 बजे घर वापसी के दौरान तेज रफ्तार से जा रहे डाला टेम्पू ने उन दोनों को अपनी चपेट में लिया। सोमवार अहले सुबह घटना से गुस्साए परिजन और सैकड़ों स्थानीय ग्रामीणों नेज़आरोपी चालक और मालिक की गिरफ्तारी और मुआवजे की मांग को लेकर पिठोरिया पहुंचे थे। पिठोरिया थाना प्रभारी अभय कुमार के द्वारा लोगो को समझा बुझा कर और कार्रवाई का आश्वासन के बाद थाना से सभी को हटाया गया। मौके पर थाना प्रभारी ने मृतक के परिजनों को 10 हजार और आरोपी के तरफ से 25 हजार का सहयोग इलाज के लिए उपलब्ध कराया। शाम 6.30 बजे मृतक मोख्तार अंसारी को नयाटोली कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया।

## झारखंड राज्य एआईएमआईएम के नेताओं ने की प्रदेश स्तरीय मीटिंग

**PHOTON NEWS RANCHI :** ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) की प्रदेश स्तरीय बैठक राजधानी रांची के अंजुमन इस्लामिया मुसाफिरखाना में हुई। बैठक में प्रदेश संगठन के विस्तार, नेतृत्व विवाद और झारखंड में पार्टी की दिशा को लेकर गहन विचार-विमर्श किया गया। बैठक में झारखंड के विभिन्न जिलों से आए भंग की गई प्रदेश कमेटी, जिला कमेटियों और विधानसभा क्षेत्र के पूर्व पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता पूर्व प्रदेश महासचिव (संगठन) समीर अली ने की, जबकि संचालन पूर्व प्रदेश सचिव व रांची जिला महानगर अध्यक्ष मोहम्मद शाहिद अय्यूबी ने किया।

बैठक के दौरान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद शाकिर पर कई गंभीर आरोप लगाए गए। पद से इस्तीफा देने के बावजूद खुद को प्रदेश अध्यक्ष घोषित करना और भ्रम की स्थिति उत्पन्न करना दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया गया। शाहिद अय्यूबी ने कहा कि पूर्व अध्यक्ष द्वारा पार्टी में भ्रम की स्थिति पैदा करना निंदनीय है। उन्होंने चुनाव में पार्टी के कमजोर प्रदर्शन की जिम्मेदारी से भागने के लिए चुनाव प्रभारी टीम को दोषी ठहराने की कोशिश की है, जो एक साजिश है।

*'शब्दकार' साहित्यिक समूह ने 'कहानी कल और आज' विषय पर आयोजित की गोष्ठी*

# अपने समय और समाज की गवाही होती है कहानी : राकेश

**PHOTON NEWS RANCHI :** 'शब्दकार' की मासिक गोष्ठी इस माह सिटी पैलेस, लालपुर के सभागार में हुई। इस बार की गोष्ठी, कहानी लेखन की कला और झारखंड के कहानीकारों पर केंद्रित थी। 'कहानी कल और आज' विषय पर महत्वपूर्ण विचार और सुझाव देते हुए वरिष्ठ कथाकार व उपन्यासकार राकेश कुमार सिंह ने कहा कि, कहानी अपने समय और समाज की गवाही होती है, शब्दजाल नहीं। कहानी अपने पाठकों को बेहतर मनुष्य बनाती है, इसलिए साहित्यिक कहानियों को केवल मनोरंजन के लिए नहीं पढ़ा जाना चाहिए।

कहानी की बारीकियों पर चर्चा करते हुए वरिष्ठ आलोचक प्रो. अरुण कुमार ने कहा कि, तब की कहानियां, संयुक्त परिवारों के बनने और टूटने की होती थीं, लेकिन अब लोकतंत्र के बनने और टूटने की कहानियां लिखी जा रही हैं। डॉ. माया प्रसाद ने कहा कि, हमारे यहां एक कहावत है 'तू बोलेगी, मुंह खोलेगी, तभी जमाना बदलेगा'। आज की स्त्री लिख रही है, बोल रही है। लेकिन, समाज के दायरों को करीब से देखे बिना अच्छी कहानी नहीं लिखी जा सकती। आम आदमी के लिए पढ़ी जाने वाली कहानी की भाषा सरल होनी चाहिए।

'शब्दकार' की मासिक गोष्ठी में उपस्थित लोग ● फोटोन न्यूज

इस अवसर पर शब्दकार की अध्यक्ष रश्मि शर्मा ने कहा कि, शब्दकार की यह परंपरा है कि यह मंच नवांगतुकों को कुछ सीखने का मौका देता है और उनमें साहित्यिक समझ और बेहतर करने की कोशिश में लगा हुआ है।

मंच संचालन कोषाध्यक्ष राजीव थेपड़ा और धन्यवाद ज्ञापन उपाध्यक्ष संगीता कुजारा टॉक ने किया। कार्यक्रम में रीता गुप्ता, अनामिका प्रिया, जय माला, सोनल थेपड़ा, अंशुमिता शेखर के साथ-साथ चारूमित्र, मीरा सिंह, रश्मि सिंह, सुमिता सिन्हा, स्मिता, जयंती मिश्रा जया, पंकज पुष्कर, अनुपम श्री, पुष्पा सहाय गिन्नी, संजय सरस, किरण रानी सिंह, नरेश बंका, विधि शर्मा आदि रचनाकार मौजूद थे।

## डीएवी नीरजा सहाय में युवा सांसद का आयोजन

**RANCHI :** कांके स्थित नीरजा सहाय डीएवी स्कूल में लोकतंत्र के रक्षक कार्यक्रम में विद्यालय युवा सांसद का आयोजन सोमवार को किया गया। लोकतंत्र के मंदिर भारतीय संसद को प्रतीकात्मक रूप से अपने मूर्त रूप में विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किया। कायक्रम में सिंधु जल समझौता, वक्फ बिल, नई शिक्षा नीति, विदेश नीति, शिक्षा नीति आदि जैसे ज्वलंत मुद्दों पर विद्यार्थियों ने अपनी बातें बेबाकी से रखी। श्वेता सिन्हा (शिक्षिका) के मार्गदर्शन में बच्चों ने जीवंत संसद को विद्यालय परिसर में उतार दिया। विद्यार्थियों के सार्वजनिक रूप से बोलने के कौशल ने सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। मोहम्मद नावेद सत्ता पक्ष का नेतृत्व कर रहे थे, जबकि जयकांत उरांव ने नेता प्रतिपक्ष की भूमिका निभाई।

## सरना धर्म कोड व पेसा कानून की मांग को लेकर कांग्रेस ने की बैठक

**PHOTON NEWS RANCHI :** बेड़ो में सरना धर्म कोड और पेसा कानून की मांग को लेकर कांग्रेस पार्टी 26 मई को रांची स्थित राजभवन के समक्ष धरना-प्रदर्शन करेगी। इसे सफल बनाने को लेकर सोमवार को बेड़ो विधायक कार्यालय में प्रखंड कांग्रेस कमेटी की बैठक हुई। अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष प्रो. करमा उरांव ने की। कांग्रेस नेता व उपप्रमुख मुदस्सिर हक ने कहा कि झारखंड विधानसभा में सरना धर्म कोड का प्रस्ताव पारित कर केंद्र को भेजा गया, लेकिन केंद्र सरकार अब तक चुप है। ऐसे में कांग्रेस पार्टी 26 मई को राजभवन मार्च कर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपेगी। पीसीसी डेलिगेट्स मजकुर आलम सिद्दीकी ने कहा कि यह आंदोलन कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की घोषणा का पहला चरण है।

### Ph.D AWARDED

Brajesh Kumar Mishra (S/o Mahesh Kumar Mishra) is declared to have successfully passed the Doctor of Philosophy (Faculty of Humanities) Examination in Hindi held in the month of March, 2025 as per provision of the UGC (Minimum Standards and Procedure for Awards of Ph.D Degree) Regulation 2009 as amended upto 2016 from Kolhan University, Chaibasa on the topic entitled ''नवगीत की लोक चेतना और बुद्धिनाथ मिश्र''under the supervision of Dr. Avinash Kumar Singh, Assistant Professor, Deptt of Hindi , Jamshedpur Women's University, Jamshedpur.

## समाचार सार

### कांग्रेस की संविधान बचाओ रैली 25 को

**JAMSHEDPUR :** जिला कांग्रेस साकची में 25 मई को संविधान बचाओ रैली निकालेगी। इसकी जानकारी सोमवार को बिष्टुपुर स्थित जिला कार्यालय में जिला प्रभारी बलजीत सिंह बेदी व जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे ने पत्रकारों को बताया कि दोपहर 3.30 बजे से होने वाली रैली में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश प्रभारी के. राजू, प्रदेश सह प्रभारी सिरीबेला प्रसाद, सांसद सह राष्ट्रीय प्रवक्ता गुमीत सिंह सप्पल, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, प्रभारी मंत्री राधाकृष्ण किशोर, प्रभारी विधायक राजेश कच्छप आदि रैली को संबोधित करेंगे।

### मां की जगह कोई नहीं ले सकता : डॉ. रजी

**JAMSHEDPUR :** अर्का जैन विश्वविद्यालय में सोमवार को मातृ दिवस समारोह मनाया गया। इसमें विश्वविद्यालय प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. एसएस रजी ने कहा कि मां वह दिव्य शक्ति है, जो सबकी जगह ले सकती है, लेकिन इस संसार में कोई और उसकी जगह नहीं ले सकता। वह हमारी पहली और सबसे बड़ी शिक्षिका होती है, जो हमें करुणा, प्रेम और निर्भयता का पाठ पढ़ाती है। सीसीएचआरडी की सहायक निदेशक डॉ. चारू वाधवा ने कहा कि एक मां का अपने बच्चे के प्रति जो अनन्य प्रेम होता है, उसकी तुलना दुनिया की किसी भी चीज या व्यक्ति से नहीं की जा सकती। विश्वविद्यालय के संयुक्त रजिस्ट्रार डॉ. जसबीर सिंह धनजल ने कहा कि मां का प्रेम ही उसके बच्चों के लिए सब कुछ होता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने अपने बच्चों के साथ विभिन्न मनोरंजक और रचनात्मक गतिविधियों में भाग लिया।

### मॉर्निंग वाकर्स ने निकाला तिरंगा जुलूस

**JAMSHEDPUR :** ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर सोमवार को कदमा क्षेत्र देशभक्ति नारों से गूंज उठा। वरिष्ठ नागरिक सह मॉर्निंग वाकर्स ग्रुप के सदस्यों ने कदमा-सोनारी लिंक रोड पर तिरंगा जुलूस निकाला। यह जुलूस केजर बंगलो गोलचक्कर से कदमा पोस्टऑफिस होते हुए लौटा। अंत में वरिष्ठ नागरिकों ने मिठाई भी बांटी। जुलूस में भरत भूमिज, रामदेवजी, एसएन मित्रा, एसएल दास, श्रीकांत देव, संजीव सिन्हा, गुलशन सहगल, एके राय सहित कई लोग शामिल थे।

### चाईबासा के सदर थाना में खुली पुलिस कैंटीन

**CHAIBASA :** पश्चिमी सिंहभूम जिला के मुख्यालय स्थित चाईबासा सदर थाना परिसर में पुलिस कैंटीन खुली है, जिसका उद्घाटन सोमवार को एसपी आशुतोष शेखर ने किया। यह कैंटीन पूर्व सांसद गीता कोड़ा की सांसद निधि से बनी है। कैंटीन को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने दो वाटर कूलर भेंट किया है। कार्यक्रम में एएसपी अभियान पारस राणा, चाईबासा एसडीपीओ बहामन टुटी, सार्जेंट मेजर मंसू गोप, झारखंड पुलिस एसोसिएशन के सचिव संतोष कुमार राय, कोल्हान चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष मधुसूदन अग्रवाल, उपाध्यक्ष नितिन प्रकाश आदि भी पस्थित थे।

### वन विभाग ने ध्वस्त किया निर्माणाधीन मकान

**GHATSILA :** पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला प्रखंड में कालिचिती पंचायत अंतर्गत डायनमारी गांव के भुरुडांगा टोला में सोमवार को वन विभाग ने निर्माणाधीन पक्का मकान ध्वस्त कर दिया। बताया जाता है कि मार्शल हेम्ब्रम नामक व्यक्ति मना करने के बावजूद वन विभाग की जमीन पर घर बना रहा था। इस दौरान वन विभाग के फॉरेस्टर सहित अन्य जवानों को पीड़ित परिवार के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। फॉरेस्टर अमित सेन महतो ने कहा कि कुछ दिनों से उक्त व्यक्ति भुरुडांगा टोला के समीप पहाड़ के नीचे पक्का घर बना रहा था। घर का पिलर भी ढ़ालकर दीवार भी बना रहा था। वहीं, पीड़ित का कहना है कि कुछ ही दूरी पर कई लोग वन विभाग की जमीन पर मकान बनाकर रह रहे हैं।

### नहीं लटकाए जा सकेंगे डिटेंशन व बॉन्ड वारंट : एसडीओ

**JAMSHEDPUR :** धालभूम अनुमंडल अधिकारी शताब्दी मजूमदार की अध्यक्षता में नीलाम पत्र वादों के निष्पादन को लेकर सोमवार को समीक्षा बैठक हुई। इसमें उन्होंने कहा कि नीलाम पत्र वादों पर प्रभावी एवं समयबद्ध कार्रवाई अनिवार्य है। उन्होंने संबंधित थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि न्यायालयों द्वारा निर्गत डिटेंशन वारंट और बॉन्ड वारंट पर त्वरित कार्रवाई करें।

# कदमा में हथियार के साथ दबोचे गए दो बदमाश, एक हत्या का आरोपी

## गुप्त सूचना पर पुलिस टीम ने की छापेमारी, भाग रहे थे अपराधी, खदेड़कर दबोचा

**PHOTON NEWS JSR :** कदमा पुलिस ने रविवार की देर रात हथियार के साथ दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई, जिसमें बताया गया था कि कदमा थाना क्षेत्र स्थित एलआईसी ग्राउंड में दो संदिग्ध व्यक्ति हथियार लेकर घूम रहे हैं। सूचना मिलते ही एसएसपी किशोर कौशल के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक नगर के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर एसएसपी ने मामले की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए एलआईसी ग्राउंड के पास छापेमारी की। पुलिस को देखकर दोनों आरोपी भागने लगे, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें दौड़ाकर पकड़ लिया। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान अंकुर सिंह और उदयभान सिंह के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान अंकुर सिंह के पास से एक लोडेड देसी ऑटो पिस्टल, दो जिंदा कारतूस और एक आईफोन बरामद हुआ। वहीं उदयभान सिंह के पास से भी एक लोडेड देसी पिस्टल, एक जिंदा गोली और एक आईफोन मिला। पूछताछ में सामने आया कि अंकुर सिंह पूर्व में एक हत्या के मामले में जेल जा चुका है। जेल से रिहा होने के बाद वह अपने साथी उदयभान सिंह के साथ मिलकर शहर में डर और आतंक का माहौल बनाने की कोशिश कर रहा था। दोनों आरोपित हथियारों के दम पर लोगों को धमकाने का काम कर रहे थे। पुलिस ने दोनों आरोपितों के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

मामले की जानकारी देते एसएसपी किशोर कौशल (सबसे बाएं)

### तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आकर युवक की हो गई मौत

**CHAIBASA :** पश्चिमी सिंहभूम जिला के जैंतगढ़-हाट गम्हरिया मुख्य सड़क पर पट्टाजैत के समीप तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आकर एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, जगन्नाथपुर थाना अंतर्गत पट्टाजैत निवासी जुरिया पिंगुवा सोमवार सुबह शौच के लिए सड़क पार कर तालाब की ओर गया था। वापस घर लौटते समय जैंतगढ़ से हाट गम्हरिया की तरफ जा रहे एक तेज रफ्तार वाहन ने उसे टक्कर मार दी। जब तक कोई देखता, तब तक वाहन फरार हो गया। बाद में आसपास के ग्रामीणों ने युवक की पहचान कर उसके परिजनों और जगन्नाथपुर थाने को सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए चाईबासा सदर अस्पताल भेज दिया।

### आदित्यपुर में टैंकर ने ली बाइक सवार की जान, मचा कोहराम

**ADITYAPUR :** सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर थाना क्षेत्र में रविवार को टैंकर के धक्के से बाइक सवार की जान चली गई। टाटा-कांड्रा मुख्य मार्ग पर डीवीसी मोड़ के समीप एक तेज रफ्तार एलपीजी टैंकर ने बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया, जिसके परिणामस्वरूप बाइक सवार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह दुखद घटना तब हुई जब कांड्रा की ओर जा रहा एक टैंकर सुधा डेयरी मोड़ के पास लगे ट्रैफिक सिग्नल को तेजी से पार करने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान, शनि मंदिर की दिशा से आ रहा बाइक सवार टैंकर के पिछले चक्के की चपेट में आ गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार को संभलने का भी मौका नहीं मिला और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को इस दुर्घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही आदित्यपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने मृतक की पहचान आदित्यपुर के भाटिया बस्ती निवासी राज गोपाल मंडल के रूप में की है। दुर्घटना के बाद टैंकर चालक फरार हो गया। पुलिस ने टैंकर और बाइक को जब्त कर लिया है।

# छात्राओं ने मासिक धर्म से जुड़ी भ्रांतियों पर खुलकर रखे विचार

## झिझक तोड़ने के लिए सैनिटरी पैड रेस में हुईं शामिल, मेहंदी भी रचाई

**PHOTON NEWS JSR :** रूआर 2025 बैक टू स्कूल अभियान के तहत पटमदा स्थित प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय, माचा में सोमवार को विद्यालय प्रबंधन समिति व सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में मासिका महोत्सव हुआ। महोत्सव के दौरान किशोरियों ने महिला प्रजनन तंत्र पर रंगोली व पेंटिंग बनाई। पेंटिंग की प्रदर्शनी भी लगाई गई। कई छात्राओं ने अपने हाथों में मासिका महोत्सव से जुड़ी मेहंदी भी रचाई थी। बाजार से सैनिटरी पैड खरीदने के बाद कई बच्चियां उसे छुपाकर घर लाती है, इस शर्म को तोड़ने के लिए सैनिटरी पैड रेस कराया गया। पैड रेस में 6 टीम शामिल थी, जिसमें रिंकू प्रमाणिक की टीम प्रथम, निशा सिंह की टीम द्वितीय और नेहा सिंह की टीम तृतीय रही। कई छात्राओं ने भाषण प्रतियोगिता में भी भाग लिया, वही रंगारंग सांस्कृतिक नृत्य व संगीत की प्रस्तुति दी। पैड रेस, चित्रांकन प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को पटमदा के सर्किल ऑफिसर राजेंद्र कुमार दास, कल्याण पदाधिकारी अभय कुमार एवं चिकित्सा पदाधिकारी सी. बेसरा ने सम्मानित कर हौसला बढ़ाया। अंडर 17 राज्य स्तरीय नेशनल योग ओलंपियाड 2025 के लिए चयनित होकर इलाके का मान बढ़ाने वाली विद्यालय की छात्रा आलोका रानी महतो को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। महोत्सव के दौरान अतिथियों ने मासिका महोत्सव एक्टिविटी हैंडबुक का भी लोकार्पण किया। हैंडबुक में न्यूनतम संसाधनों के साथ समुदाय में माहवारी स्वच्छता को बढ़ाना देने की गतिविधियों व रोचक खेलों का वर्णन किया गया है। इस दौरान प्रोजेक्ट उच्च विद्यालय, माचा की प्राचार्य डॉ. प्रियंका झा, प्रबंधन समिति की अध्यक्ष रूपा महतो, झारखंड के पैडमैन तरुण कुमार, आकाश महतो, चित्रकार प्रकाश बास्के, सितेश महतो आदि भी उपस्थित थे।

मेहंदी लगाती छात्राएं

### पिकअप वैन पलटी तीन लोग घायल

**GALUDIH :** गालूडीह थाना क्षेत्र के घुटिया के पास सोमवार को अनियंत्रित होकर पिकअप वैन पलट गई। इससे पिकअप में शादी से मिले सामान सड़क पर बिखर कर क्षतिग्रस्त हो गए। पिकअप में सवार तीन लोग घायल हो गए, वहीं चालक व खलासी भाग गए। ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को घटना की सूचना दी और एंबुलेंस से घायलों को अनुमंडल अस्पताल भेजा। इधर घायल सिंघराय मुर्मू, पटिक टुडू और मुकुल किस्कु अनुमंडल अस्पताल में भर्ती हैं। इन्हें काफी चोट लगी है। सिंघराई मुर्मू के भाई लिटा मुर्मू ने बताया कि भतीजा विश्वनाथ मुर्मू की शादी देवघर के तुरियाबेड़ा में हुई थी। शादी में जो सामान मिला था, उसे पिकअप वैन से घाटशिला थाना के माहलेडीह गांव ला रहे थे। फिलहाल घायलों की स्थिति सामान्य है।

# चाईबासा में सड़क से उतरी बस, बाल-बाल बचे यात्री

**CHAIBASA :** पश्चिमी सिंहभूम जिले में बीनसाई-चेमलाईसाई मुख्य मार्ग पर सोमवार सुबह करीब 6.30 बजे दुघजोड़ी के पास कारवां बस अनियंत्रित होकर सड़क से बाहर निकल गई। हादसे के समय बस में दो दर्जन से अधिक यात्री सवार थे। हालांकि चालक की सूझबूझ से सभी यात्री बाल-बाल बच गए। बस जोड़ा से टाटानगर जा रही थी। यह हादसा चाईबासा आने से पहले हुआ। बताया जाता है कि तेज रफ्तार बस होने से दुघजोड़ी गांव के समीप तीखा मोड़ होने के कारण बस नियंत्रण से बाहर हो गई। लेकिन, चालक ने तत्परता दिखाते हुए बस को सड़क के किनारे पलटने से पहले रोक लिया, जिससे एक बड़ी दुर्घटना टल गई। बस खेत में पलटी सकती थी। हादसे के बाद यात्रियों में अफरातफरी मच गई, बस में सवार सभी यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। लेकिन चालक ने उन्हें शांत किया और कड़ी मशक्कत कर उन्हें बस से सुरक्षित बाहर निकाला। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के गांव वाले भी मौके पर पहुंचे और सभी यात्रियों को एक-एक कर बाहर निकाला । बाद में सभी यात्री का सामान भी निकाला गया। इधर घटना की सूचना मिलते ही हाटगम्हरिया थाना की पुलिस भी घटनास्थल पहुंची।

दुर्घटनाग्रस्त बस के पास लगी भीड़

# एनएच पर टायर फटने से पलट गई कार, बाल-बाल बचे सवार

गड्ढे में गिरी कार ● फोटोन न्यूज

**BAHRAGORA :** पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा थाना क्षेत्र में मुढ़ाकाटी जंगल के समीप एनएच-18 पर सोमवार को एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बताया जा रहा है कि कार का एक टायर अचानक फट गया, जिससे कार अनियंत्रित होकर पलटते हुए सड़क से करीब 50 मीटर दूर जा गिरी। हालांकि, कार में सवार तीन छात्र और एक अन्य व्यक्ति बच गए। ये सभी पश्चिम बंगाल के कोलकाता निवासी बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद चारों किसी अन्य वाहन से जमशेदपुर रवाना हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही बहरागोड़ा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। क्रेन की सहायता से क्षतिग्रस्त वाहन को बाहर निकाला गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है, ताकि दुर्घटना के सभी पहलुओं को स्पष्ट किया जा सके।

### जमशेदपुर में महात्मा गांधी की प्रतिमा खंडित कर बाउंड्रीवॉल तोड़ी

**JAMSHEDPUR :** परसुडीह थाना क्षेत्र के अंतर्गत सोपोडेरा गांधी मैदान में स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा को रविवार रात शरारती तत्वों ने खंडित कर दिया। यही नहीं बाउंड्री वॉल भी तोड़ दी है। इस घटना के बाद से क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। महात्मा गांधी मेमोरियल सोसाइटी के सदस्यों ने इस कृत्य की कड़ी निंदा की है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। सोसायटी के बबलू करुवा ने इस घटना पर चिंता जताते हुए कहा कि रविवार की देर रात कुछ अज्ञात लोगों ने न केवल गांधी जी की प्रतिमा को खंडित किया, बल्कि मैदान की बाउंड्री वॉल को भी नुकसान पहुंचाया। उन्होंने बताया कि यह दूसरी बार है जब महात्मा गांधी की प्रतिमा को निशाना बनाया गया है। इससे पहले भी प्रतिमा के साथ तोड़फोड़ की घटना हो चुकी हैं।

# भगवान श्रीराम के पदचिह्नों से जुड़ा आस्था का प्रतीक स्थल है चाईबासा का रामतीर्थ मंदिर

## जगन्नाथपुर प्रखंड में वैतरणी नदी के तट पर आते हैं दूर-दूर से श्रद्धालु

**PHOTON NEWS CHAIBASA :** पश्चिमी सिंहभूम जिले के जगन्नाथपुर प्रखंड अंतर्गत वैतरणी नदी तट पर स्थित रामतीर्थ रामेश्वर मंदिर धार्मिक आस्था, संस्कृति और इतिहास का जीवंत प्रतीक है। माना जाता है कि त्रेता युग में वनवास काल के दौरान भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और सीता यहां विश्राम के लिए रुके थे। उन्होंने अपने हाथों से शिवलिंग की स्थापना की और पूजा-अर्चना की। इस स्थल को राम के पदचिन्हों से जोड़कर देखा जाता है, जिनमें एक वास्तविक और दो कृत्रिम माने जाते हैं। यह रहस्य तब उजागर हुआ जब एक स्थानीय देवरी को स्वप्न में जानकारी मिली और टाटा स्टील नोवामुंडी की सहायता से इन्हें नदी की गहराई से निकाल कर प्रतिष्ठित किया गया। समाजसेवी निसार अहमद, जो मुस्लिम समुदाय से होते हुए भी श्रीराम को अपना आदर्श मानते हैं, ने बताया कि यहां चार प्रमुख मंदिर रामेश्वर, शिव, जगन्नाथ और बजरंगी मंदिर मौजूद हैं। 1910 में ग्रामीणों के सहयोग से इसकी नींव रखी गई और बाद में पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, पूर्व सांसद गीता कोड़ा और ग्रामीणों के प्रयास से इसका सौंदर्यीकरण हुआ। राज्य सरकार ने हाल में इसे पर्यटन स्थल घोषित किया है। वेसर शैली पर आधारित इसकी वास्तुकला इसे विशेष बनाती है। हर वर्ष मकर संक्रांति पर यहां विशाल मेला लगता है, जिसमें झारखंड के अलावा ओडिशा के मयूरभंज और सुंदरगढ़ से भी श्रद्धालु पहुंचते हैं। सोमवार को यहां विशेष पूजा होती है और मनोकामनाएं पूर्ण होने की मान्यता है। रामतीर्थ मंदिर श्रद्धा और संस्कृति का संगम बनकर क्षेत्र में लोकप्रियता प्राप्त कर चुका है और तीर्थाटन के मानचित्र पर अपना विशिष्ट स्थान बना रहा है।

पदचिह्न पर अर्पित किए गए पुष्प

## 150वें सृजन संवाद में बड़ौदा के कहानीकार ओमा शर्मा, मुंबई से विजय कुमार व वर्धा से अमरेंद्र शर्मा भी हुए शामिल

# 'युद्ध के विरुद्ध : साहित्य का हस्तक्षेप' पर साहित्यकारों ने व्यक्त किए विचार

**PHOTON NEWS JSR :** देश एवं विश्व के हालात को देखते हुए साहित्य, सिनेमा एवं कला संस्था 'सृजन संवाद' ने 150वीं संगोष्ठी स्ट्रीमयार्ड तथा फेसबुक लाइव पर विशिष्ट शृंखला 'युद्ध के विरुद्ध' की पहली कड़ी 18 मई को शाम 7 बजे आयोजित की। करीब ड़ेढ़ घंटे चली इस गोष्ठी में तीन वक्ताओं ने दो चक्र में 'युद्ध के विरुद्ध : साहित्य का हस्तक्षेप' विषय पर अपनी बात रखी। बड़ौदा से कहानीकार ओमा शर्मा, मुंबई से कवि विजय कुमार एवं वर्द्धा से साहित्य-सिनेमा विशेषज्ञ अमरेंद्र शर्मा ने संचालक करीम सिटी की डॉ. नेहा तिवारी के प्रश्नों का उत्तर देते हुए कार्यक्रम को सार्थक बनाया। डॉ. विजय शर्मा ने स्वागत किया। डॉ. विजय शर्मा ने कहा, 'युद्ध के विरुद्धः साहित्य के हस्तक्षेप' की बात सोचते हुए सबसे नोबेल पुरस्कृत लुई पिरांडले की मार्मिक कहानी 'युद्ध' की याद आती है। थोरो ने 'द बैटल ऑफ दि एंट्स' के अंत में मानवता को संबोधित करते हुए बड़ी महत्वपूर्ण बात कही है। यूरोप में युद्ध संबंधित प्रचुर साहित्य प्राप्त होता है। उन्होंने मंच पर उपस्थित विद्वानों तथा फेसबुक लाइव श्रोताओं/दर्शकों का स्वागत किया। डॉ. नेहा तिवारी ने विषय की भूमिका बाँधते हुए बताया कि प्रथम युद्ध से जुड़ी कविताओं में शौर्य, वीरता का बखान है। उन्होंने विजय कुमार को युद्ध की परिभाषा स्पष्ट करने हेतु आमंत्रित किया। वक्ता ने कहा, कहाँ तो हम ग्लोबल विलेज, सीमाओं के विलय की कल्पना कर रहे थे, और आज हर सीमा असुरक्षित है, हर देश किसी-न-किसी तरह के युद्ध से जूझ रहा है। दिमागी दिवालियापन छाया हुआ है, तरह-तरह के प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष युद्ध चल रहे हैं। तमाम तरह की शक्तियाँ युद्ध के साथ हैं, इसके कई स्तर हैं। सलमान रुश्दी के माध्यम से ओमा शर्मा ने कहा, साहित्य युद्ध को रोक भले न सके मगर उसकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने टॉल्सटॉय आदि कई साहित्यकारों का उल्लेख कर कहा, कक्षा में देशभक्ति एवं शौर्य की बातें मोर्चे पर लड़ाई से बहुत बेमेल हैं। साहित्य हमें संवेदनशील बनाता है। साहित्य में कई तरह के युद्ध का उल्लेख प्रारंभ से मिलता है, अमरेंद्र कुमार शर्मा ने इस बात को वैदिक, संस्कृत, हिन्दी एवं विदेशी साहित्य के उदाहरण से बताया। उन्होंने भवभूति, प्रसाद, काफ़्का के साहित्य की बात करते हुए 'डेथ विश', युद्ध के आमजन, खासकर स्त्रियों पर प्रभाव को इंगित किया। हिन्दी में गरिमा श्रीवास्तव का काम इसका उदाहरण है। आमजन युद्ध में रूचि न ले पर युद्ध आमजन में रूचि रखता है, वह संस्कृति पर आक्रमण कर उसे छिन्न-भिन्न करता है। युद्ध का संदर्भ हिन्दी गद्य से अधिक हिन्दी पद्य में मिलता है। समय कम था, तैयारी के साथ आए वक्ताओं के पास कहने हेतु बहुत था। साहित्य का स्वरूप बदला है, मगर वह वैश्विक चिंता करता है। युद्ध विषयक साहित्य को कई श्रेणियों में बाँटा जाता है। भले युद्ध व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से प्रारंभ हो, यह बा' एवं आंतरिक दोनों होता है। इस महत्वपूर्ण चर्चा का निष्कर्ष रहा कि साहित्य का काम हमें जागरुक करना है, संवेदनशील बनाना है।

### इनकी भी रही उपस्थिति

डॉ. अंशु तिवारी ने महत्वपूर्ण-सार्थक वक्तव्यों का सार प्रस्तुत करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया। 'सृजन संवाद' की अगली कड़ी में युद्ध संदर्भित कविताओं का पाठ होगा। 150वें सृजन संवाद कार्यक्रम में, पुणे से सिने-इतिहासकार मनमोहन चड्ढा, दिल्ली से प्रो. रेखा सेठी, प्रो. इला भूषण, प्रो. रक्षा गीता, जमशेदपुर से डॉ. मीनू रावत, डॉ. क्षमा त्रिपाठी, गीता दूबे, ऋचा द्विवेदी, अरविंद तिवारी, वीणा कुमारी, गुजरात से रानु मुखर्जी, बैंगलोर से शिक्षाविद प्रेमपाल शर्मा, पत्रकार अनघा मारीषा, कोलकाता से साहित्यकार मधु कांकरिया, डॉ. चन्दा राव, सुनिल सक्सेना, राँची से कहानीकार रश्मि शर्मा, यायावरी वाया भोजपुरी के वैभव मणि त्रिपाठी आदि जुड़े। 'हमें तो मानवता का इतिहास भी युद्ध के संदर्भ में पढ़ाया जाता है।' वैभव मणि त्रिपाठी ने टिप्पणी की। टिप्पणियों से कार्यक्रम अधिक सफल हुआ।

# घाटशिला में भारी वर्षा के कारण ढह गया घर

ध्वस्त घर के पास जुटे ग्रामीण व पीड़ित परिवार ● फोटोन न्यूज

**GHATSILA :** पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला प्रखंड में रविवार को हुई भारी वर्षा से एक घर ढह गया। पावड़ा पंचायत के ढोडाडीह गांव में ढोडाडीह निवासी लुलु मुर्मू का घर गिर गया। जैसे ही इसकी सूचना विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत को मिली, वे प्रतिनिधिमंडल के साथ पीड़ित परिवार से मिले। समस्या को देखते हुए झामुमो कार्यकर्ता शिवम शर्मा ने पीड़ित परिवार को तिरपाल मुहैया कराया। जगदीश भकत ने कहा कि पीड़ित परिवार की आर्थिक समस्या को लेकर बहुत जल्द अंचलाधिकारी से मिलेंगे। परिवार में पत्नी पालो मुर्मू, पुत्री शालिनी मुर्मू व सोनाली मुर्मू हैं। इस मौके पर सुशील मार्डी, राजा सिंह, पूर्व वार्ड सदस्य बिपिन सोरेन, हनीफ अंसारी, चम्पा हांसदा, सादो मार्डी, राबिन परवीन आदि उपस्थित थे।

BRIEF NEWS

## तीन साल पुराने हत्याकांड में महिला गिरफ्तार

**ARARIA :** फारबिसगंज थाना पुलिस ने तीन साल पहले ढोलबज्जा के संथाली टोला के पास हुए टुनटुन मल्लिक हत्याकांड मामले में प्राथमिकी अभियुक्त फूल देवी उर्फ फूलो देवी पति सुखल टुडू को गिरफ्तार किया। एसपी के निर्देश पर आयोजित विशेष समकालीन अभियान के क्रम में प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर फारबिसगंज थाना पुलिस ने यह कार्रवाई की। फूल देवी फारबिसगंज थाना में दर्ज मामले में अभियुक्त थी। पुलिस ने ढोलबज्जा संथाली टोला वार्ड नंबर-08 स्थित उसके घर से इसे गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपित महिला को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस की छापामारी टीम में थानाध्यक्ष राघवेंद्र कुमार सिंह, पुलिस अवर निरीक्षक राजनंदनी सिंहा, पुलिस अवर निरीक्षक प्रीति कुमारी के साथ सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

## ट्रेनों की सुरक्षा पर जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

**BHAGALPUR :** मालदा रेलमंडल के मंडल रेल प्रबंधक यतीश कुमार के मार्गदर्शन में ट्रेनों के संचालन की सुरक्षा एवं समयपालन को सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इन्हीं प्रयासों के तहत एक जन-जागरूकता अभियान कहलगांव - लैलख ममलखा सेक्शन के मवेशी टकराव संभावित क्षेत्रों में एक जन-जागरूकता कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मवेशी टकराव, चेन खींचना, मानव टकराव, पथराव, ट्रैक पर अतिक्रमण, पटरियों पर वस्तुएं रखना, सिग्नल उपकरणों के साथ छेड़छाड़ करना तथा रेल परिसर के आसपास मवेशियों को चराने जैसे खतरनाक एवं असुरक्षित कार्यों के प्रति आमजन को जागरूक करना था।

## पीएनबी के पूर्व शाखा प्रबंधक समेत चार पर प्राथमिकी

**NAVADA :** नवादा जिले के नारदीगंज मुख्यालय स्थित पीएनबी नारदीगंज के पूर्व शाखा प्रबंधक समेत चार पर सोमवार को प्राथमिक दर्ज की गयी है। थानाध्यक्ष प्रभा कुमारी ने बताया कि हिसुआ थाना के महादेव बिगहा निवासी स्व. भोला यादव के पुत्र अरुण कुमार के आवेदन पर मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में उन्होंने नारदीगंज पीएनबी बैंक के पूर्व शाखा प्रबंधक शशि भूषण प्रसाद के अलावा नवादा जिले के सीतामढ़ी थाना अंतर्गत बारत गांव के स्व० महेश्वरी सिंह के पुत्र विनय कुमार व विनय कुमार की पुत्री लबली कुमारी व रूपा कुमारी को नामजद आरोपी बनाया गया है। मामला प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना में ऋण की राशि में गबन करने से जुड़ा हुआ है। आरोप है कि शाखा प्रबंधक के मिली भगत से बारत निवासी विनय कुमार व उसकी पुत्री लबली कुमारी, रूपा कुमारी ने संबंधित उपभोक्ता के खाता से सात लाख, दो हजार 200 सौ रुपये गबन किया है।

# एक बार फिर सजेगा बाबा बागेश्वर का दिव्य दरबार

### पंडित अनिरुद्धाचार्य भी करेंगे कथा वाचन

**AGENCY PATNA :** बाबा बागेश्वर धाम के महंत और प्रसिद्ध कथावाचक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री एक बार फिर बिहार आ रहे हैं। धीरेंद्र शास्त्री इस बार मुजफ्फरपुर जिले के मधुबनी पंचायत के गांव राधा नगर चौसीमा में आयोजित विष्णु यज्ञ में शामिल होंगे और 20 मई 2025 (मंगलवार) को हनुमान कथा का वाचन करेंगे। इस कार्यक्रम में देश के लोकप्रिय कथावाचक आचार्य अनिरुद्धाचार्य महाराज भी पधारेंगे और 23 से 27 मई तक कथा करेंगे। आयोजन को लेकर भारत सेवा संस्थान और जिला प्रशासन पूरी तैयारी में जुटे हैं। धीरेंद्र शास्त्री इससे पहले पटना में कथा कर चुके हैं।

**एसडीएम ने यज्ञ स्थल का निरीक्षण किया :** जिला प्रशासन की ओर से सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) ने यज्ञ स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस बल की विशेष तैनाती की जा रही है। सादी वर्दी में पुलिसकर्मी, महिला पुलिस, और स्वयंसेवकों की टीम मैदान में मौजूद रहेगी। अग्निशमन विभाग, एम्बुलेंस सेवा और सीसीटीवी निगरानी की व्यवस्था की गई है। भीड़ प्रबंधन और कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए ड्रोन से निगरानी की भी योजना है।

### 700 फीट लंबा और 200 फीट चौड़ा बनाया गया है पंडाल

भारत सेवा संस्थान के अध्यक्ष ने बताया है कि कथा स्थल पर श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्था की गई हैं। 700 फीट लंबा और 200 फीट चौड़ा पंडाल बनाया गया है, जिसमें दो लाख लोगों के बैठने की व्यवस्था है। भीड़ नियंत्रण, प्रवेश और निकास मार्ग, पीने का पानी, विश्राम गृह, शौचालय, और प्राथमिक उपचार केंद्र की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोजन स्थल पर विशेष व्यवस्था रहेगी।

# विजनरी इंडियंस अवार्ड से सम्मानित किए गए शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अजय

**AGENCY BHAGALPUR :** गोल्डन स्पैरो के द्वारा देश में समाज सेवा एवं अलग अलग क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले रियल लाइफ हीरो के रूप में समाज के हित में कार्य करने वाले व्यक्तियों के लिए विजनरी इंडियंस अवार्ड समारोह सांसद मार्ग आकाशवाणी भवन के सभागार में आयोजित किया गया, जिसमें भागलपुर के प्रसिद्ध शिशु रोग विशेषज्ञ डाक्टर अजय कुमार सिंह को उनकी चिकित्सकीय व्यस्तता के बावजूद भी समाज के लिए सड़क सुरक्षा, डूबने से बचाव सर्प दंश से जागरूकता, अग्नि से बचाव एवं लोगों को सी पी आर जैसे प्राण रक्षक प्रणाली को आम लोगों को सिखाने के लिए पूनम

ढिल्लन के हाथों विजनरी इंडियंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि कार्यक्रम में देश के कोने कोने से करीब 65 साहित्यकार, शिक्षाविद, सोशल वर्कर एवं सोशल डॉक्टर को रियल लाइफ हीरो के रूप में कार्य करने के लिए सराहा गया, जिसमें ख्याति प्राप्त कई विभूतियों ने अतिथि की भूमिका निभाई। प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि सिनेमा की प्रसिद्ध अभिनेत्री पूनम ढिल्लन के हाथों विजनरी इंडियंस अवार्ड से सम्मानित किया गया।

# नालंदा में आपदा पीड़ितों को दी गई आपदा राहत सहायता राशि

**AGENCY NALANDA :** नालंदा जिले के बिहारशरीफ प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत राज मेघी ग्राम के दीपनगर निवासी मृतक अखिल कुमार के आश्रित पिता यतन महतो तथा बिहारशरीफ के जमालीचक निवासी मृतक सुधीर मिस्त्री की पत्नी गायत्री देवी को राज्य सरकार की ओर से सोमवार को आपदा राहत सहायता राशि का चेक प्रदान किया गया। यह चेक बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक श्रवण कुमार के हाथों सौंपा गया। मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार हमेशा गरीबों एवं जरूरतमंदों के साथ खड़ी रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के खजाने पर पहला अधिकार आपदा पीड़ितों का है। मृतकों के परिजनो को ढांढस बंधाते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार उनकी हर संभव सहायता करेगी।मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार सेवा की भावना से काम करती है, जबकि विपक्षी दल जनता को गुमराह करने का काम करते हैं।

उन्होंने नीतीश सरकार के कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि आज बिहार सुशासन की मिसाल बन चुका है। ह्वविकास का नीतीश मॉडलह्व अब देशभर में चर्चा का विषय है। जब नीतीश कुमार ने सत्ता संभाली थी, तब बिहार का खजाना खाली था, लेकिन आज बिहार विकास की मुख्यधारा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार और अपराध के प्रति नीतीश सरकार की ह्यजीरो टॉलरेंसह्व नीति और सरकारी संस्थाओं की जवाबदेही सुनिश्चित करने की नीति ने बिहार को नई पहचान दी है। सुशासन अब एक ब्रांड बन चुका है और बिहार का नाम देश में सम्मान से लिया जा रहा है।

### मुख्यमंत्री ने कृषि विभाग की कई योजनाओं का किया शिलान्यास और लोकार्पण

# 315 प्रखंड उद्यान पदाधिकारियों को सीएम ने दिया नियुक्ति पत्र

**AGENCY PATNA :** मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज मीठापुर स्थित कृषि भवन में कृषि विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 315 नवनियुक्त प्रखंड उद्यान पदाधिकारियों (ब्लॉक हॉर्टिकल्चरस ऑफिसर) को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। साथ ही कृषि विभाग की कई योजनाओं का शिलान्यास, लोकार्पण और शुभारंभ किया।

दरअसल, चतुर्थ कृषि रोड मैप के तहत कृषि को लाभकारी बनाने के लिए राज्य में बागवानी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं का लाभ किसानों तक पहुंचाने के उद्देश्य से बिहार लोक सेवा आयोग से अनुशंसित 315 प्रखंड उद्यान पदाधिकारियों की नियुक्ति कृषि विभाग के द्वारा की गयी है। कृषि भवन परिसर से मुख्यमंत्री ने खरीफ महाभियान-2025 का शुभारंभ भी किया। इस दौरान उन्होंने खरीफ महाभियान-2025 से संबंधित 20 प्रचार वाहन तथा बीज वाहन को हरी झंडी दिखाकर राज्य के विभिन्न जिलों के लिए रवाना किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने

योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व अन्य

प्रखंड उद्यान पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र देते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

144.72 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय, आरा (भोजपुर) के निर्माण कार्य का रिमोट के माध्यम से शिलापट्ट का अनावरण कर शुभारंभ किया।

तृतीय कृषि रोड मैप (2017-22) के तहत कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान को सुदृढ़ करने के लिए आरा (भोजपुर) में कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय की स्थापना की गयी है। वर्ष 2021-22 से इसका संचालन कृषि महाविद्यालय, बक्सर के परिसर में किया जा रहा है। इसके लिए भोजपुर जिला में 16 एकड़ जमीन चिन्हित कर भवन निर्माण विभाग द्वारा भवन का निर्माण किया जायेगा।

इसमें प्रशासनिक भवन, क्लास रूम, पुस्तकालय, छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग छात्रावास, कृषि यंत्रों के लिए कार्यशाला और आवासीय परिसर का प्रावधान किया गया है। इस महाविद्यालय में बीटेक (एग्री इजीनियरिंग) में प्रत्येक वर्ष 60 छात्रों का नामांकन किया जायेगा। भोजपुर के हसनपुर में स्थापित हो रहे कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय का उद्देश्य युवाओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से कृषि अभियंत्रण की उच्च शिक्षा प्रदान करना है। मुख्यमंत्री ने 55.26 करोड़ रुपये लागत की 62 अनुमंडल स्तरीय कृषि भवनों का शिलान्यास भी किया। इसके निर्माण से अनुमंडल स्तर पर कृषि से जुड़ी सभी सेवाएं उपलब्ध हो जाएगी। इस भवन में किसानों के लिए सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से सभी कृषि संबंधी सेवाएं, योजनाएं, तकनीकी सलाह और सरकारी सहायता एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगी।

# नालंदा में तकनीकी व गैर-तकनीकी विकास कार्यों की डीएम ने की समीक्षा

**AGENCY NALANDA :** नालंदा जिल मुख्यालय स्थित समाहरणालय सभागार में सोमवार को जिलाधिकारी, नालंदा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पदाधिकारियों (तकनीकी एवं गैर तकनीकी) के साथ संबंधित विभागों में लंबित वादों का निष्पादन हेतु कार्य प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। समीक्षा के क्रम मेंसभी विभाग के पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जनता दरबार मुख्यमंत्री समाधान यात्रा क्षेत्र भ्रमण डीएम जनता दरबार ई डैशबोर्ड सीपीग्राम इत्यादि के माध्यम से प्राप्त परिवादो के लंबित मामलों का निष्पादन यथाशीघ्र करनें का आदेश दिया गया है।जिलाधिकारी नें निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि विधिक विधानसभा विधान परिषदों से

संबंधित प्रश्नों का उत्तर प्रतिवेदन के साथ साथ मानवाधिकार लोकायुक्त इत्यादि के जो भी लंबित मामले है उनका संबंधित विभाग यथाशीघ्र निष्पादन करना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि महिला संवाद कार्यक्रम में प्राप्त आवेदनों का संबंधित विभाग यथा शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, आपूर्ति, उर्जा, बैंकिंग, पंचायती राज, नगर निगम, नगर परिषद नगर पंचायत, भू अर्जन, जिला पंचायती राज, आपदा प्रबंधन, पुलिस,वन प्रमंडल, जिला सहकारिता, सहायक निदेशक समाजिक सुरक्षा कोषांग आदि विभागों से संबंधित मामले का निष्पादन जिला स्तरीय पदाधिकारी यथाशीघ्र सुनिश्चित करेंगे और डॉ आंबेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत भी नालंदा जिलान्तर्गत अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति टोला मे आयोजित विशेष विकास शिविर में प्राप्त आवेदनों का यथाशीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करनें का भी आदेश जारी किया गया है।

## सरकार के उदासीन रवैये के विरोध में रसोइया करेंगे अनिश्चितकालीन हड़ताल

**NALANDA :** बिहार राज्य विद्यालय रसोइया संघ ने 9 जुलाई 2025 से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का ऐलान किया है। संघ के राज्य महासचिव सरोज चौबे ने बताया कि यह निर्णय सरकार की उपेक्षा और रसोइयों के साथ हो रहे लगातार अन्याय के विरोध में लिया गया है। उन्होंने इसे आर-पार की लड़ाई करार देते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि रसोइए इस सरकार को चुनाव में करारा जवाब दें। सरोज चौबे ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि महज 1650 रुपये मासिक मानदेय, वह भी सिर्फ 10 महीनों के लिए, दिलवाकर सरकार रसोइयों से कठिन मेहनत करवाती है। उन्होंने चेताया कि इस बार सभी रसोइए गठबंधन सरकार के खिलाफ मतदान करेंगे।

# नालंदा में बीते 24 घंटे के दौरान अलग अलग हादसों में पांच लोगों की मौत

**AGENCY NALANDA :** बिहार के नालंदा जिले में बीते 24 घंटे के दौरान अलग-अलग थाना इलाके में विभिन्न हादसों के दौरान पांच लोगों की मौत हो गई। कतरीसराय थाना अंतर्गत सैदी गांव के पास रविवार की देर रात्री ट्रक से कुचलकर युवक की मौत हो गई। मृतक नवादा जिला के वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के भेड़िया गांव निवासी आनंदी चौधरी के 25 वर्षीय पुत्र विनोद कुमार थे। थानाध्यक्ष सत्यम तिवारी ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार के हवाले कर दिया गया। अग्रेतर कार्रवाई जारी है। राजगीर थाना अंतर्गत कोर्णाक नगर गांव में सोमवार की सुबह ताड़ के पेड़ से गिरकर युवक की मौत हो गई। मृतक कारू चौधरी के 30 वर्षीय पुत्र इंद्रन कुमार थे। वहीं राजगीर थाना क्षेत्र के रामहरि

पिंड में को हीं छज्जा गिरने से उसके मलबे में दबकर मजदूर की मौत हो गई। मृतक बाले केवट के 36 वर्षीय पुत्र दामोदर केवट थे। थानाध्यक्ष रमण कुमार ने बताया कि दोनों शवों का पोस्टमार्ट करा, उन्हें परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। गिरियक थाना पुलिस ने राजगीर मोड़ के समीप से सोमवार को 55 वर्षीर्या अज्ञात महिला का शव बरामद किया। शव देख ग्रामीण लू से मौत का अंदेशा जता रहे हैं। थानाध्यक्ष दीपक कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होगा।उधर, तेल्हाड़ा थाना क्षेत्र के सिरियावां गांव के पास सोमवार की सुबह दौड़ रहे स्कूली छात्र की ट्रक से कुचलकर मौत हो गई। मृतक रामानुज रविदास का 17 वर्षीय पुत्र दीपक कुमार उर्फ मेथन था। थानाध्यक्ष ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार के हवाले कर दिया गया।

### अब तक राज्य में 1522 स्टार्टअप हुए पंजीकृत, 62.50 करोड़ रुपये किए गए वितरित

# नवाचार व उद्यमिता की ओर अग्रसर हो रहा नया बिहार

**AGENCY PATNA :** बिहार सरकार की स्टार्टअप योजना सभी वर्ग और समुदाय के लोगों को स्वरोजगार प्रदान कर इन्हें स्वालंबी बनाने में बेहद सहायक साबित हो रही है। उद्योग विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, अब तक 1 हजार 522 स्टार्टअप पंजीकृत हो चुके हैं। इसके तहत 62 करोड़ 50 लाख रुपये की राशि वितरित की जा चुकी है। इसमें महिला उद्यमियों के अलावा अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के उद्यमियों की संख्या भी काफी है। कुछ स्टार्ट-अप को अतिरिक्त सहायता भी दी गई है। इसमें 13 लाख 30 हजार रुपये की अतिरिक्त वित्तीय सहायता भी

प्रदान की जा चुकी है। राज्य में तेजी से स्टार्टअप की संख्या बढ़ने की वजह से बिहार की कृषि प्रधान राज्य की छवि से हटकर नवाचार और उद्यमिता के नए कलेवर वाली छवि भी बनती जा रही है। ग्रामीण इलाकों में भी स्टार्ट अप की संख्या तेजी से बढ़ रही है। उद्योग विभाग की इस योजना की वजह से युवाओं में उद्यमशीलता की भावना को प्रोत्साहन मिला है।

बिहार स्टार्टअप नीति की शुरुआत वर्ष 2017 में हुई थी, जिसका उद्देश्य राज्य में नवाचार और स्टार्टअप गतिविधियों को बढ़ावा देना है। बदलते उद्यमी परिदृश्य और स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सरकार ने इसमें बदलाव किया और बिहार स्टार्ट-अप नीति 2022 लागू की। नई नीति अधिक समावेशी, प्रभावी और तेज क्रियान्वयन करने वाली है। इस नीति का मुख्य उद्देश्य राज्य के युवाओं की प्रतिभा का उपयोग करते हुए स्टार्टअप के लिए एक अनुकूल माहौल बनाना है।

**युवाओं को अपने सार्थक कल्पना को आकार प्रदान करने में मदद मिल रही- नीतीश मिश्रा**

उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने इस बाबत बातचीत में कहा कि स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न स्तर पर प्रोत्साहन से लेकर सभी तरह के सहयोगात्मक कार्य किए जा रहे हैं। युवाओं के नवाचार को बढ़ावा देने से लेकर इसके तहत आने वाले सभी प्रस्तावों पर मंथन करने के बाद इसके क्रियान्वयन के लिए हर तरह से सहायता प्रदान की जाती है। इससे स्वरोजगार को बढ़ावा मिल रहा है। युवाओं को अपने सार्थक कल्पना को आकार प्रदान करने में मदद मिल रही है।

## पूर्व विधायक ने दो समुदायों के बीच की रंजिश को कराया समाप्त

**ARARIA :** फारबिसगंज के सैफगंज में दो समुदायों के बीच आपसी रंजिश को लेकर तनाव के बीच सोमवार को पूर्व विधायक एवं कांग्रेस नेता जाकिर हुसैन खान समर्थकों के साथ गांव पहुंचे। पूर्व विधायक ने स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से गांव में दोनों समुदायों के लोगों को बिठाकर मीटिंग की और मिलजुल कर रहने और सम्प्रदायिक सौहार्द्र को कायम रखने की अपील की। पूर्व विधायक जाकिर हुसैन खान ने दोनों समुदायों के बीच के रंजिश को समाप्त कराते हुए एक दूसरे को गले मिलवाया और सीमांचल की गंगा जमुनी तहजीब को कायम रखने की अपील की। पूर्व विधायक ने दोनों समुदायों की शिकायत सुनने के बाद आपसी गिला शिकवा को दूर करवाया और किसी भी तरह के सामाजिक विषमता को लेकर एक कमिटी का निर्माण करवाया।

# भाजपा जिला कार्यसमिति की बैठक में कार्यकर्ताओं को मिला जीत का मंत्र

**AGENCY KATIHAR :** भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय में सोमवार को आयोजित जिला कार्यसमिति की बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश महामंत्री व क्षेत्रीय प्रभारी मिथिलेश तिवारी ने कार्यकताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन और कार्यकताओं के आधार पर कार्य करने वाली पार्टी है और सशक्त बूथ इकाई ही चुनावी विजय का आधार हो सकती है।

बूथ सशक्तिकरण अभियान पर जोर देते हुए प्रदेश महामंत्री ने जिला स्तर पर एक टोली गठित करने का निर्देश दिया। इस टोली में एक जिला संयोजक और प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए एक-एक इंचार्ज होंगे जो बूथ सशक्तिकरण अभियान के संचालन और

समन्वय की जिम्मेदारी निभाएंगे। पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बिहार से विशेष स्नेह है और उन्होंने बिहार के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने और केंद्र व राज्य सरकार की लाभकारी योजनाओं को घर-घर पहुंचाने का कार्य करें। जिला अध्यक्ष मनोज राय ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा सभी सातों सीट पर जीत हासिल करेगी।

# दुनिया में शांति चाहते हैं भारत में उत्पन्न सभी मत-पंथ

भारत में सनातन हिंदू धर्म तो अनादि एवं अनंत काल से चला आ रहा है, परंतु बाद के खंडकाल में भारत में कई अन्य प्रकार के मत- पंथ भी विकसित हुए हैं जैसे बौद्ध धर्म, जैन धर्म, सिख धर्म आदि। भारत में विकसित विभिन्न मत-पंथ मूलतः सनातन हिंदू संस्कृति का ही अनुपालन करते हुए दिखाई देते हैं और ऐसा कहा जाता है कि यह समस्त मत-पंथ सनातन हिंदू धर्म की विभिन्न धाराएं ही हैं। भारत में विकसित मत-पंथ सामान्यतः अपने दर्शन, कर्मकांड एवं सामाजिक ताने बाने के दायरे में अपने धर्म का अनुपालन करते हैं। भारत में हिंदू धर्म के सिद्धांतों पर चलने वाले नागरिकों की संख्या सबसे अधिक हैं एवं यह भारत का सबसे बड़ा धर्म है, जिसमें विभिन्न देवी देवताओं और पूजा प्रथाओं की एक विस्तृत प्रणाली शामिल है। भारत में विकसित हुए मत पंथों में बौद्ध धर्म की उत्पत्ति भगवान बुद्ध की शिक्षाओं के आधार पर हुई है। यह शिक्षाएं मानव जीवन से दुःख और उसके कारणों को दूर करने के संबंध में हैं। बौद्ध धर्म में ध्यान, प्रेम एवं करुणा पर जोर दिया जाता है। बौद्ध धर्म में कर्मकांड के महत्व को भी रेखांकित किया गया है, परंतु इसका उद्देश्य ईश्वर की आराधना नहीं, बल्कि मोक्ष की प्राप्ति करने से है। भारत में ही विकसित दूसरे महत्वपूर्ण मत पंथ, जैन धर्म में अहिंसा, आत्म संयम, सत्य एवं ईमानदारी पर अधिक जोर दिया जाता है। जैन धर्म में ऐसा माना जाता है कि मोक्ष की प्राप्ति स्वयं के प्रयासों से ही संभव है। भारत में ही विकसित तीसरा महत्वपूर्ण मत पंथ है सिख धर्म, जिसकी स्थापना श्री गुरु नानक देव जी ने की थी। सिख धर्म ईश्वर में विश्वास, सेवा, समानता एवं सत्यनिष्ठा पर आधारित है। सिख धर्म में ईश्वर की उपासना की जाती है, परंतु यह उपासना कर्मकांड से परे हैं। भारत की सनातन हिंदू संस्कृति को पूरे विश्व में अति प्राचीन संस्कृति के रूप में देखा जाता है। मूल रूप से भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति में आध्यात्म का विशेष महत्व है, जिसके अंतर्गत वसुधैव कुटुंबकम, सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय, विश्व का कल्याण हो, किसी भी जीव का अहित न हो जैसे भावों पर अमल करने का प्रयास किया जाता है। भारत में चूंकि मनुष्य के साथ साथ जीव जंतुओं, नदियों, पहाड़ों, पेड़ पौधों एवं जंगलों, आदि में भी ईश्वर का वास माना जाता है इसलिए किसी भी जीव को कोई क्षति न हो इस भावना को न केवल को आगे बढ़ाया जाता है, बल्कि इस सिद्धांत पर अमल भी किया जाता है। इसीलिए भारत मूलतः शांतिप्रिय देश माना जाता है तथा भारत में हिंसा के लिए तो कोई जगह ही नहीं है। भारत के धर्मग्रंथों में भी जाने अनजाने में भी की गई जीव हत्या को पाप की संज्ञा दी गई है। सनातन हिंदू संस्कृति के ग्रंथों, उपनिषदों, आदि द्वारा काम, कर्म एवं अर्थ को धर्म के साथ जोड़कर ही सम्पन्न करने के उपदेश दिए जाते हैं। उदाहरण के लिए, महाभारत में वेद व्यास जी ने धर्म के आठ तरीके बताए हैं - (1) यज्ञ - जिसका आश्य है कि ऐसा कर्म जो समाज के लाभ के लिए किया जाता है। (2) दान - समाज की सहायता करना। (3) तप - अर्थात स्वयं में सुधार करते रहना, स्वयं का मूल्यांकन करना तथा नकारात्मक गुणों को दूर कर सकारात्मक गुणों का विस्तार करना। (4) सत्यम् - सत्य के मार्ग पर चलना। (5) क्षमा -दूसरों तथा स्वयं को गलतियों के लिए क्षमा करना। (6) दंभ - इंद्रियों को वश में रखना। (7) आलोभ - लालच नहीं करना एवं लालच में न आना। (8) अध्ययन - स्वयं और दुनिया का अध्ययन करना। सनातन हिंदू धर्म एवं भारत में उत्पन्न मत पंथों के अनुयायी सामान्यतः धर्म के उक्त वर्णित आठ तरीकों पर चलने का प्रयास करते पाए जाते हैं। धर्म की इस राह पर चलकर उन्हें समाज में शांति पूर्वक रहने की प्रेरणा मिलती है एवं अंततः उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही विश्व के अन्य देशों में विकसित मत पंथों का अनुसरण करने वाले नागरिक भी भारत में पर्याप्त मात्रा में निवास करते हैं जैसे यहूदी, ईसाई एवं इस्लाम के अनुयायी आदि। विश्व के अन्य भागों में विकसित उक्त वर्णित मत पंथों को सेमेटिक रिलिजन की श्रेणी में रखा जाता है, क्योंकि इनकी साझा उत्पत्ति एवं कुछ सामान्य अवधारणाएं होती हैं, जैसे एक ही ईश्वर में विश्वास, नैतिकता एवं कर्मकांड। यहूदी धर्म एक धर्मग्रंथ (ताल्मुद) पर आधारित है। इस धर्मग्रंथ में यहूदी लोगों की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को दशार्या गया है। यहूदी धर्म सेमेटिक धर्म की श्रेणी में आता है क्योंकि इसमें एक ईश्वर (येहव) में विश्वास, अनुष्ठान एवं नैतिक नियमों का पालन किया जाता है। ईसाई धर्म ईसा मसीह की शिक्षाओं पर आधारित है, जो एक ईश्वर में विश्वास एवं ईसा मसीह के द्वारा उद्धार करने एवं उनके द्वारा ही मोक्ष करने पर जोर देता है। इसी प्रकार इस्लाम भी पैगंबर मुहम्मद साहब की शिक्षाओं पर आधारित है, जो कि एक ईश्वर (अल्लाह) में विश्वास एवं कुरान का पालन करने पर जोर देता है। भारत में उत्पन्न विभिन्न धर्मों एवं मत पंथों में ईश्वर की अवधारणा विविध है, परंतु सेमेटिक धर्मों में केवल एक ईश्वर में ही विश्वास किया जाता है। भारतीय मत पंथों में कर्मकांड का महत्व कम है, जबकि सेमेटिक धर्मों में कर्मकांड की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। भारतीय मत पंथों में मोक्ष की प्राप्ति के विभिन्न मार्ग उपलब्ध हैं, जिन पर चलकर मोक्ष की प्राप्ति की जा सकती है, परंतु सेमेटिक धर्मों में मोक्ष की प्राप्ति केवल ईश्वर की कृपा से ही संभव है। भारतीय मत पंथों में विविध सामाजिक संरचना रहती है, जबकि सेमेटिक धर्मों में एक समान सामाजिक संरचना रहती है एवं इसमें विविधता का अभाव है। भारत में उत्पन्न धर्मों एवं मत पंथों में तथा सेमेटिक धर्मों में सामाजिक संरचना एवं दर्शन भी अलग अलग है। भारत के बारे में यह कहा जाता है कि यहां विविधता में भी एकता दिखाई देती है, क्योंकि आज भारत में विभिन्न धार्मिक आस्थाओं एवं विभिन्न धर्मों की उपस्थिति तथा उनकी उत्पत्ति तो दिखाई ही देती है, साथ ही, व्यापारियों, यात्रियों, आप्रवासियों, एवं यहां तक कि आक्रमणकारियों द्वारा भी यहां लाए गए धर्मों को आत्मसात करते हुए उनका सामाजिक एकीकरण दिखाई देता है। सभी धर्मों के प्रति हिंदू धर्म के आतिथ्य भाव के विषय में जॉन हार्डन लिखते हैं, हालांकि, वर्तमान हिंदू धर्म की सबसे महत्त्वपूर्ण विशेषता उसके द्वारा एक ऐसे गैर-हिन्दू राज्य की स्थापना करना है, जहां सभी धर्म समान हैं।

# अप्राकृतिक देश है पाकिस्तान

ANALYSIS



✍ हृदयनारायण दीक्षित

भारत और पाकिस्तान के मध्य यह पांचवां युद्ध है। इसके अलावा पाकिस्तान द्वारा समय-समय पर भेजे गए आतंकवादियों द्वारा की गई सैकड़ों हत्याएं भी इसी तरह के युद्ध का हिस्सा रही हैं। पाकिस्तान ने कोई विकल्प नहीं छोड़ा, तो भी भारत ने पहले दिन केवल आतंकवादी शिविरों पर ही हमला किया। पाकिस्तान की सेना या जनता पर नहीं, लेकिन पाकिस्तान ने धुआंधार युद्ध की कार्रवाई की। इन पंक्तियों के लिखे जाने के समय तक भारत की तरफ से पाकिस्तान के 13 से ज्यादा शहरों पर जवाबी कार्रवाई की गई। पूरा राष्ट्र भारतीय नेतृत्व और सेना की कार्रवाई के समर्थन में मन, वचन, कर्म और संकल्प के साथ एकजुट है। दुनिया का कोई भी देश इस युद्ध में पाकिस्तान के पक्ष में नहीं बोला। भारत की प्रारंभिक कार्रवाई का समर्थन भी कई देशों द्वारा किया गया है। पाकिस्तान वस्तुतः स्वाभाविक मुल्क/राष्ट्र नहीं है। इसका जन्म मुस्लिम लीग द्वारा डायरेक्ट एक्शन नाम से कराए गए नरसंहार और रक्तपात के बीच हुआ था। देश विभाजन की त्रासदी जिन्हें याद है, वे आज भी कांप उठते हैं। किसी राष्ट्र के गठन के लिए एक सुनिश्चित भूमि अनिवार्य होती है। उसी भूमि पर संकल्पबद्ध रहने वाले लोग जन्मभूमि को प्यार करते हैं। इन अभिजनों की साझा संस्कृति होती है। भूमि, जन और संस्कृति तीनों मिलकर राष्ट्र बनते हैं। भारत ऐसा ही प्राचीन राष्ट्र है। भारतीय संस्कृति विश्ववरेण्य है। भारत के लोग भारत भूमि को प्यार करते हैं। उसे मां जानते हैं। पृथ्वी को मां कहने की यह अनुभूति हजारों वर्ष पहले अथर्ववेद के भूमि सूक्त में गाई गई है। इस सूक्त के कवि अथर्वा कहते हैं, यह पृथ्वी हमारी माता है और हम इसके पुत्र।

पंक्तियों के लिखे जाने के समय तक भारत की तरफ से पाकिस्तान के 13 से ज्यादा शहरों पर जवाबी कार्रवाई की गई। पूरा राष्ट्र भारतीय नेतृत्व और सेना की कार्रवाई के समर्थन में मन, वचन, कर्म और संकल्प के साथ एकजुट है। दुनिया का कोई भी देश इस युद्ध में पाकिस्तान के पक्ष में नहीं बोला। भारत की प्रारंभिक कार्रवाई का समर्थन भी कई देशों द्वारा किया गया है। पाकिस्तान वस्तुतः स्वाभाविक मुल्क/राष्ट्र नहीं है। इसका जन्म मुस्लिम लीग द्वारा डायरेक्ट एक्शन नाम से कराए गए नरसंहार और रक्तपात के बीच हुआ था। देश विभाजन की त्रासदी जिन्हें याद है, वे आज भी कांप उठते हैं। किसी राष्ट्र के गठन के लिए एक सुनिश्चित भूमि अनिवार्य होती है। उसी भूमि पर संकल्पबद्ध रहने वाले लोग जन्मभूमि को प्यार करते हैं। इन अभिजनों की साझा संस्कृति होती है। भूमि, जन और संस्कृति तीनों मिलकर राष्ट्र बनते हैं। भारत ऐसा ही प्राचीन राष्ट्र है। भारतीय संस्कृति विश्ववरेण्य है। भारत के लोग भारत भूमि को प्यार करते हैं। उसे मां जानते हैं। पृथ्वी को मां कहने की यह अनुभूति हजारों वर्ष पहले अथर्ववेद के भूमि सूक्त में गाई गई है। इस सूक्त के कवि अथर्वा कहते हैं, यह पृथ्वी हमारी माता है और हम इसके पुत्र।




इस पृथ्वी पर उत्सव होते हैं। सम्मिलन होते हैं। गांव परस्पर मिलते हैं। अनेक तरह की भाषा-बोली बोलने वाले लोग और अनेक तरह के रीति-नीति से संबद्ध लोग पृथ्वी माता का संरक्षण पाते हैं। कहते हैं, हे माता, हम आप पर लेटते हैं, बैठते हैं। हमारे किसी पैर-हाथ से आपको चोट न पहुंचे। यहां भाव प्रवणता का चरम है। अथर्वा कहते हैं, उत्सवों के आयोजनों के लिए, हे माता, हम आपको खोदते हैं। बांस की लकड़ी आदि गाड़ते हैं। माता आपको कष्ट हो, तो क्षमा करें। अमेरिकी विद्वान ब्लूमफील्ड ने इस सूक्त के अनुवाद में कहा है, ऋषि अथर्वा ने उत्कृष्ट काव्य की रचना की है। हजारों वर्ष पहले अथर्वा केवल बांस गाड़ने के लिए खोदी गई धरती से क्षमा याचना करते हैं। तमाम नदियों की घाटियों में और समतल जमीन वाले मैदानों में भी पुलिस और खनन माफिया के चलते तमाम जमीनें खोदी जाती हैं। प्राचीन भारतीय संस्कृति में पृथ्वी माता रही हैं और हैं। अथर्ववेद से चली यह परंपरा बंकिम चंद्र के उपन्यास आनंद मठ में वंदे मातरम कविता में विस्तार पाती है। बंटवारे के समय भारत छोड़कर पाकिस्तान चले गए लोग संस्कृति छोड़ गए। उन्होंने मजहब के आधार पर देश को बांट दिया। पाकिस्तानी भूमि 1947 में भारत से अलग हुई। इसी भूमि में वैदिक काल के ऋषियों की नदीतमा सरस्वती प्रवाहमान रही है। इसी के तट पर तमाम वैदिक साहित्य गाया गया। सिंधु नदी भी ऋग्वेद के ऋषियों की प्रिय नदी है। इसी के नाम पर प्राचीन भारतीय संस्कृति को सिंधु घाटी सभ्यता भी कहते हैं। वैदिक काल में हिमालय से निकली सिंधु, झेलम, सतलज, रवि, व्यास आदि सात नदियां वैदिक ऋषियों की प्रिय रही हैं। ऋग्वैदिक ऋषियों ने इंद्रदेव को धन्यवाद दिया है कि वह सात नदियों के क्षेत्र में जल वर्षा करते हैं। पुलास्कर ने लिखा है, सात नदियों के इस क्षेत्र को देश कहना ज्यादा ठीक होगा। ऐसे प्राचीन राष्ट्र को तोड़कर केवल मजहब आधारित अप्राकृतिक देश बनाया गया है पाकिस्तान। पाकिस्तान भारत से अलग हो गया। कट्टरपंथी तत्वों ने भारतीय संस्कृति का विरोध किया। उन्होंने देश गठन का आधार केवल मजहब माना और मजहब आधारित देश बनाया। अब पाकिस्तानी सेना के प्रमुख पाकिस्तान के गठन का औचित्य समझा रहे हैं। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तानी आतंकवाद के साक्ष्य के रूप में पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल मुनीर के ताजा बयान को उद्धृत किया है। जनरल मुनीर ने हिंदुओं का जिक्र करते हुए कहा, हमारे पूर्वजों ने सोचा कि हम जीवन के हर संभव क्षेत्र में हिंदुओं से अलग हैं। हमारा धर्म अलग है, हमारे रीति-रिवाज अलग हैं। हमारी संस्कृति अलग हैं और हमारी सोच अलग है। हमारी महत्वकांक्षाएं अलग हैं। यह दो राष्ट्र के सिद्धांत की नींव थी। जनरल मुनीर जानबूझकर शरारत कर रहे हैं। बेशक आपकी सोच अलग है, लेकिन पूर्वज साझे हैं। फिर पाकिस्तान को स्वतंत्र राष्ट्र होने से किसने रोका है। देश तो आप उसी दिन हो गए थे, जिस दिन ब्रिटिश पार्लियामेंट ने कानून बनाकर आजादी देने की घोषणा की। विभाजन का प्रस्ताव उसमें शामिल था। दोनों देशों ने अलग-अलग जीवन यात्रा की। संप्रति भारत में सभी मत, पंथ, मजहब फल-फूल रहे हैं। यहां अल्पसंख्यक समुदाय तमाम विशेषाधिकार का आनंद उठा रहे हैं, लेकिन आपके यहां पाकिस्तान में अल्पसंख्यक हिंदू असुरक्षित हैं। उनके उपासना स्थल मंदिर गिराए जा रहे हैं। सेना चुनी हुई सरकारों को काबू में रखती है। काबू न कर पाने पर गिरा देती है। राजनीतिक बयानबाजी का काम निर्वाचित सरकारों को करना चाहिए था, लेकिन आप चुनी हुई सरकारों का काम खुद कर रहे हैं। सबसे खतरनाक बात यह है कि सेना के नेतृत्व में आतंकवादी यूनिवर्सिटी चल रही है। पाकिस्तान के संविधान में इसे इस्लामिक गणराज्य कहा गया। पाकिस्तान की अलग से कोई स्वतंत्र तहजीब नहीं है। न संस्कृति है, न सभ्यता है। इसलिए पाकिस्तान के राष्ट्र होने का सवाल ही नहीं होता। केवल सरकार बना लेने से राष्ट्र नहीं बनते। पाकिस्तान वास्तविक स्वाभाविक राष्ट्र नहीं है। इसीलिए पाकिस्तान के जन्म के समय से ही रक्तपात जारी है। जन्म के दो-तीन महीने के भीतर ही उसने कबायली हमला बोला। भारत की सेना से पराजित हुआ। 1965 में फिर युद्ध हुआ। वह फिर पराजित हुआ। 1971 में भारत से युद्ध हुआ। आमने-सामने के युद्ध में 93000 सैनिकों ने आत्मसमर्पण किया। पूर्वी पाकिस्तान के नाम से अभिज्ञात हिस्सा बांग्लादेश बन गया। बलोचिस्तान के लोग अपनी आजादी की लड़ाई लड़ रहे हैं। पाकिस्तान की नियति यही है। वह जन्म के समय से ही खंड-खड होने के लिए अभिशप्त है। पाकिस्तान के गर्भ में विघटन के जीवाणु कुलबुलाया करते हैं। ऐसा घटित होना सही भी है। इस्लामी विद्वान दुर्रानी ने पाकिस्तान के जन्म के समय अपनी प्रतिक्रिया में कहा था, पाकिस्तान एक सैनिक छावनी होगा और यहीं से हम भारत का इस्लामीकरण करेंगे। उनकी आधी बात सच निकली।

# आतंकवाद के खिलाफ भारत एकजुट

मनुष्य का अस्तित्व कोई अकेले के बस की बात नहीं है। अन्य या दूसरे के साथ सहअस्तित्व जीवन जीने के लिए अनिवार्य है। हिंसा और संघर्ष जीवन के विरुद्ध होता है। सहयोग, सहकार अब तक के ज्ञात राजनैतिक इतिहास को देखने पर भारत सतत रूप से एक शांति का आकांक्षी देश ही सिद्ध होता है। वह दूसरे देशों पर आधिपत्य स्थापित करने या अपना कब्जा जमाने की जगह शांति चाहता रहा है। अन्य देशों के साथ परस्पर सहयोग और समर्थन पाने की उसकी बलवती चाह रही है। इसी नीति के अनुसार आर्थिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में एक-दूसरे के साथ परस्पर जुड़ने के प्रयास को सदैव प्राथमिकता दी गई। कलह और संघर्ष में भारत की न रुचि रही है, न कभी उसका भरोसा किया गया। अपने पड़ोसी देशों की ओर से भी भारत इसी भाव से प्रतिदान की कामना करता रहा है। इस तरह की नीति और आचरण के परिप्रेक्ष्य में हमारी विदेश नीति निर्धारित की जाती रही है। इसी अपेक्षा के साथ स्वतंत्र भारत शुरू से राजनय में अपने कदम बढ़ाता रहा है,किंतु दूसरों को अपनी ही तरह समझना खामखयाली ही साबित हुई और इतिहास गवाह है कि राजनयिक परिवेश में इस तरह की नीति के चलते भारत को कई बार नुकसान भी उठाना पड़ा। स्मरणीय है कि स्वतंत्र भारत के एक दशक बीतते-बीतते पड़ोसी चीन ने भाई-भाई के दिखावटी रिश्तों की आड़ में विश्वास को तोड़ कर धोखा दिया। यह भी सबको पता है कि तब भारत उस तरह की चुनौती के लिए बिलकुल तैयार नहीं था। तब से आज तक चीन के साथ सीमा के प्रश्न कई उतार-चढ़ावों के बीच से गुजरते आ रहे हैं। दूसरी ओर स्वयं चीन अपनी प्रगति से सबको चकित करते हुए विश्व पटल पर अमेरिका जैसी बड़ी हस्तियों से जोरदार टक्कर ले रहा है। उसकी उपस्थिति हर क्षेत्र में दर्ज हो रही है। शैक्षिक, राजनैतिक, तकनीकी, कृषि तथा सामरिक सभी क्षेत्रों में कीर्तिमान स्थापित करते हुए चीन की उपलब्धियां निश्चय ही अचंभित करने वाली हैं। सचमुच किसी भी देश की शक्ति और सामर्थ्य का कोई विकल्प नहीं होता है। पाकिस्तान हमारा दूसरा पड़ोसी देश है जो खार खाए बैठा है और स्वतंत्र होने के साथ और बाद में ही लगातार आक्रामक रुख अपनाए हुए है। आतंकवाद, अलगाववाद तथा उग्रवाद को बढ़ावा देना और गतिरोध पैदा करना पाकिस्तान का मुख्य कार्य हो गया है। यह दुर्भाग्य ही था कि विभाजन की घोर मानवीय त्रासदी के बीच भारत के साथ ही उसका जन्म हुआ और तब से लेकर आज तक कलह और वैमनस्य की आंतरिक परिस्थितियों से वह लगातार जूझता आ रहा है। ऐसी स्थितियों का परिणाम राजनैतिक अस्थिरता, आपसी वैमनस्य और हिंसा के रूप में दिखता रहा है। वहां के प्रधानमंत्री और राष्ट्राध्यक्ष लगातार हत्या या फांसी के शिकार होते आए हैं। सेना का तख्तापलट भी वहां कई बार हुआ है। संघर्ष की बुनियाद पर टिका पाकिस्तान अपने जन्म के साथ ही भारत के साथ पट्टीदारी जैसी मानसिकता के साथ अविश्वास और द्रोह की भावना रखता आया है। चार युद्धों के अलावा शायद ही कोई ऐसा दिन बीतता होगा, जब भारत की सीमा पर पाकिस्तान की ओर से शत्रुता भरी कोई छोटी-बड़ी घटना न होती रही हो। इसके बावजूद एक अच्छे पड़ोसी मान कर पाकिस्तान के साथ भारत संवाद और सहयोग के लिए सदा तत्पर रहा है। दूसरी ओर पाकिस्तान की तरफ से नकारात्मक रवैया अपनाया जाता रहा है। साथ ही वह भारत के बारे में दुष्प्रचार के साथ छद्म युद्ध भी चलाता रहा है। ध्यातव्य है कि पाकिस्तान के अनेक प्रांत अपनी समस्याओं के चलते अलगाववादी राह अपनाते रहे हैं। आजकल बलूच समुदाय की स्वतंत्रता की मांग जगजाहिर है। सच कहें तो आंतरिक अस्थिरता और आपसी मनमुटाव जैसे मुद्दों से वहां की सरकार लगातार जूझ रही है। ऐसे माहौल में सेना का राजनीतिक वर्चस्व बढ़ता रहता है और प्रधानमंत्री सिर्फ कुसीर्दार हो कर रह जाता है। सेना के महत्वाकांक्षी जनरल मौका देख राजनेता को आसानी से बेदखल कर तख्तनशीं बन कर राज करने लगता है। इस सिलसिले में आतंक और आतंकवादी तत्व भी सक्रिय होते रहे हैं, जो पाकिस्तान के अंदर और बाहर ऊधम मचाने का काम करते हैं। इनके अलगझ्अलग स्त्रोत हैं। परंतु, इन सब के ऊपर सरकार का आतंक को जायज मान कर अपनाना खतरनाक पहल है। सरकारी आतंक का प्रायोजित होना किसी भी सभ्य सरकार के लिए शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण है। सरकार पोषित आतंक की ताजी घटना पिछले महीने कश्मीर के पहलगाम नामक रमणीक स्थान पर हुई। यहां आतंकियों ने पर्यटन पर आए दो दर्जन से अधिक निहत्थे नागरिकों की गोली मार कर जघन्य हत्या कर दी। इस बर्बर घटना ने सभ्य समाज की आचरण की सारी हदों को पार कर दिया। इस दुर्घटना ने सभी भारतीयों को चोट पहुंचाई और यह सोचने पर मजबूर किया कि इस असह्य आतंक का प्रतिकार आवश्यक है। भारत ने संयम से काम लिया और सरकार ने गंभीर विचार-विमर्श के बाद आतंक के उन्मूलन के लिए जरूरी सैन्य कारवाई का निश्चय किया। ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया और पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को नष्ट किया। इस कारवाई में इस बात को सुनिश्चित करने की पूरी चेष्टा की गई कि आम पाकिस्तान के नागरिकों को कोई आघात न पहुंचे। पाकिस्तान को यह आतंकविरोधी प्रयास नागवार गुजरा और उसने आक्रामक रुख अपनाया। फाइटर जेट, ड्रोन और मिसाइल की सहायता से पाक सेना ने आक्रमण किया जिसको भारत के मुस्तैद सैन्य बलों ने पूरी तरह से विफल कर दिया पाकिस्तान की सेना को कई जेट और सुरक्षा प्रणाली से हाथ धोना पड़ा। सभी मतभेदों से ऊपर उठ कर पूरे भारत ने भारत की सेना की कारवाई का हृदय से स्वागत किया। ऑपरेशन ऑपरेशन सिंदूर सरकार और सेना के बेहतरीन सहयोग, तालमेल और समझदारी का बेजोड़ नमूना साबित हुआ।

## Social Media Corner

**सच के हक में...**



भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस हमारे सशस्त्र बलों, नौकरशाहों, शिक्षाविदों, बुद्धिजीवियों और उनके परिवारों के साथ खड़ी है। मैं किसी भी व्यक्ति के चरित्र हनन, बदनामी, ट्रोलिंग, उत्पीड़न, गैरकानूनी गिरफ्तारी और किसी भी व्यावसायिक इकाई की बर्बरता की निंदा करता हूं, चाहे वह किसी भी तरह के तत्वों द्वारा या आधिकारिक राज्य मशीनरी के माध्यम से की गई हो। अशोका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद की गिरफ्तारी से पता चलता है कि भाजपा किसी भी राय से कितनी डरती है, जो उन्हें पसंद नहीं है।

**(मल्लिकार्जुन खड़गे का 'एक्स' पर पोस्ट)**



झारखंड में सिर्फ बांग्लादेशी घुसपैठिए ही नहीं, बल्कि आईएएस अधिकारी और कांग्रेस के विधायक भी अपना फजी दस्तावेज बनवा रहे हैं। कांग्रेस की एक विधायक महोदया दो पैन कार्ड और चार वोटर आईडी के साथ लोकतंत्र का मजाक बना रही हैं। चुनाव आयोग को धोखा देना, गलत हलफनामे देना और जनता से तथ्यों को छुपाना – क्या यही है कांग्रेस का जनप्रतिनिधित्व। वैसे भी झारखंड में फर्जी पहचान पत्र का यह पहला मामला नहीं है। पहले सिर्फ बांग्लादेशी घुसपैठियों के बन रहे थे अब विधायकों के नाम भी सामने आ रहे हैं। बहती गंगा में हाथ धोने वालों की कतार काफी लंबी है।

**(बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)**

# आंदोलनकारी पत्रकारिता का परचम थे के. विक्रम राव

के. विक्रम राव नहीं रहे। उनके आलेख नियमित आते ही रहते थे। खास मुद्दों पर। खास परिस्थितियों पर। पत्रकारिता के इतिहास पर और अपनी आपबीती पर भी। उनके लेख इतिहास और भूगोल बताते थे। नीति और सिद्धांत के मार्गदर्शक दस्तावेज होते थे। पत्रकारिता की वह चलती-फिरती पाठशाला थे। अरे! अरे!! मैं भी निरा बेवकूफ पाठशाला नहीं, विश्वविद्यालय थे। हम जैसे रिटायर हो चुके पत्रकारों के लिए भी वह प्रेरणा थे। इस मायने में भी कि कैसे आखिरी क्षण तक सदाचारिता के साथ सक्रिय बने रहा जाए। कहने को वह इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे, लेकिन पद से वह बहुत बड़े थे। अनुभव में इंसानियत में और अपने से छोटों को प्रोत्साहित करने में भी। मेरा उनसे कभी प्रत्यक्ष परिचय नहीं हुआ। मिलना-मिलाना भी कभी नहीं हो पाया, पर ऐसा भी नहीं कह सकते कि उनसे मेरा सघन परिचय नहीं। उनके 6 दशक पुराने सक्रिय पत्रकारीय इतिहास से परिचय जरूर था। उनके द्वारा भेजे गए लेख हमें उनसे रोज परिचित कराते थे। उनकी लेखनी, उनकी याददाश्त और उनकी रचनात्मक आंदोलनकारिता जबरदस्त थी। और यही उनसे मेरा परिचय प्रगाढ़ बनाता जा रहा था। मैं व्यक्तिगत रूप से उनका मुरीद था। आप सोच रहे होंगे, मिलने पर तो कोई बनता नहीं। बिना मिले भी ऐसा कैसे हो सकता है। इसका एक कारण हमारी अपनी पत्रकारिता के जीवन का वह पन्ना है, जो कभी धूमिल नहीं होने देंगे। जीवन के साथ भी-जीवन के बाद भी। वह राष्ट्रीय स्तर के पत्रकार और हम जिला स्तर के कथित ब्यूरो चीफ। 15 साल पहले का एक वाकया हमें तो याद ही है। आज उनके न रहने पर यह वाकया आपकी यादों की पोटली में भी दर्ज करने को मन उद्यत है। 28 साल हम हिंदुस्तान में अपनी सेवा देकर पिछले साल फरवरी में रिटायर हुए। 26 साल हिंदुस्तान में रायबरेली में ही सेवाएं दी। कोई 15 साल पुरानी बात है। तब नवीन जोशी जी स्थानीय संपादक थे। खबर थी पूर्व मंत्री (अब स्मृतिशेष) दल बहादुर कोरी ने विधायक रहते हुए दसवीं की परीक्षा अच्छे नंबरों से पास की। यह खबर, फ्रंट पेज पर बॉक्स आइटम में तीन कॉलम में बाइलाइन छपी। पत्रकारों के लिए बाइलाइन खबर एक खास रिवॉर्ड है। खाना मिले ना मिले बाइलाइन लाइन खबर जरूर मिले। लखनऊ एडिशन में भी इस खबर को हूबहू जगह मिली। फ्रंट पेज पर बाइलाइन खबर को लेकर मन ही मन लड्डू फूट ही रहे थे के सुबह 8 बजे एक अपरिचित नंबर से कॉल आया। कॉल रिसीव करते ही आवाज गूंजी- गौरव, मैं के. विक्रम राव बोल रहा हूं...। एक अच्छी खबर के लिए तुम्हें बधाई, हमने नवीन से तुम्हारा नंबर लिया। उनके 'नवीन' हमारे तब भी आदरणीय थे और आज भी। उनसे पत्रकारिता के जरूरी टिप्स समय-समय पर हमें ही क्यों हिंदुस्तान में कार्यरत सभी पत्रकारों को समय-समय पर मिलते ही रहे। तब संपादक सिखाते थे और अब केवल टोकते। के विक्रम राव जी का नाम ही काफी था। हमने फोन पर ही प्रणाम किया और आगे भी आशीर्वाद बनाए रखने की कामना-प्रार्थना की। हमारे व्यक्तिगत और हमारी पत्रकारिता के जीवन में वह दिन यादगार था, है और रहेगा भी। हमने तुरंत नंबर सेव किया। वह दिन और आज का दिन, जब-कब बात भी होती रही। उनसे मिलने का मन अक्षर करता ही रहता था पर व्यस्तता ने यह साध पूरी नहीं होने दी। वैसे व्हाट्सएप उनसे रोज मिलने का जरिया था ही। ज्यादा उनकी तरफ से और कभी-कभार मेरी। आज, फेसबुक पर किसी की पोस्ट देखकर सहसा विश्वास ही नहीं हुआ। अभी कल ही उन्होने एक लेख भेजा था। मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात का प्रसंग भी एक दिन पहले साझा किया था। वह ऐसे पत्रकार थे, जिन्होने जेल में भी दिन गुजारे। यातनाएं भी सहीं। जीवन के आखिरी क्षण तक सक्रिय रहते हुए जीवन को अलविदा भी कह दिया, जैसे कभी आपातकाल में संस्थागत पत्रकारिता को कहा था..। पत्रकारिता के ऐसे अप्रतिम पुरोधा को कोटि-कोटि नमन। ईश्वर उन्हें अपनी चरण-शरण में लेंगे ही, हमारी प्रार्थना तो बस औपचारिकता ही होगी।

## मौत का प्याला

पूरे भारत में अवैध शराब विषाक्तता की बारंबार होने वाली घटनाएं - जिन्हें मीडिया की खबरों में अक्सर कच्ची शराब त्रासदी या नकली शराब कांड के रूप में वर्णित किया जाता है, गरीबी, लालच और नियामकीय विफलता के बहुत ही जाने-पहचाने पैटर्न का अनुसरण करती हैं। सबसे हालिया घटना पंजाब के अमृतसर के पास की है, जिसने कम-से-कम 23 जिंदगियों को लील लिया। प्रत्येक त्रासदी पिछली वाली से अजीब किस्म की समानता रखती है, चाहे वह पीड़ितों के सामाजिक-आर्थिक स्तर के लिहाज से हो या अपराधियों को ऐसा करने का हौसला मिलने के लिहाज से। पीड़ित अमूमन गरीब, दिहाड़ी खटने वाले होते हैं, जो रोज की हाड़तोड़ मेहनत की कठोर सच्चाई से राहत खोज रहे होते हैं। वे सस्ती शराब की लालच में फंस जाते हैं और उनकी इस कमजोरी का फायदा वो शराब तस्कर उठाते हैं, जो एक लंबी आपूर्ति श्रृंखला के आखिरी सिरे पर होते हैं। अवैध शराब बनाने में अक्सर खतरनाक आसान रास्ते अख्तियार किए जाते हैं, जिनमें मरे हुए बिच्छू जैसे जहरीले पदार्थ मिलाने से लेकर औद्योगिक मेथनॉल को हल्का करके इस्तेमाल करना शामिल है। मेथनॉल एक जहरीला रसायन है, जो एकदम पीने लायक एथेनॉल जैसा लगता है। आसानी से चुराए जा सकने और सस्ता होने के कारण यह शराब तस्करों के लिए मुनाफाखोरी का जानलेवा स्त्रोत बन जाता है। इसे हल्का करने में गलती के घातक नतीजे होते हैं। शराब तस्करों, पुलिस और निचले स्तर के राजनीतिज्ञों के बीच गठजोड़ अक्सर साफ नजर आता है। हालांकि पंजाब में पुलिसिया लापरवाही के चलते निलंबन हुए हैं, लेकिन इन घटनाओं का ज्यादा ताल्लुक मेथनॉल की संगठित चोरी से है, जिसमें शराब तस्कर केवल अंतिम छोर के कारिंदे होते हैं। मेथनॉल पेय पदार्थ नहीं है; यह औद्योगिक अल्कोहल है, पेट्रोकेमिकल उद्योग में एक मध्यवर्ती है, जिसका तेल उत्पादन के बाद की प्रक्रियाओं में व्यापक इस्तेमाल होता है और इसलिए कच्ची शराब में बतौर एक घटक के अलावा यह अवैध नहीं है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

# Universe: What it means to be a saint

Saints are an integral part of all religions. They are conduits through whom the divine power reveals itself. A saint is one who has eliminated his base passions by diligent worship and altruistic deeds. He has a direct vision of God. The Jews call them Hasid or tsaddiq, the Zoroastrians call them fravashi, the Hindus sanyasi or sant, the Jainas and the Buddhists call them sadhu, arahant, or Bodhisattva. They are known as waily in Islam, in Taoism as sheng-jen, and in Shintoism as kami.

Being moral, intellectual and emotional are the characteristics of a saint. Discipline, asceticism, sacrifice, chastity and self-control are their moral qualities. Contemplation on the self, the phenomenal world, and ultimate reality are their intellectual qualities. Unqualified universal love that redeems and welfare of all without discrimination are their emotional attributes.

A saint readily and gladly helps devout seekers of the Supreme Being. Saints are extraordinary people with extraordinary powers. Their life extends to eccentric boundaries. They ignore the prevalent social conventions and traditions.

They 'dwell eternally with God'. In fact, there is no difference between God and a saint. As Janabai says in her verse couplet, abhanga 250: "Santa is God/and god is santa/Jani says,/The difference is only in the name."All saints engage themselves in service to others, constant prayer, reading from scriptures, preaching sermons, alms-giving and ascetic practices, compassionate acts, self-denial, and generosity.A saint is a jivanmukta, who, according to Bhagavadgita 6.3 and 6.4, neither desires nor hates anything... he is liberated from the bonds of material energy. He is neither attached to sense objects nor actions. He is the one who has renounced all cravings for all actions and their fruits. He accepts both positive and negative outcomes with equanimity.A saint renunciates all kamya karmas — works related to acquisition of wealth, progeny, prestige, status, power, etc. However, he continues to perform the nitya karmas — the essential deeds for the maintenance of the body. According to Bhagavadgita, 6.1, a saint performs an action as his duty without caring for its result. He performs his action for its own sake. He is the one who has given up not only all his desires, but also all his expectations.

Baudhayayana Dharamsutra, II.10.17.2, prescribes major and minor vows that a saint ought to follow. The major vows are: abstention from injuring living beings, truthfulness, abstention from appropriating the property of others, and abstention from sex and other worldly pleasures. The five minor vows are: abstention from anger, obedience towards the guru, avoidance of rashness, cleanliness, and purity in eating.

The motivation, the guiding maxim of a saint, is his as well as everyone else's spiritual growth. For him, there is no other. He is an ardent follower of the Upanishadic principle — I am Brahman, so are you.As a consequence, his behaviour, as BG 18.27 asserts — he becomes non-covetous, non-violent, pure, unmoved by joy and sorrow. His actions are free from raga and dvesha — attachment and avarice, and his intention is invariably authentic.

A saint, according to Sant Kabir, is "truly brave" because true bravery does not lie in fighting with arrows and swords, but in renunciation and living an authentic life.

# Declaring ecocide as crime against humanity

**Like homicide or genocide, ecocide too involves killing, but on a planetary scale**

First, the context. It's not working. The planet is headed for Armageddon in this century itself if we continue with our present unsustainable lifestyles. The Paris Accord redline of 1.5° C temperature increase has been breached, CO2 levels have gone up by 125 per cent above pre-industrial levels and at 425 ppm are approaching the survival limit of 450 ppm. The last three years were the hottest in recorded history; Himalayan glaciers are expected to disappear by the end of the century, causing unimaginable water shortages for a quarter of the world's population; thousands of species are going extinct every year. The planet cannot live with this depredation for very much longer.One of the main reasons for this impending calamity is the humongous scale of deforestation. Global Forest Watch has reported that 10 million hectares of forest are felled every year globally; that is, 100,000 sq km or twice the area of Himachal Pradesh. Between 2001 and 2023, we have lost 408 million hectares of forests to development, farming and logging, losing also a CO2 sequestration capacity of 204 giga tonnes. And this cuts across countries, as governments look for short-term economic gains and multinationals plunder natural resources with impunity.The regular Conference of the Parties (COP) meetings are exercises in futility. Just consider a few of the most recent rapacious examples of environmental bloodletting — 30 per cent of the forests in the Amazon basin have already been lost to mining and logging. And yet, Ecuador has finalised plans to auction 3 million ha of the Amazon forests for mining. The bombing of the Kakhovka dam in eastern Ukraine in 2023 by Russia released 18 cubic km of impounded water and devastated hundreds of square kilometres of the natural environment and habitats.Indonesia is in the process of implementing the largest deforestation project in the world: 30,689 sq km of the third largest rain forest is being cleared to grow sugarcane (for ethanol and food crops). This will completely shatter the biodiversity of the region. Hundreds of thousands of hectares of virgin forests have been deforested in Indonesia, Malaysia and Papua New Guinea for palm oil plantations. WWF has estimated that wildlife populations (including marine life) have declined by 70 per cent in the last five decades.India, as befits a country at the bottom of the Environmental Performance Index, is one of the worst plunderers of forests. Notwithstanding the regular fudging of reports and statistics, the government's own admission in Parliament indicates that 1,73,000 hectares of forests were diverted for non-forestry activities in just the last 10 years. According to Global Forest Watch, the country has lost 2.33 million ha of forests between 2000 and 2024; the State of the Forest Report for 2022 notes that between 2015 and 2021, 31,36,700 ha of dense forests have degraded to open or scrub categories, and 9.4 million trees have been felled for road, mining, hydel and other projects. And this onslaught on biodiversity goes on relentlessly with approved projects such as the Great Nicobar terminal, the Kancha Gachibowli in Hyderabad, destruction of 9,000 mangroves for a Mumbai Coastal Road project,

the Char Dham NH, a special road to Rishikesh (at a cost of 33,000 trees) for Yogi's Kanwariyas, the iron ore mining project in Sanders forest of Karnataka which will result in the removal of 99,000 trees, a pumped storage project in the Shahabad forests of Rajasthan's Baran district which will fell more than 100,000 mature trees. It is a never-ending and heart-breaking list of environmental apocalypse.This level of environmental massacre and extinction of biodiversity is, in a way, worse than genocide because it affects not just one or two communities but the entire planet. Temperatures, CO2 levels and biodiversity loss do not recognise political, ethnic or national frontiers. And these effects persist not for just a generation or two, but for thousands of years. It is now beginning to be recognised by scientists, naturalists, climate activists and even politicians that such actions amount to a crime against humanity, and a new word has been coined to describe them — ecocide.Ecocide is another variant of homicide or genocide because it too involves killing, but on a planetary scale. It can be defined as "unlawful or wanton acts committed with the knowledge that there would be a severe and widespread and long-term damage to the environment caused by these acts". In 2024, Vanuatu, Fiji and Samoa proposed that ecocide be recognised as a crime by the International Criminal Court. They argued that it should be added as the fifth crime in the Rome Statute, along with genocide, crimes against humanity, war crimes and the crime of aggression. It is no coincidence that these three South Pacific nations would be the first to be submerged by rising sea levels as a result of climate change.

Many countries already have laws against environmental destruction, but these are ineffective as large-scale ecocide is usually committed by the governments themselves. The calamitous effects extend far beyond borders. That is why an international law or covenant is needed to hold them to account or to dissuade them. The same logic applies to large multinationals, which are mostly immune from nation-specific laws because of their spread and influence.

Covenants, treaties, conferences have not worked. The time has perhaps come to punish nations and leaders who continue to be irresponsible. We cannot allow leaders and corporates, without any vision and driven by material lust, to, in the words of Mahatma Gandhi, "strip the world bare like locusts". As Ronald Reagan said: "If you can't make them see the light, let them feel the heat." Ecocide must be recognised as the worst crime against humanity.

# Talking to Taliban

**It should not be seen as an endorsement of the regime, but a calibrated engagement focused on regional security**

When the Taliban took over Afghanistan in August 2021, India responded with caution. A few days into the takeover, New Delhi withdrew its ambassador and diplomatic staff from Kabul and suspended direct engagement. Realising that a stringent no-talk policy was impractical, India started to gradually open channels of communication. The reopening of the Indian embassy in June 2024 was followed by a public meeting in January this year between Foreign Secretary Vikram Misri and Afghanistan's acting Foreign Minister, Amir Khan Muttaqi, in Dubai. Amidst these developments, since August 2021, India has been regularly delivering wheat, pesticides, medical supplies and other forms of aid. Even in the Union Budget for 2024-25, there was an allocation of Rs 100 crore for assistance to Afghanistan.

The first-ever ministerial-level conversation between External Affairs Minister S Jaishankar and Muttaqi on Thursday should be seen as the next logical step in the incremental outreach by both countries. The phone call took place days after the India-Pakistan ceasefire following the Pahalgam terror attack, which was unequivocally condemned by the Taliban regime.

Traditionally, Delhi and Kabul have had warm ties, barring the years of Taliban 1.0 (1996-2001), when India saw it as a proxy for Pakistan's strategic interests.

But relations between the Taliban and Pakistan have been deteriorating rapidly, primarily driven by issues over the Tehrik-i-Taliban Pakistan, operating along the Afghan-Pakistan border.

Realising that it does not have a hold on the Taliban any more, Rawalpindi has been trying to drive a wedge between India and Afghanistan. In a post on X, Jaishankar welcomed Muttaqi's "firm rejection" of Pakistan's "recent attempts to create distrust between India and Afghanistan through false and baseless reports" — a reference to reports in Pakistan that Indian missiles had hit Afghanistan during Operation Sindoor. Amid a widening rift between Taliban 2.0 and Pakistan, India needs to keep communication lines open and prevent Afghanistan from becoming a sanctuary for anti-India terror groups.

There is no denying that the Taliban continues to be an autocratic regime with little regard for human rights, especially the rights of women. That is why India is yet to recognise the Islamic Emirate of Afghanistan. Indeed, increased engagement risks undermining India's moral stand. But to not engage at all carries risks, too. China has signed significant investment and security agreements with the Taliban, including a $540-million oil extraction deal.

Within the power politics of South Asia, given the China-Pakistan-Bangladesh axis, a Kabul-Beijing entente would be a matter of concern. India does not have the power to alter Afghan politics and society, but it has to deal with whoever sits in Kabul.

**ICYMI #Tribune Opinion: India resets the new normal; ceasefire against Pakistan just a pause if it doesn't behave**

# As PM Modi gets tough post-Pahalgam attack, experts debate sustainability of treating terror as war and the risks of escalatory doctrine

Late last week, the India-Pakistan hostilities ceased after India hit Pakistan's air bases, making the Pak DGMO beg for a ceasefire. Later, giving a clear message to Pakistan, Indian PM Narendra Modi warned that talks, trade and water will not be discussed till terror originating from Pakistani soil ends.After decades of attempts at every possible approach to hold Pakistan accountable for acts of terrorism, India had reached a point where an aggressive shift in policy became inevitable. Now, a new normal has been established by PM Modi. As per this new normal, this ceasefire is not an end but a pause to Operation Sindoor and the terms and conditions have been laid down, writes Jawed Ashraf in his article 'Not going back from the new normal'.

However, in her Op-Ed piece, 'The hyphen stays between India and Pak', senior journalist Nirupama Subramanian brings to the fore that the 'new normal' of treating every terror attack as an 'act of war' is unsustainable in the long run. Next time, Delhi's friends would want to see concrete evidence of Pak involvement before India retaliates. The danger is that we have handed the levers to trigger an India-Pakistan conflict to the adversary with the act of war pronouncement, she writes.From India's policy shift to the core contradictions in the West's response to terror, Lt Gen SS Mehta (retd) writes in his Op-Ed piece 'To win the war before the war' that when it hurts the West, it calls it terror but not otherwise. Now India has rewritten the rules of the game, which is to win the war before the war. This is the new norm in the escalatory ladder.Meanwhile, super cop Julio Ribeiro complimented the prime minister in his article, 'PM Modi has come up trumps' with the way he handled the situation after the Pahalgam attack. But he also had a word of advice for the PM -- he would have to win the hearts of the locals, all of whom are not extremists -- to end terrorism in J&K.Unlike Ribeiro, in a critique, former Ambassador to Iran and UAE KC Singh has pointed out that if the dialogue process with Pakistan, based on the Gujral doctrine, failed, so has the post-2019 Modi doctrine. The Pahalgam attack meant that

deterrence like the Balakot strikes, constitutional changes in J&K, et al failed. And Pakistan would often hint that terrorism would end if India ceded Kashmir. Now, India has a matching card—you will get Indus waters once terror ends.Amongst all the discussions on the post-India-Pak flare-up, later in the week one good thing happened and that was the meeting of External Affair Minister S Jaishankar with Taliban Foreign Minister Amir Khan Muttaqi. And to top it all, India did that openly without unduly bothering about what the world would say. So, the story of how India won over the Taliban is perhaps the most fascinating of all, this week, writes The Tribune Editor-in-Chief Jyoti Malhotra in her weekly column The Great Game 'Three morals and a Trump story'.Shifting focus from the battleground to the digital frontlines, we saw the social media warriors armed with half-facts and half-lies during the standoff. Yashwant Deshmukh and Sutana Guru in their article 'Social media warriors join ranks of useful idiots', took the shameless social media warriors to task who blatantly trolled Foreign Secretary Vikram Misri while he was working round the clock handling the fallout of Operation Sindoor. Also bearing the brunt was Himanshi Narwal, all of 22, newly married and tragically widowed in the Pahalgam attack. All she had done was ask fellow Indians not to target an entire community in the aftermath of the Pahalgam attack. And immediately.

# Supreme Court dismisses Vodafone-Idea, Airtel writ petitions seeking AGR interest waiver

**CHENNAI.** The Supreme Court on Monday (May 19) dismissed a writ petition filed by telecom companies Vodafone Idea (Vi) and Bharati Airtel, challenging the Department of Telecommunications' (DoT) calculation of Adjusted Gross Revenue (AGR) dues, legal news portal Bar & Bench posted on its X handle.The companies had sought a waiver of interest and penalty components associated with its AGR liabilities. The court's ruling upholds the financial obligations levied on Vi, stemming from a protracted legal battle over the definition and calculation of AGR, which includes license fees and spectrum usage charges owed to the government.AGR is a metric used to determine the revenue that telecom operators must share with the government in the form of spectrum usage charges or licensing charges.

Vodafone filed its petition seeking the interest waiver on AGR early last week, and followed by Bharti Airtel on Friday.The dismissal of the curative petition has significant financial implications for Vodafone Idea. Currently, Vi's AGR liabilities reportedly amount to ₹70,320 crore, a substantial burden on the company's financial health. The company's debt profile is also at precarious level. As of the first quarter of FY25, Vodafone Idea reported a total debt of ₹2.09 trillion, which includes deferred spectrum charges and AGR dues .Financial strategists project that Vodafone Idea's debt repayment obligations will commence in FY 2026, with negative cash flow expected to persist until financial year 2031.

**Market Reaction**

The market responded sharply to the Supreme Court's decision. Vodafone Idea's shares fell by 8.96% on Monday (at 1.48 pm) following the ruling, reflecting investor concerns over the company's growing liabilities.Brokerages have expressed caution, with some firms maintaining a 'Sell' rating on Vodafone Idea's stock, citing the company's financial challenges and the AGR issue .

The Supreme Court's decision also has broader implications for the Indian telecom sector.

The ruling reinforces the government's stance on revenue sharing from both telecom and non-telecom activities, potentially leading to further financial distress for cash-strapped companies in the sector.

Vodafone Idea, in the petition, emphasised that banks are hesitant to lend to the company, with some institutions reconsidering their support due to the unresolved AGR issue and the company's financial situation.In light of the Supreme Court's decision, Vodafone Idea has expressed its intent to seek government intervention to manage its debt burden. The company maintains that its AGR curative petition had significant merits and continues to explore solutions.

## Candidate held 141 jobs in seven years in India's wildest moonlighting case, says EPFO data via OnGrid

**BENGALURU.** According to verified data from the Employees' Provident Fund Organisation (EPFO), one candidate has done 141 jobs in just seven years, reveals background verification platform OnGrid.On Monday, it flagged one of the most extreme cases of moonlighting that was witnessed in the country. Through its Employment History Check (EHC) solution, OnGrid identified the candidate who had 141 overlapping employment records.

Moonlighting means employees having a second job or side gig alongside their main employment. During Covid period, the moonlighting issue ignited several debates and IT companies such as Infosys and Wipro had warned their employees, saying "no double lives".

OnGrid said between 2018 and 2021, the candidate was simultaneously employed by up to 10 organisations at once, without a single day's gap between roles.

In 2020, while the world grappled with layoffs and employment uncertainty, this individual clocked 50 new jobs, switching between start-ups, large enterprises, and MNCs, the background verification platform added."As remote work, freelancing, and hybrid models become the norm, employment risks are also evolving. Traditional background checks are simply not enough anymore," said Piyush Peshwani, Co-founder & CEO, OnGrid."This case is a wake-up call. It underscores why reliable employment history verification like our EHC is now indispensable for modern hiring."

## Indian markets open on a cautious note; Sensex down 123.31 points

**CHENNAI.** Indian equity markets opened on a cautious note today, with the Sensex declining by 123.31 points (0.15%) to 82,207.28 at 9:16 AM, following an opening at 82,354.92. The Nifty 50 traded flat at 25,024.40, reflecting a subdued investor sentiment amid weak global cues.

The GIFT Nifty, an early indicator of market sentiment, was trading at 25,070, signaling a flat opening for Indian markets. Analysts anticipate moderation in the current "pullback" rally, with market focus shifting towards domestic earnings and high-frequency economic data for directional cues. Updates on global trade deals and their impact on global markets will also be closely monitored. According brokerage ICICI Direct, market participants will continue to track foreign capital flows, which have played a significant role in sustaining the current rally,

**Key Market Drivers**

Global cues: Asian markets are trading lower, which may weigh on Nifty 50 and Sensex.Foreign Portfolio Investment: Foreign portfolio investors (FPIs) have been net buyers in recent sessions, contributing to market support.Sectoral Performance: IT stocks are among the top drags, while financial stocks are providing some support.

**Stocks to Watch**

Gensol: The company is in focus due to recent developments.

Delhivery: The logistics firm is seeing increased investor interest.

Dr. Reddy's Laboratories: The pharmaceutical company is under scrutiny following recent news.

**Outlook**

Market participants are advised to remain cautious and monitor developments closely. With no major global or domestic events scheduled, market focus is expected to shift towards domestic earnings and high-frequency economic data for directional cues.

## Once earning Rs 1.28 crore, metaverse engineer now sidelined by AI and delivering food

**New Delhi.** Just a year ago, Shawn Kay, was earning around Rs 1.28 crore a year as a metaverse engineer in the US. Today, the 42-year-old lives in a small trailer in New York and delivers food to survive.Kay has worked in tech for 20 years. He was involved in virtual reality, web development and artificial intelligence. But after being laid off in April last year, things took a turn for the worse. The metaverse boom faded and jobs in that space dried up, especially with the sudden rise of AI tools like ChatGPT.

Despite trying for 800 roles, he's barely had 10 interviews, and many were with automated systems, not people.Since losing his job, Kay has applied to over 800 positions. But he barely had 10 interviews, and many were with automated systems, not people.

Despite his struggles, Kay still has faith in AI. He believes it holds great potential but feels companies are misusing it by replacing skilled workers instead of supporting them.He doesn't see his experience as isolated. He cautions that by laying off talent to reduce expenses, companies may be hurting their long-term potential as well as their ability to grow and evolve.

With his savings drying up, Kay is thinking about taking up short courses or getting a commercial driving licence to start earning again, but the high cost of upskilling is holding him back.His story is a sign of how fast the tech world is changing. And for many like Kay, keeping up feels harder than ever.

## Brent crude slips below $65: These stocks may benefit investors

**New Delhi.** Brent crude oil prices have dropped below $65 a barrel, raising fresh questions about the state of the global oil market and the potential impact on related stocks.On Monday, Brent futures for July delivery were trading at $64.98 a barrel, down 0.66%. This is a steep fall from January, when prices were above $80 a barrel.The sharp decline has been linked to several global developments.

Analysts say demand has weakened due to uncertainty caused by possible trade tariffs. At the same time, output from the Saudi Arabia-led OPEC+ group has gone up, even though the market is already seeing more supply than demand.

There is also the possibility of more oil coming from Iran. If the United States removes sanctions, Iran could add 0.5 million barrels per day (mmbpd) to the global supply. This is a big shift from earlier expectations where a tightening of sanctions could have cut Iran's supply by 1 mmbpd.

Amid this changing situation, brokerage JM Financial believes Brent crude is unlikely to stay below $70 for long.

It advised investors to consider buying shares of ONGC and Oil India. According to the brokerage, the current stock prices of these companies reflect a net crude realisation of only $55–60 per barrel. JM Financial is also confident about the production outlook for both companies, which is expected to grow by 15–25% over the next 1–3 years.

The brokerage also said that lower oil prices could help oil marketing companies (OMCs) like BPCL, HPCL, and IOC. These companies might see better profit margins on auto fuels such as petrol and diesel. However, JM Financial warned that such gains may not last. If crude prices stay low for a longer time, the government may increase excise duty or reduce retail fuel prices, which would lower the margins again.

## 'High salaries may not last forever': Zoho's Sridhar Vembu warns software engineers

**New Delhi.**Sridhar Vembu, Zoho's CEO, recently cautioned software engineers regarding their job security and salaries ahead.He wrote on X, "I have often said this to our employees: the fact that software engineers get paid better than mechanical engineers or civil engineers or chemists or school teachers is not some birthright, and we cannot take that for granted, and we cannot assume it will last forever."

Vembu reminded everyone that earning high salaries is not a guaranteed right, unlike other professions like mechanical engineers, civil engineers, chemists, or school teachers who generally earn comparatively less and pointed out that the high pay software engineers enjoy today could change quickly."The fact that customers pay for our products also cannot be taken for granted," he added. "This is to remind ourselves that we can be "disrupted" - and the more we assume we won't be, the more likely we will be."The CEO also stressed that customers paying for software products is not something to be taken for granted either. Everyone's career can face sudden disruptions.

He quoted Andre Grove, the co-founder of Intel, saying, "Only the paranoid survive."

Vembu explained that the upcoming changes in software development, especially with large language models (LLMs) and new tools powered by artificial intelligence (AI), might lead to many software jobs being lost.While this idea may sound worrying, Vembu believes it's important for everyone to understand and accept it.

His views match a recent report from the International Monetary Fund (IMF) published in January 2024. The IMF said that about 40% of jobs worldwide could be affected by AI. Unlike earlier automation that mostly took over simple, routine tasks, AI is now threatening even high-skilled jobs, especially in richer countries.

According to the IMF, nearly 60% of jobs in advanced economies might face AI's impact. Some workers might benefit from new tools that make them more productive, but others could see fewer job opportunities, lower pay, or even lose their jobs entirely. The report warned that in the worst cases, some jobs may disappear completely.

## Why investing regularly and staying invested matters

**New Delhi.** In a country where economic growth and corporate profits are growing steadily, you need to align your long-term investments to benefit from that growth. A regular, systematic investment plan in a diversified equity mutual fund over 20 years can easily take care of your retirement. The catch is that you cannot touch this money and withdraw just because you can.

Atul Bhole is a renowned fund manager at Kotak Mutual Fund. He revealed a fascinating insight into the journey of a 20-year-old mutual fund scheme he managed. He talked about it in a podcast on YouTube. The scheme generated a compounded annual growth rate (CAGR) of 18%. The most important thing he said was that only 23 investors stayed invested for that period. Everybody else came and went. The average return for investors who did not stay invested for 20 years was only 7.5%. The story pretty much narrates the importance of investing regularly and staying invested. It also explains the cost of being fickle when investing. The difference is significant when you look at the span of the investment.

A Rs 5,000 per month investment in the equity fund over 20 years would have created a pool of nearly Rs 1 crore at 18% CAGR. The 23 investors managed to create that wealth for themselves. If they had been smart enough, they would have used the step-up option, which allows you to add more money to the existing systematic investment plans.

Your retirement should not be considered a burden for your 40s and 50s. A simple path shown by the diversified equity fund would help you achieve your financial goals without hurting your finances. You could create a moat if you contribute small amounts in your 20s and increase them in your 30s, 40s and 50s. In old times, forts used to be protected by a water body around to stop the enemy from easily entering it. Your savings could have created that moat for you in your 40s if you started in your 20s and 50s if you started in your 30s.

The emergence of the National Pension System (NPS) is an opportunity for those who are conservative and unhappy to take risks by investing through mutual funds. A defined contribution scheme allows you to benefit from market-linked returns with a maximum equity allocation of up to 75%. In such a situation, you could have made a 13-14% return annually since the inception in 2009 if you stayed invested, according to the NPS Trust data. Salaried individuals contribute money to their retirement and then can buy an annuity to pay themselves a pension. There is a facility for employers to pay for their employee's retirement too. In an employee provident fund, the government guarantees a return of 7-8%. In an NPS, there is no such guarantee. You benefit from the upside in the market if you allocate more to equity assets.

# Dr. Reddy's Labs stock in focus amid FDA inspection report, Q4 results

**FDA observations in the inspection report typically lead to a temporary suspension of product distribution from the respective facility until the noted deficiencies are resolved to the regulator's satisfaction.**

**CHENNAI.** Shares of Hyderabad-based drug maker Dr. Reddy's Laboratories Ltd. are in the spotlight today following a regulatory update from the US Food and Drug Administration (FDA) and the announcement of the company's January–March quarter and full-year (2024–25) financial results.As of 10:40 a.m. on Monday, the company's shares were trading at ₹1,229.20 on the NSE, down 0.12%.

**Regulatory Development**

In a recent regulatory filing, the company—India's sixth most valued drug maker in terms of market capitalisation—disclosed that the FDA issued a Form 483 with two observations following an inspection of its active pharmaceutical ingredient (API) facility in Middleburgh, New York. The inspection was conducted from May 12 to May 16, 2025.

"We have received a Form 483 with two observations, which we will address within the specified timeline," the company stated in its stock exchange filing.

A Form 483 is issued at the conclusion of an FDA inspection when investigators observe any conditions that may violate the Food, Drug, and Cosmetic (FD&C) Act. Such observations can lead to a temporary suspension of product distribution from the facility until the noted deficiencies are resolved to the regulator's satisfaction. While the specific nature of the observations was not disclosed, the company's assurance of timely remediation suggests that the issues are manageable, industry analysts say.

**Financial Performance**

Dr. Reddy's reported robust financial results for the final quarter of the 2024–25 fiscal year, reflecting resilience and growth across its global operations. Consolidated net profit rose 22% year-on-year to 1,594 crore.Revenue for the quarter stood at 8,506 crore, marking a 20% increase from 7,083 crore in the same period last year.

The board has recommended a final dividend of 8 per equity share (face value 1) for the 2024–25 financial year.

Management attributed the growth in revenue and profit to successful product launches, increased contributions from key products in the US, and the integration of the recently acquired NRT business.Co-Chairman and Managing Director G.V. Prasad stated in the company's earnings release that Dr. Reddy's achieved double-digit growth across its businesses.

"We will continue to strengthen and grow our core businesses through portfolio management and operational excellence, while pursuing strategic partnerships and inorganic growth opportunities," Prasad added.

# "Damage Control": Congress' Jairam Ramesh On All-Party Delegations

**The all-party delegations will project India's national consensus and resolute approach to combating terrorism in all forms and manifestations.**

**New Delhi.** Congress General Secretary in charge of Communications, Jairam Ramesh, on Monday criticised the Central government, describing the decision to send a delegation to key partner countries as a 'damage control' effort.Mr Ramesh claimed that India's 'Vishwa Guru' image has taken a hit following tensions with Pakistan.He further argued that the delegation's visit to key partner countries to highlight India's ongoing fight against cross-border terrorism and Operation Sindoor would have been more appropriate if it had come after an all-party meeting chaired by Prime Minister Narendra Modi.

"...Congress party believes that an all-party meeting should have been done before this and PM Modi should have chaired the meeting...Our second demand was to hold a special session of the Parliament to discuss the issues of the relationship between China and Pakistan," Mr Ramesh told ANI."If this delegation had gone after this, then it would have made a lot more sense...You are sending 7 delegations now, but what is the difference that it is going to make? Our narrative has already gotten worse. Pakistan and India are again being compared...The narrative of 'Vishwa Guru' has also gotten worse," the Congress Rajya Sabha MP added.Mr Ramesh further criticised the government for omitting three of the names recommended by the party for the all-party delegation."This delegation is going for damage control. We have been saying that we need to stay united, and we are standing with our armed forces like a rock. We have said that Operation Sindoor is a historic operation, but PM Modi does not speak with the LoP or the Congress President. They ask us to give names. When we gave 4 names, they picked only one of them and added names on their own. What type of politics is this?" he added.The all-party delegations will project India's national consensus and resolute approach to combating terrorism in all forms and manifestations. They would carry forth to the world the country's strong message of zero tolerance against terrorism.According to Congress, the party had submitted four names to the Minister of Parliamentary Affairs by May 16, but the final list released late on May 17 included only one of the suggested names.The list includes MPs from multiple parties, divided into seven groups of 8-9 members. A leader has been assigned for each group, who will lead the delegation at a global level.

## After Haryana YouTuber, UP Businessman Arrested For Spying For Pakistan

**New Delhi.** A businessman in Uttar Pradesh's Rampur has been arrested for allegedly spying for Pakistan, the police said on Sunday. The accused, Shahzad, was arrested by the Uttar Pradesh Police's Special Task Force (STF) from Moradabad following inputs about his alleged involvement in cross-border smuggling and espionage activities for Pakistan's Inter-Services Intelligence (ISI).He was also passing sensitive information related to national security to his handlers, the STF said in a statement.

Shahzad had travelled to Pakistan multiple times over the years and was allegedly smuggling cosmetics, clothes, spices, and other items across the border, the agency said.His illegal trade served as a cover for conducting his covert operations for the ISI, the STF said.

The investigation also revealed that Shahzad used to provide money and Indian SIM cards to the ISI agents in India.The STF claimed he also used to send people from the Rampur district and other parts of Uttar Pradesh to Pakistan to work for the ISI."The visas of these people were arranged by the ISI agents," the agency said.

**YouTuber Jyoti Malhotra Arrested For Spying For Pakistan**

Shahzad's arrest comes days after a Haryana-based YouTuber was arrested on the charge of passing on sensitive information to Pakistani intelligence operatives.Jyoti Malhotra, who runs a YouTube channel called 'Travel with JO' and has over three lakh subscribers, was allegedly in contact with a Pakistani staffer working at the Pakistan High Commission in Delhi. On May 13, India expelled that Pakistani official for allegedly indulging in espionage.She also uploaded some videos from her visi to Pakistan -- 'Indian Girl in Pakistan', 'Indian Girl Exploring Lahore', 'Indian Girl at Katas Raj Temple' and 'Indian Girl Rides Luxury Bus in Pakistan' on her YouTube channel.

## 50% of 4K dark spots in Delhi fixed: PWD to police

**NEW DELHI.** In a city where safety dims with the street-lights, a flicker of progress has emerged. The Public Works Department (PWD) has informed Delhi Police that work has been completed at more than 50 per cent of the city's dark spots—areas lacking proper street lighting and considered unsafe, especially at night.

The Delhi Police had identified 4,289 dark spots city-wide, and the PWD told police in a meeting that necessary work has already been finished at 2,800 of these locations, officials said, adding that the remaining sites will be addressed shortly.

It was further clarified that the repair and maintenance of street-lights is a regular, ongoing process. In the meeting, PWD officials also suggested that any street-lights remaining non-functional for 15 days or more be reported so that repairs can be carried out immediately, they added.

A senior police officer said that whenever they come across a dark spot—"an area probably unsafe due to poor lighting"—the police first make an initial effort to resolve the issue on their own. Their first step is to assess whether the problem can be rectified internally. "However, when the matter is beyond the police's capacity or jurisdiction, we contact the concerned authorities and pursue the issue with them," the officer said. Another officer stated that, where crime is a concern in such areas, several steps are taken to address the issue. "If such areas are affected by crime, we increase both foot and vehicle patrols in the vicinity. We also signal our presence with sirens; whenever our personnel pass through dark stretches, they sound their sirens," the officer said.

"We also stay in touch with Resident Welfare Associations (RWAs) and Market Welfare Associations (MWAs) to seek their help. We ask if they can assist us in resolving issues related to these spots. Where possible, we try to cover the entry and exit points with CCTV cameras," the officer added.

# Former UCO Bank Official Arrested In Money Laundering Case

**New Delhi.** The Enforcement Directorate (ED) on Monday said it has arrested former UCO Bank CMD Subodh Kumar Goel on money laundering charges in an alleged bank loan fraud case of more than Rs 6,200 crore linked to a Kolkata-based company.Goel was arrested from his residence here on May 16 in the case being probed against Concast Steel and Power Ltd (CSPL) and others.

He was produced before the special Prevention of Money Laundering Act (PMLA) court in Kolkata on May 17 which sent him to Enforcement Directorate custody till May 21, the federal probe agency said in a statement.The Enforcement Directoratehad raided the premises of Goel and some others in April as part of this investigation.

The money laundering case stems from a CBI FIR related to the sanction of credit facilities to CSPL and subsequent large-scale "diversion" and "siphoning" of loans amounting to Rs 6,210.72 crore (principle amount without interest).

The Enforcement Directorate claimed that during the tenure of Goel as the CMD of UCO Bank, large credit facilities were "sanctioned" to CSPL which were subsequently "diverted" and "siphoned off" by the borrower group.In turn, it alleged, Goel received "substantial illegal gratification" from CSPL."The illegal gratification was layered and channelled through various entities to give a facade of legitimacy."Investigation revealed that Goel received cash, immovable properties, luxury goods, hotel booking etc routed through a web of shell companies, dummy persons and through family members to conceal the criminal origin of the money," the Enforcement Directorate said.

Goel or his lawyer could not be contacted for a response on the allegations made by the Enforcement Directorate against him.

The agency said several properties acquired through shell or dummy companies have been identified.These shell entities are "beneficially owned or controlled" by Goel and his family members, it claimed."The source of funds of these entities is linked to CSPL. Evidence gathered so far also shows use of accommodation entries and structured layering through front companies for systematic settlement of kickbacks," the Enforcement Directorate said.

## After Bombs And Briefings, India To Blow Whistle On Pakistan's Terror Industry At FATF

**New Delhi.** Following the devastating Pahalgam terror attack and the thunderous retaliation by Indian forces under 'Operation Sindoor', India is no longer in a mood to play nice with Pakistan. With surgical precision and diplomatic clarity, New Delhi is preparing to lay bare the charade of Pakistan's "counter-terrorism" stance before the international community.

Reports suggest that India is set to submit to the Financial Action Task Force (FATF), a global terrorist financing watchdog, a dossier of fresh and irrefutable intelligence that points to a thriving ecosystem of terror camps inside Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir (PoK). This is not just about launching pads or safe houses; this is a full-blown terror industry being nurtured with state complicity.

Despite Pakistan's desperate attempts to whitewash its image and parade its removal from the FATF Grey List in 2022 as a diplomatic victory, India's revelations could push Pakistan right back under the scanner.

The FATF had warned that Pakistan's compliance must be ongoing, especially in preventing financial networks that feed jihadist proxies. Islamabad apparently took that as a suggestion, not a requirement.

The pattern is familiar and damning. Each time Pakistan is grey listed, it trots out half-baked measures, stages symbolic arrests and freezes bank accounts that mysteriously get reactivated once international attention fades.Meanwhile, UN-designated terrorist groups like the Lashkar-e-Taiba and the Jaish-e-Mohammed continue to operate openly under new names, with the blessings of Pakistan's military-intelligence complex.

India's upcoming dossier does not just document locations; it exposes logistics routes, financial conduits and communication channels – everything that connects Rawalpindi's power corridors to the rifle butts in PoK jungles.New Delhi has also redoubled its diplomatic offensive, urging global financial institutions – including the IMF and the World Bank – to rethink their generosity toward a country that uses international aid not for development, but for destabilisation. "You cannot expect peace if you are funding the arsonist," an official sharply said.

# Trinamool Says Centre Can't Decide MPs For Global Outreach, BJP Responds

**The Centre had named Trinamool Congress MP Yusuf Pathan to be part of the seven delegations that will travel to different countries to convey India's message of zero-tolerance against terrorism.**

**New Delhi.** The Trinamool Congress has said that its MP or any other party leader will not be part of the multi-party delegations named by the Centre to tour world capitals to campaign against Pakistan's cross-border terrorism, sources said on Monday.The Centre last week named Trinamool Congress MP Yusuf Pathan to be part of the seven delegations that will travel to different countries to convey India's message of zero-tolerance against terrorism and Operation Sindoor, which was launched on May 7 after a deadly terror attack in Jammu and Kashmir's Pahalgam last month.

We believe that the nation is above all, and we pledged our support to the Union government to take whatever action was needed to protect our great country. Our Armed Forces have made our nation proud, and we are forever indebted to them. Foreign policy is entirely within the domain of the Union government. Therefore, let only the Union government decide our foreign policy and take complete responsibility for it," a senior Trinamool leader said.

Speaking to reporters on Monday, West Bengal Chief Minister Mamata Banerjee, the Trinamool boss, said she didn't receive any request regarding sending a member to the Centre's multi-party diplomatic mission.

"No request came to us. If a request came to us, then we could consider. We are in favour of the country. In the external affairs issue, we have always supported the policy of the Centre. At present, we are supporting the central government's views and actions. They cannot decide the member's name on their own. It is not their choice, it is the choice of the party. If they request me to send someone, we will decide on the name and tell them. It is not that we are boycotting or that we are not going," she said.

Trinamool national general secretary Abhishek Banerjee also spoke to the media about the delegations and said the Centre can't unilaterally decide who will go from which party.

"I am saying this very clearly that whatever decision the Union Government takes, which aims at combating terrorism to protect the national interest of the country, the TMC will stand with the Centre shoulder to shoulder.

We do not have a problem with any delegation going, but which member of our party should go in the delegation is the decision of my party," he told reporters.

## "Mistake Is His Name": Congress Compares Action Against Professor, Minister

**New Delhi.** Opposition parties Congress and Samajwadi Party have slammed the ruling BJP over the arrest of an Ashoka University professor for a social media post on Operation Sindoor and questioned why Madhya Pradesh minister Vijay Shah, whose remarks on Colonel Sofiya Qureshi sparked a row, had not been arrested yet.

In an apparent swipe at the ruling BJP, Samajwadi Party chief Akhilesh Yadav has put out a social media post, ostensibly drawing a parallel between the swift police action against the professor and the sluggish probe against the Madhya Pradesh minister.

Hukmarano ki badzubani par bhi azadi, aur kisi ke sach kehne par bhi giraftari," the Kannauj MP said in a post on X. The lines roughly translate to: "Those in power are free even after speaking ill of others and those who spoke the truth have been arrested."Ali Khan Mahmudabad, associate professor of political science at Ashoka University, was arrested yesterday after two FIRs were registered against him for a social media post on Operation Sindoor, India's counterstrike to avenge the Pahalgam terror attack. The charges include endangering India's sovereignty and integrity, statements conducing to public mischief, deliberate actions aimed at insulting the modesty of a woman and promoting enmity between different groups on grounds of religion.

Renu Bhatia, chairperson of Haryana State Commission for Women, filed one of the complaints against Mr Khan. Referring to the government choosing Colonel Sofiya Qureshi and Wing Commander Vyomina Singh for the Operation Sindoor briefings, the professor had said he was happy to see right-wing commentators applauding the Colonel. "... but perhaps they could also equally loudly demand that the victims of mob lynchings, arbitrary bulldozing and others who are victims of the BJP's hate mongering be protected as Indian citizens. The optics of two women soldiers presenting their findings is important but optics must translate to reality on the ground otherwise it's just hypocrisy".

## Delhi government rolls out SOP to handle bomb threats in schools

**NEW DELHI.** In compliance with a high court order, the Delhi government has rolled out a comprehensive standard operating procedure (SOP) for managing bomb threats in schools that includes measures like installing CCTV cameras, making evacuation plans and holding regular safety audits & mock drills. The step is significant, as more than 200 schools in the national capital received hoax bomb threats in 2024–25.Designed by the Directorate of Education (DoE), the protocol lays emphasis on a four-tier strategy based on prevention, preparedness, response and recovery. "The SOP aims to instill a culture of preparedness and vigilance while ensuring a swift and coordinated response during emergencies. To maintain transparency and accountability, schools are now required to submit a monthly safety checklist to their respective district authorities," the DoE said.

According to a statement from the DoE, the SOP drafted following directions from the Delhi HC is aligned with national safety guidelines. It takes immediate effect and applies to all schools in the Capital, including government, government-aided, minority-run and recognised unaided private institutions. "Each school must create its own threat management plan tailored to its layout and resources," it stated.

The SOP also emphasised the need for regular safety audits, structured staff training and awareness campaigns to prepare students and parents for possible emergency situations.

The department has instructed all principals and schools to form school safety committees to oversee routine mock drills, ensure that emergency kits are maintained and coordinate on evacuation routes. Further, the SOP has highlighted the need for seamless coordination with emergency services like the Delhi police and fire service."Schools are required to maintain updated building layouts, install CCTV cameras and secure their perimeters to assist police and fire personnel during threat assessments and evacuation," the statement stated. Recognising the unique vulnerabilities of some students, the SOP included clear directives for the evacuation of children with special needs. "Schools must prepare a separate evacuation plan that ensures no child is left behind during an emergency," it stressed.

NEWS BOX

## Joe is a fighter: Kamala Harris, Trump voice support after Biden's cancer reveal

**world.** Former President Joe Biden's office announced Sunday that he has been diagnosed with an aggressive form of prostate cancer that has spread to his bones. The diagnosis sparked an outpouring of support and prayers from leaders across the spectrum, as Biden began treatment for the disease.Biden's office shared that the cancer has a Gleason score of 9 (Grade Group 5) and has spread to his bones. The statement also said the cancer is hormone-sensitive, which means it can be treated effectively.

US President Donald Trump posted on Truth Social, "Melania and I are saddened to hear about Joe Biden's recent medical diagnosis. We extend our warmest and best wishes to Jill and the family, and we wish Joe a fast and successful recovery."

Former Vice President Kamala Harris posted on X, "Doug and I are saddened to learn of President Biden's prostate cancer diagnosis. We are keeping him, Dr. Biden, and their entire family in our hearts and prayers during this time. Joe is a fighter — and I know he will face this challenge with the same strength, resilience, and optimism that have always defined his life and leadership. We are hopeful for a full and speedy recovery."

## Who is Guy Edward Bartkus, FBI's suspect in Palm Springs fertility clinic blast?

**world.** The FBI has named 25-year-old Guy Edward Bartkus as the main suspect in a bombing outside a fertility clinic in Palm Springs, California. The blast occurred just before 11 AM local time on Saturday, killing one person and injuring at least five others. It shook the neighbourhood around the American Reproductive Centre, where couples go for in vitro fertilisation (IVF) treatment.At a press conference on Sunday, Akil Davis, assistant director of the FBI's Los Angeles field office, said, "We are fairly confident that Mr. Bartkus is our primary suspect." He stated that the attack was carefully planned and not random.

Davis added, "The subject had nihilistic ideations, and this was a targeted attack against the IVF (in vitro fertilisation) facility. Make no mistake. We are treating this ... as an intentional act of terrorism."

The explosion happened in or near a car parked close to the clinic.

**FBI PROBES POSSIBLE MOTIVE**

FBI authorities suspect that Bartkus was killed in the explosion that he might have organised. His body was discovered near the wrecked car, a silver 2010 Ford Fusion. Authorities also suspect that he was attempting to broadcast the attack live on the internet at the moment it occurred.

The FBI is currently conducting a search of Bartkus' residence with the court's permission for additional evidence relating to what prompted the attack. "We do not believe that there's an ongoing threat to the public," Davis explained in the press conference. Law enforcement is investigating a potential manifesto that the suspect had written, which may provide some explanation of his actions.US media outlets reported a website contained messages that appeared to be linked to the suspect, in which he laid out a loose argument against human life.

## Pro-EU Nicusor Dan wins Romania presidential election in surprise turnaround

**world.** Romania's centrist Bucharest mayor, Nicusor Dan, won the presidential election, surprising many after a tough race against a far-right rival.

Dan had more than 5.83 million votes with nearly 99% of the total votes counted, giving him an insurmountable lead over hard-right rival George Simion. Exit polls right after the voting suggested he had 54-55%.

**MESSAGE TO SUPPORTERS AFTER WIN**

After the election results were announced, he said in a social media post, "It was an unprecedented mobilisation and, therefore, the victory belongs to each of you. To each Romanian who went to vote, made their voice heard and thus fought for what they believe in, for the country they want and in which they wish to live. Starting tomorrow, we begin the reconstruction of Romania, a united, HONEST Romania, based on respect for the law and for all people."Dan, a quiet mathematician aged 55, made a strong comeback in the last days of the campaign. For weeks, he had been behind George Simion, a far-right politician who supports US President Donald Trump and wants Romania to stop military aid to Ukraine.

Dan has been supporting Ukraine in its war against Russia. He also promised to keep Romania close to the European Union. Romania has helped Ukraine with important military logistics.He said that he expected coalition talks to form a new government to last a few weeks. Speaking to private television station Digi24, Dan said he wanted a new coalition government to include all four centre-right and centre-left parliamentary parties.

Now, Dan has to pick a prime minister to work with parliament on fixing Romania's large budget deficit, which is the biggest in the European Union.After the exit polls came out, Dan told his supporters, "There will be a difficult period ahead. But we must be hopeful and patient to build a strong and healthy society."

# Israel to allow limited food aid into Gaza amid extensive ground operations

**world.**Israel Prime Minister Benjamin Netanyahu's office said it will allow a small amount of food into Gaza, after beginning large-scale ground operations in the north and south of the region.Israel had halted nearly all aid to Gaza since March, prompting fear of famine. Just in the last week, Palestinian health authorities reported that hundreds had been killed by Israeli attacks, including 130 overnight.

"At the recommendation of the IDF (Israel Defence Forces), and out of the operational need to enable the expansion of intense fighting to defeat Hamas, Israel will allow a basic amount of food for the population to ensure that a hunger crisis does not develop in the Gaza Strip," Netanyahu's office said.

The United Nations confirmed that talks are happening with Israel to begin delivering limited aid. "We have been approached by Israeli authorities to resume limited aid delivery," said Eri Kaneko, spokesperson for UN aid chief Tom Fletcher. She added that discussions are ongoing due to the extreme conditions on the ground.

**HEAVY STRIKES CONTINUE, PEACE TALKS STALLED**

The announcement came as negotiations in Qatar between Israel and Hamas remained stalled. The negotiations focused on a potential truce, release of hostages, and offers to stop the war. One proposal involved exiling Hamas leaders and disarming weapons in the area -- something Hamas has already refused before.However, the Israeli army signalled that it could diminish its activities to help in a potential deal. Chief of Staff Eyal Zamir stated troops that the army would assist leaders in achieving the leeway for an agreement.

Over the past week, the Israeli army said it hit over 670 Hamas targets under a new operation called "Gideon's Chariots" and killed dozens of Hamas fighters.

However, Gaza's Health Ministry reported that at least 464 Palestinians died in just one week. "Complete families were wiped off the civil registration record by (overnight) Israeli bombardment," said Khalil Al-Deqran, a spokesperson for the Gaza health ministry.

Gaza's authorities say more than 53,000 people have been killed since the war began, with most being civilians. Two million residents have been forced to flee their homes in Gaza.Israel has cut off food, fuel, and medicine since March to try to push Hamas to free hostages. It has also authorized plans to potentially seize full control of Gaza and oversee aid deliveries directly. Global organisations have warned of the possibility of an impending famine if aid is not permitted to enter.

**QATAR TALKS**

Asked about the Qatar talks, a Hamas official told Reuters: "Israel's position remains unchanged, they want to release the prisoners (hostages) without a commitment to end the war."

# Beaten, starved, isolated: How Australian man survived five years in Chinese prison

**world.** Australian video producer Matthew Radalj spoke publicly about the five horrific years he spent within Beijing No. 2 Prison, a jail notorious for its foreign prisoners. He told of a brutal system of torture, mental coercion, and cruel treatment that started as soon as he was detained in January 2020.

According to the BBC, he was arrested after a dispute with shopkeepers over a phone repair in Beijing. The situation escalated quickly, and Radalj found himself facing criminal charges.

"I was in really bad shape when I arrived. They beat me for two days straight in the first police station that I was in. I hadn't slept or eaten or had water for 48 hours and then I was forced to sign a big stack of documents," Radalj said as quoted by the BBC.

Radalj says he was intimidated into signing a fabricated confession for robbery when he was informed that there was no hope of winning a court case. According to court records, the confession served to shorten his sentence to four years.

**LIFE INSIDE CHINESE PRISON**

Before entering the prison, Radalj spent months in a detention centre where hygiene was nearly impossible to maintain. "We were banned from showering or cleaning ourselves, sometimes for months at a time... waste from the toilets above would constantly drip down on to us," he said.

Upon arrival in Beijing No. 2 Prison, he was put in cramped cells with prisoners from around the world. The rooms were flooded with light 24 hours a day, with the prisoners having minimal room to move. The meals usually included watery soup and bread, and discipline consisted of reducing the food allowance or limiting calls home.

The prison operated a "points system" where good behaviour could reduce sentences. But Radalj described it as deeply flawed. "Infractions included... hoarding or sharing food, walking 'incorrectly' in the hallway, or even standing too close to the window," he said.

After being caught in the middle of a fight between other prisoners, Radalj was placed in solitary confinement for 194 days. "You start to go crazy, whether you like it or not... After four months, you just start talking to yourself all the time," he recalled.

Despite the restrictions, Radalj secretly kept a diary using scraps of unpeeled face masks. North Korean prisoners helped him in writing minuscule script to maximize the space. He concealed the writings in his jacket and successfully smuggled them out when he was released on October 5, 2024.

"They trashed all my belongings... But the guard holding my clothes never knew the secret journal had been slipped inside," he said.

## Portugal's centre-right bloc wins election, falls short of majority

**world.** Portugal's centre-right Democratic Alliance (AD) won the Sunday's snap parliamentary election but once again fell short of securing an outright majority. The result means the country will likely continue to face political uncertainty, as no single party commands enough support to govern alone.AD, led by Prime Minister Luis Montenegro, secured 89 seats in the 230-seat parliament - just nine more than their previous count, but still short of the 116 seats needed for a majority.

The centre-left Socialist Party and the far-right Chega party were locked in a close contest for second place, making coalition talks a key part of what comes next in forming a stable government.

This was Portugal's third general election in just three years. The latest vote was triggered just a year after the AD formed a minority government. Prime Minister Luis Montenegro was forced into the polls following a failed vote of confidence in March, which was sparked by concerns raised over the involvement of his family's consultancy firm."The Portuguese don't want any more snap elections, they want a four-year legislature," Montenegro told cheering supporters. As people chanted his campaign slogan "Let Luis work," he said the result showed that people had faith in him and that the opposition must now respect that vote.

**CHEGA RISES, SOCIALISTS FALL**

One of the big stories of this election was the rise of the far-right Chega party. Chega gained 58 seats - its highest result to date and eight more than in the previous year. The centre-left Socialist Party also got 58 seats, with around 50,000 fewer votes than Chega. However, this was a decline from the 78 seats held by the Socialists at the last election.As a result, Socialist party leader Pedro Nuno Santos said he would resign.

Chega's leader, Andr Ventura, told his supporters, "We didn't win this election, but we've made history." He said he was confident his party could still move ahead of the Socialists once all votes are counted.

Ventura founded Chega in 2019. Despite Chega's growth, Montenegro has ruled out working with them. This means he will either have to negotiate with other smaller parties or rule with limited support in parliament.

# Ahead of Trump-Putin call, Zelenskyy meets JD Vance, Marco Rubio in Rome

**world.**After the setbacks in failed peace talks, Ukrainian President Volodymyr Zelenskyy held a series of high-level meetings with US officials and European leaders in Rome on Sunday -- just a day before the scheduled phone call between US President Donald Trump and Russian counterpart Vladimir Putin, which will decide the fate of ceasefire between Russia and Ukraine.

Zelenskyy used his visit to Rome for Pope Leo XIV's inaugural Mass to meet top US and European officials.

During his visit, Zelenskyy spoke with US Vice President JD Vance and Secretary of State Marco Rubio at the US ambassador's residence. After the meeting, Zelenskyy shared on social media that he restated Ukraine's commitment to a "full and unconditional ceasefire."

"We have also touched upon the need for sanctions against Russia, bilateral trade, defence cooperation, battlefield situation and upcoming prisoners exchange," he said. "Pressure is needed against Russia until they are eager to stop the war."

This was the first in-person meeting between Zelenskyy and Vance since their tense interaction at the White House in February.

In the 'Face the Nation' interview, Rubio said, "The only way that these talks will move forward is if Mr. Trump and Putin meet in person." He added that Trump is willing to hold a one-on-one meeting with the Russian president. "The mechanics of setting that kind of meeting up would require a little bit of work," Rubio said. "But the president wants to do it. He wants to do it as soon as feasible."When asked whether Russia and Ukraine were only engaging in talks to "buy time," Rubio responded, "We'll find out pretty soon." He added, "On the one hand, we're trying to achieve peace and end a very bloody, costly and destructive war. So, there's some element of patience that is required. On the other hand, we don't have time to waste."

German Chancellor Friedrich Merz, who was also in Rome, said he spoke with both Zelenskyy and Rubio. Merz added that leaders from Germany, France, and the UK have agreed to more conversations with the American president to coordinate efforts.

# Joe Biden, 82, diagnosed with aggressive form of prostate cancer

**Former US President Joe Biden has been diagnosed with an aggressive form of prostate cancer that has spread to his bones. His team says the cancer is hormone-sensitive and treatment options are being explored with doctors and family.**

**world.** Former US President Joe Biden has been diagnosed with an aggressive form of prostate cancer that has spread to his bones, according to a statement from his office released on Sunday.The diagnosis was confirmed on Friday after Biden reported experiencing urinary issues. His medical team is now evaluating possible treatment options, and the former president is consulting closely with doctors and his family.

"While this represents a more aggressive form of the disease, the cancer appears to be hormone-sensitive which allows for effective management," his office said. "The President and his family are reviewing treatment options with his physicians."Soon after news of Biden's cancer spread, his main political rival -- US President Donald Trump, who often ridicules his cognitive abilities -- said he was "saddened" by the development and wrote on his social media platform: "We extend our warmest and best wishes to Jill and the family, and we wish Joe a fast and successful recovery."

Wishing Biden a full recovery, former US President Barack Obama took to X and wrote: "Michelle and I are thinking of the entire Biden family. Nobody has done more to find breakthrough treatments for cancer in all its forms than Joe, and I am certain he will fight this challenge with his trademark resolve and grace. We pray for a fast and full recovery."

**GLEASON SCORE REVEALS ADVANCED STAGE OF CANCER**

Prostate cancers receive a score known as a Gleason score that indicates, on a scale from 1 to 10, how closely the cancerous cells resemble normal cells. Biden's office reported his score was 9, which means his cancer is amongst the most aggressive.

According to Biden's office, "While this represents a more aggressive form of the disease, the cancer appears to be hormone-sensitive which allows for effective management."

Prostate cancer that spreads outside the prostate - especially to the bones, as with Biden - is much harder to treat. Metastasised cancer is more difficult for drugs to target all areas. Yet, cancers that depend on hormones to develop can still be treated with drugs that inhibit hormone production, holding out a glimmer of hope for disease control.

**BIDEN'S HEALTH CONCERN**

Speculations about Joe Biden's health had begun during his presidency. His physical and mental sharpness came under question, particularly after a disastrous debate performance in June when he was seeking reelection. Biden eventually dropped out of his bid for a second term following the outrage. Democrat Kamala Harris, who was then the Vice President, then became the party's nominee but was defeated by Republican Donald Trump in the election.

NEWS BOX

## LSG focussed to win last 3 games and somehow sneak into playoffs: William O'Rourke

**New Delhi.** Lucknow Super Gianst (LSG) fast bowler Willaim O' Rourke has revealed that the team is just focusing to win the last three matches and somehow get a chance to make it to the playoffs. LSG are set to take on Sunrisers Hyderabad (SRH) on Monday, May 18 at Ekana Stadium in Lucknow.

The Rishabh Pant-led side are in a must-win situation as they desperately need to win all of their last three fixtures by a good margin to stay alive in the playoffs race. Ahead of the fixture, William O' Rourke, who's been signed as the replacement for Mayank Yadav for Rs 3 crore, spoke about his team's playoff chances .

"Obviously, there's only so much that's in our control, but what we can do is focus on winning the next three games. We need to take responsibility for that, put in strong performances, and if we manage to sneak into the semifinals, that would be a great result," said O'Rourke in the pre-match press conference.Lucknow are on the seventh spot on the points table with five wins from 11 matches having ten points to their name. They have their last three matches against SRH, Gujarat Titans (GT) and Royal Challengers Bengaluru (RCB). Moreover, their poor net run rate of -0.469 has further made their road to the playoffs tougher as all the other teams have a positive net run rate.The Rishabh Pant-led side will have to play out of their skin in the last three fixtures and also hope for certain results to go in their favour. Meanwhile, O' Rourke also spoke about bowling on Indian pitches against some of the best players in the world.

# Max Verstappen admits his Imola win surprised him: Didn't think I'd win

**Formula 1: Max Verstappen turned a weekend of doubt into triumph at Imola, securing Red Bull's milestone 400th race victory and tightening the title race with a win he hadn't expected to even compete for.**

**New Delhi.** Red Bull and Formula 1 icon Max Verstappen claimed a dramatic and unexpected victory at the Emilia-Romagna Grand Prix on 18 May, turning a weekend of low expectations into one of celebration for both himself and Red Bull Racing.

Heading into Imola, Verstappen and his team were unsure of their competitiveness. The early sessions provided little confidence, with the car appearing less responsive than required for the tight and demanding circuit. But things changed as qualifying progressed, with Verstappen managing to extract strong pace over a single lap—enough to secure a place near the front of the grid.

"Before I got here this weekend, I didn't really have a lot of hope that we could actually win a race here. But then I think from yesterday onwards, the car was more competitive over one lap and luckily also today," Verstappen said after the race."As soon as I braked late and then came off the brakes, I felt like, OK, there might be a move on. So, I just carried the speed in. And, luckily, it basically was sticking. It's not an easy move to make, but luckily, everything went well," he added.

At the start of the race, Verstappen wasted no time. With bold commitment into the opening corners, he made a decisive move on pole-sitter Oscar Piastri, setting the tone for a high-pressure afternoon. That early overtake proved pivotal, as Verstappen pulled away steadily in clean air.

Despite the interruption of a mid-race safety car that neutralised his advantage, Verstappen maintained control. Lando Norris moved up to second in the final laps, passing teammate Piastri, but neither McLaren was able to mount a serious challenge for the lead.

Tactics also played a crucial role in the win. While several drivers, including Piastri, pitted early to switch to hard tyres, Verstappen remained out longer on mediums. This strategy paid off when a Virtual Safety Car on Lap 29—triggered by Esteban Ocon's retirement—allowed him to make his pit stop with minimal time lost, rejoining the race with a healthy lead.

The victory, Verstappen's second of the season, was especially significant for Red Bull, marking their 400th Grand Prix start with a win. It also helped him close the gap in the drivers' standings to just nine points behind leader Lando Norris, with Oscar Piastri sitting a further four points back.

Even Verstappen admitted the win had caught him off guard, as he had arrived in Italy with little belief that a top result was possible. But with the car finding form at the right moment, and his race execution near flawless, he walked away from Imola with a crucial 25 points—and momentum firmly back on his side.

# GT assistant coach backs Shubman Gill's captaincy with MS Dhoni reference

**GT assistant coach Aashish Kapoor backed Shubman Gill's calm, strategic leadership during IPL 2025, drawing parallels with MS Dhoni as speculation grows around Gill becoming India's next Test captain.**

**New Delhi.** GT assistant coach Aashish Kapoor backed Shubman Gill's calm, strategic leadership during IPL 2025, drawing parallels with MS Dhoni as speculation grows around Gill becoming India's next Test captain.

"When (MS) Dhoni was made captain for the World Cup for the first time, he was not captain anywhere. So nobody knew, 10 years, 12 years down the line, he is going to be one of the world's best captains," Kapoor said.

"If you had asked somebody at that point in time, including Dhoni, what do you think of your captaincy? There would be no answer. So you have to see a person over a period of time before you can make any judgement on him. And he has not even started," he added.Gill led Gujarat Titans into the IPL 2025 playoffs after a dominant win over Delhi Capitals on May 18. The victory was powered by a brilliant 202-run opening partnership with Sai Sudharsan, where Gill remained unbeaten on 93. While he has consistently been one of the top batters this season, his leadership has also played a crucial role in Gujarat Titans' rise as strong title contenders.

Gill's form this season has marked a return to prominence after a quiet IPL 2024 campaign. His composed approach and ability to guide the team through pressure situations have stood out. His performance and leadership have also sparked increased conversations within the cricket fraternity about his readiness for the Test captaincy role.With Gujarat already securing a playoff spot, the focus now shifts to finishing in the top two. Their final league games against playoff-chasing Lucknow Super Giants and defending champions Chennai Super Kings will be critical. A strong finish could see Gill push his team toward a second IPL title, adding another feather to his growing leadership rsume.

## Neeraj Chopra hits 90.23: 2016 Olympic champion welcomes India athlete to 90m club

**New Delhi.** Delhi Capitals batter Abishek Porel said that the team is upbeat about their chances to make it to the playoffs of IPL 2025 despite their loss to GT on Sunday, May 18. The Titans handed a 10-wicket loss to the Capitals in Delhi on Sunday, which has left them in a precarious spot.The win for GT meant that they, along with RCB and PBKS, qualified for the playoffs with just one more spot up for grabs. It will be a three-way battle for the final spot with DC battling MI and LSG. Speaking at the post-match presentation, Porel said that GT batted well on the day.

However, the batter felt that Delhi played good cricket on the day and feels if they can make full use of the chances in the next two games, then they can qualify."They batted really well actually. In the first innings, the ball was getting stuck a little bit initially and that dictated how we played at that time. But later the wicket was very good. So I used to think that seeing like that in the first innings, then it was a very good score for us. But they batted very well."We played good cricket. In some moments, we were a little behind - that's why we didn't win. But we played good cricket. We didn't play bad cricket. We played good cricket. We still have two chances. If we win two-on-two, we still have chances to qualify. So there is no such ground challenges," said Porel.

**'Will play where team management prefers me to play'**

DC have used seven different opening pairs over the course of the IPL 2025 season, with Porel also being a part of the merry-go-round. When asked if he would want to play as an opener, Porel said that the decision lies with the team management.The southpaw said his aim is to play good cricket for the side."It's totally up to the team management. It's not in my hands.

## India will not play or host Asia Cup 2025 amidst tensions with Pakistan: Sources

**New Delhi.** The Board of Control for Cricket in India (BCCI) has decided that India will not play or host the Asia Cup 2025 amidst the growing tensions with Pakistan, sources told India Today, citing the escalating geopolitical and military tensions with Pakistan. India and Sri Lanka were supposed to host the tournament this year. According to sources, the Women's Emerging Teams Asia Cup, scheduled for next month in Sri Lanka, has been cancelled amidst the ongoing standoff between India and Pakistan.

As for the Men's Asia Cup in September, a final decision will be made at the upcoming ACC (Asian Cricket Council) meeting, which is headed by Pakistan Cricket Board chairman Mohsin Naqvi. However, sources suggest India has already informed the ACC that it will neither play in nor host the tournament. Without India's participation, the event is likely to be cancelled or scrapped altogether. Since, Mohsin Naqvi is the ACC chair right now, all the financial losses will have to be borne by him.The move signals a broader shift in India's approach to cricketing ties with Pakistan. India's withdrawal has put the future of this year's Asia Cup in serious doubt. The tournament, which was scheduled to be played in a T20 format at a neutral venue as preparation for the 2026 T20 World Cup, was set to feature five nations — India, Pakistan, Sri Lanka, Afghanistan and Bangladesh. India are the defending champions of the Asia Cup, having won the title in 2023.

A large chunk of the tournament's financial backing comes from Indian sponsors and broadcasters. Sony Pictures Networks India (SPNI) acquired the media rights to Asia Cup events in 2024 for a reported USD 170 million over eight years. The Asia Cup was given a 19-day window in September this year, where at least two Indo-Pak matches were to take place, apart from the possibility of a final clash between the rivals, which would have assured the broadcasters of high advertising revenue.

In previous years, similar concerns led to hybrid models being adopted for multilateral tournaments. The 2023 Asia Cup was technically hosted by Pakistan, but India's matches — including the final — were played entirely in Sri Lanka. The same model was adopted earlier this year during the ICC Champions Trophy, with India playing their fixtures in Dubai instead of travelling to Pakistan.

# Jannik Sinner jokes brother chose Formula 1 over watching his final vs Alcaraz

**Rome.** World No. 1 Jannik Sinner showed humour in defeat after losing to Carlos Alcaraz in the Italian Open final, playfully criticising his brother Mark for skipping the match in favour of attending the Emilia Romagna Grand Prix.The 22-year-old Italian, who was beaten 7-6(5), 6-1 by Alcaraz in front of a packed home crowd in Rome, maintained a positive outlook after the match. Despite the disappointment of missing out on the title, Sinner thanked his team during the post-match ceremony and made light of his brother's absence, joking about his decision to choose Formula 1 over a Masters 1000 final."I'd like to thank my team. There have been a few months that weren't easy. It's been a great result just to be here in the final. We trained a lot. We can be proud of the results we achieved. We didn't win the final but we are happy with this trophy. It's been a great success since we came here. Paolini won singles and doubles with Errani. Lorenzo and I did our part on the men's side. Italians, we hope you're happy with this tournament. A lot of friends of mine are here," Snner said.

"Special thanks to my brother, who, instead of being here, is in Imola watching Formula 1. He's watching the racing," he added.

Alcaraz's victory marked his fourth consecutive win over Sinner and his seventh career Masters 1000 title. The match was their first meeting in six months and Sinner's first defeat of the year in a main-draw event, ending his remarkable 26-match winning streak.

Sinner had impressed throughout the tournament, including a dominant straight-sets win over Madrid Masters champion Casper Ruud in the quarter-finals. His performance in Rome reaffirmed his form ahead of the French Open, despite the loss.

Meanwhile, Alcaraz's success in Rome — his first title at the Italian Open — capped off a strong clay-court season that began with a Monte Carlo Masters win and a runners-up finish in Barcelona. The 22-year-old Spaniard now heads to Roland Garros as one of the firm favourites.

# Rahul Dravid defends Dhruv Jurel after yet another close defeat in IPL 2025

**New Delhi.** Rajasthan Royals head coach Rahul Dravid hit back at critics of Dhruv Jurel after the team slumped to their sixth loss while chasing in the Indian Premier League 2025. The Royals have now chased in seven matches this season, winning just one — against Gujarat Titans on April 28.Sunday was another missed opportunity, as Sanju Samson's side fell short while chasing 220 runs, despite a flying start. The loss once again put the spotlight on Rajasthan's misfiring middle order, which has struggled to close out games from winning positions throughout the season.

Dhruv Jurel, in particular, came under fire for his performance, but Dravid firmly defended the Rs 14 crore retention, stating that the young wicketkeeper-batter had done an excellent job under pressure all season.

"In every single match that he has come out in, he's been chasing 13-14 runs per over — that is not easy," said Dravid at the post-match press conference. "He played really well, even though we lost a bunch of wickets in the middle overs. He brought us close to the target. It's not like he's walked in needing 7 an over and failed. It's always 12-13, sometimes even more. I think Jurel has done well for us at No. 5. It's a very difficult position to bat in."Dravid also voiced hope for the future of Rajasthan's young Indian core, which has drawn criticism this season. He noted that many of the players are set to gain valuable international experience in the coming year, and expected them to return stronger in IPL 2026.

"We've seen the talent — today again, the batting from Jaiswal, Vaibhav, Jurel, even Sanju and Riyan. We have a strong group of young Indian batsmen. They'll only be better in a year," Dravid said.

"Vaibhav (Suryavanshi) will play a lot of cricket, like the India U19 setup. Riyan Parag too. These guys will be playing tough cricket, international cricket through the year. So hopefully when they return next season, they'll be more experienced. They're already very talented."

**Dravid Rues Lack of Finishing Touch**

Rajasthan fell short against Punjab Kings on Sunday, despite a blazing start. Openers Vaibhav Suryavanshi and Yashasvi Jaiswal powered the team to a 50-run stand in just three overs, but the Royals failed to capitalize and were restricted to 209 in their chase of 220."We've got close but haven't been able to finish the job," Dravid admitted. "It's been one of those seasons where you feel we give 15-20 runs too many with the ball, and with the bat, after getting into good positions, we haven't been able to finish with the big shots we needed from the lower middle order."

Punjab were 159 for five in the 16th over but hammered 60 runs in the final four overs to reach 219/5 at the Sawai Mansingh Stadium — a period Dravid believed swung the game.

"It's been five games now — 10 runs, tie, 1 run, 2 runs, 10 runs again. These are one or two hits in that final phase that we just haven't managed."He also pointed out that bowlers should share the responsibility for the defeats.

# Ananya Panday

## Ishaan Khatter Feature In Forbes 30 Under 30 Asia 2025

Forbes has announced the landmark 10th edition of its 30 Under 30 Asia list, which highlights 300 of the region's most promising entrepreneurs, innovators, and leaders under 30. A big shoutout to Ananya Panday and Ishaan Khatter for making it to the Forbes 30 Under 30 Asia list for 2025. Among the select few from Bollywood this year are these two actors.Ananya Panday, who debuted with Student of the Year 2 in 2019, has steadily built her brand with a mix of diverse film roles and a strong presence in fashion. Her latest film, Kesari Chapter 2, a poignant drama centered on the aftermath of the Jallianwala Bagh massacre, showcased a more serious and layered side to her acting. Beyond movies, Ananya became the first Indian ambassador for luxury fashion house Chanel earlier this year, further cementing her status as a style icon. She also actively promotes her campaign So Positive, focused on combating cyberbullying among youth.On the other hand, Ishaan Khatter, who began his journey with Beyond the Clouds and gained mainstream attention with Dhadak, has been making bold choices with more complex and global projects. 2025 is a milestone year for him as he prepares for his Cannes debut with the film Homebound, which will feature in a special segment of the festival. Ishaan's recent works include the Netflix rom-com series The Royals and the international Netflix Original The Perfect Couple, where he stars alongside Nicole Kidman, expanding his footprint in global cinema.

Forbes 30 Under 30 is an annual list published by Forbes magazine since 2011, highlighting 30 influential young achievers under the age of 30 across different industries.

# Tamannaah Bhatia

## Looks Uncomfortable As She Gets MOBBED At Event; Fans Express Concern

Tamannaah Bhatia was mobbed after an event in Mumbai last night, May 17. The actor, whose special appearances in film songs have consistently trended, performed at the Zee Cine Awards. While exiting the venue, she was seen maintaining her distance as a horde of male fans came running towards her for photos. Tamannaah quickly navigated her way away from the crowd and hopped into her car.Tamannaah Bhatia was seen protecting herself from a sea of male fans who had gathered around her for photos. The Aaj Ki Raat star was spotted without any security. After politely obliging for a few photos while fixing her dress, she looked uncomfortable and hurried away from the spot. Take a look:

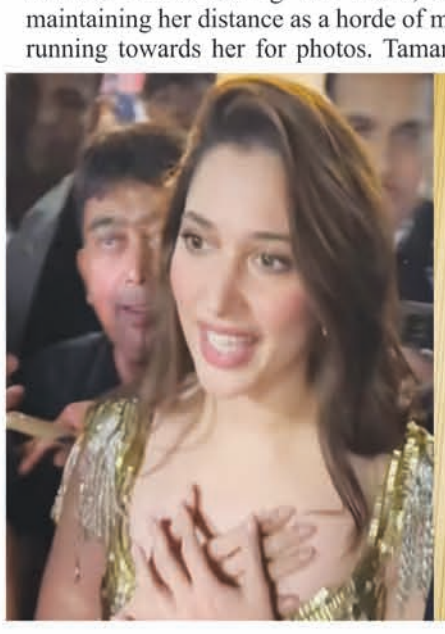

Fans took to the comment box and expressed their support. "Wo uncomfortable ho rhi h bhai samjte nhi tumlog," wrote a fan. "Isiliye in chha*ri ko ignore karte h actor and actress, vo Kitna uncomfortable feel kr rhi h," wrote another. A third user questioned why her security was missing.

Meanwhile, Tamannaah has joined the star cast of Sidharth Malhotra-led Vvan: Force Of The Forest. Though the actor's face wasn't revealed in the announcement, the makers vaguely showed an artistic imagery of her wearing a red saree, running barefoot with a lamp in her hand in the middle of the forest at night. Sharing the teaser online, Balaji Motion Pictures had written, "Rooted in Indian mythology and mysticism, VVAN – Force of the Forrest unfolds a tale straight from the pages of history and folklore.

Delighted to welcome @tamannaahspeaks to this powerful narrative — a force in her own right, ready to command the screen like never before."Apart from her work diaries, Tamannaah Bhatia has been making headlines for her alleged breakup with Vijay Varma. The duo have chosen to remain silent on their relationship status.

## Aishwarya Rai, Abhishek Bachchan Enjoy As Rahul Vaidya Sings Kajra Re At A Wedding

Aishwarya Rai Bachchan and Abhishek Bachchan never fail to make heads turn every time they step out together, and this time was no different! The couple, along with their daughter Aaradhya Bachchan, recently attended a wedding in Mumbai. A video from the wedding ceremony has surfaced on social media, and it shows the family enjoying and grooving as singer Rahul Vaidya sang the song 'Kajra Re' from the 2005 film Bunty Aur Babli.

At a recent wedding ceremony, Aishwarya Rai Bachchan and Abhishek Bachchan were seen fully enjoying themselves as Rahul Vaidya performed Kajra Re to the lively beats of the dhol. A video that has gone viral shows Aishwarya grooving, while Abhishek and Aaradhya clapped along to the beat. While Abhishek looked dapper in an ivory sherwani, Aishwarya donned an ivory full-sleeved anarkali with a dupatta. Aaradhya also donned a matching lehenga. Check out the video below!

Meanwhile, last month, Aishwarya Rai and Abhishek Bachchan celebrated their 18th wedding ceremony. To mark the special occasion, the actress took to Instagram to share a heartwarming family photo featuring her husband Abhishek and their daughter Aaradhya. The trio was seen posing closely together, radiating warmth and love. Aishwarya looked stunning with her signature red lipstick and sleek hair, while Abhishek sported a classic white shirt and bold red glasses. Aaradhya stood between them, smiling sweetly, making it a perfect family portrait.A few months ago, rumours about Aishwarya Rai Bachchan and Abhishek Bachchan's divorce began circulating on social media. However, the couple has since been seen together on multiple occasions, appearing happy and united, thus putting an end to those speculations. In March, Aishwarya and Abhishek were spotted at Ashutosh Gowariker's son Konark Gowariker and Niyati Kanakia's wedding reception in Mumbai. In December, they were spotted together at a star-studded wedding reception. They also reunited to celebrate their daughter Aaradhya's birthday.

## Malti Marie Hosts Tea Party For Mom Priyanka Chopra's Manager Anjula Acharia

Priyanka Chopra's daughter Malti Marie enjoys a huge fan following. The little munchkin grabs attention for everything she does. Recently, she hosted an adorable tea party for her mother's manager Anjula Acharia, and her husband Furhan Ahmad. She shared the photos on social media and it is going viral.Taking to her Instagram stories, Anjula shared photos in which they are seen enjoying the party. "Massi and Furhan uncle got invited to the cutest tea party with the truly special Malti Marie (sic)," read the caption. In another photo, Malti decided it was time for a makeover. Anjula playfully wrote, "She also thought I needed a makeover. I couldn't agree more!"

Priyanka Chopra and Malti celebrated Mother's Day with Nick Jonas with a beautiful picnic organised by the latter at a park. The photos went viral, with fans lauding the Sucker singer's heartfelt gesture for his family. Recently, Nick spoke about how he planned the whole setup with help from his brother, Joe Jonas. He further lauded wife Priyanka for being an amazing mother to Malti.

Priyanka Chopra and Nick Jonas, who tied the knot in 2018, welcomed baby girl Malti Marie on January 15, 2022. Taking to Instagram, the duo had shared a long note about welcoming their first child via surrogacy. A year later, the 7 Khoon Maaf actor spoke about why they had to opt for the procedure. "I had medical complications," PeeCee had said, opening up for the first time with Vogue.

The actor further mentioned that surrogacy "was a necessary step, and I'm so grateful I was in a position where I could do this. Our surrogate was so generous, kind, lovely, and funny, and she took care of this precious gift for us for six months."

Meanwhile, on the work front, Priyanka Chopra is making her comeback in Indian films with SS Rajamouli and Mahesh Babu's SSMB 28.